हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्ष: 6, अंक: 139, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 3 नवम्बर, 2021 दिन बुधवार | गाजीपुर/वाराणसी

गाजीपुर में बड़ा हादसा : बेकाबू ट्रक के रौंदने से छह लोगों की मौत, सीएम ने राहत कार्य के दिए निर्देश

प्रखर गाजीपुर। मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के अहिरौली के पास बेकाबू ट्रक एनएच-31 के किनारे गुमटी पर बैठे आधा दर्जन लोगों को मंगलवार की अल सुबह रौंद दिया। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चालक सहित दो की हालत गंभीर बनी हुई है। इससे पीड़ित परिवार के लोगों में जहां कोहराम मचा रहा वहीं आक्रोशित लोगों ने जाम लगा दिया। डीएम-एसपी के समझाने पर तीन घंटे बाद जाम 11 बजे समाप्त हुआ। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक जताते हुए मृत परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने तत्काल हर संभव मदद और राहत प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

अहिरौली चट्टी पर झब्बू गुप्ता ने मिठाई और चाय की गुमटी खोल रखी है। सुबह करीब साढ़े सात बजे लगभग आठ लोग यहां गुमटी के सामने चौकी बैठकर चाय आदि पीने के बाद बाचतीच कर रहे थे। इस बीच बलिया की तरफ से आ रहा खाली बेकाबू ट्रक उन्हें रौंदते हुए गुमटी में जा घुसा। इससे चीख-पुकार मच गई। इस हादसे में अहिरौली निवासी वीरेंद्र राम (40), सत्येंद्र ठाकुर (28), गोलू (14) व रमाशंकर (62) निवासी जीयनदासपुर उर्फ बसाऊका पुरा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि श्याम बिहारी कुशवाहा (45) निवासी अहिरौली की जिला अस्पताल लाते समय जान चली गई। हादसे में घायल चंद्रमोहन की हालत गंभीर बनी हुई है। उधर, हादसे के चालक की लोगों ने जमकर पिटाई कर दी। पुलिस ने किसी तरह लोगों के चंगुल से छुड़ाकर अधमरे हाल में बिना बताए इलाज के लिए भेजा। आक्रोशित लोगों ने एनएच को जाम कर दिया। मौके पर पहुंचे जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह व पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह लोगों को समझाकर जाम समाप्त कराया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक व्यक्त किया– उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद गाजीपुर में एक सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने इस हादसे में घायल लोगों का समुचित उपचार कराने तथा प्रभावित लोगों को हर संभव मदद और राहत प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

आयकर विभाग ने अजित पवार से जुड़ी 1000 करोड़ रुपये की संपत्ति को किया सीज

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में इन दिनों जबरदस्त हलचल देखने को मिल रही है। यहां राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा की जा रही कार्रवाई के बाद आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तारी के बाद अबमहाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, आयकर विभाग ने अजित पवार से जुड़ी लगभग 1000 करोड़ रुपये की संपत्ति को सीज कर लिया है। ऐसे में महाराष्ट्र की राजधानी में हलचल और बढ़ सकती है। सूत्रों के मुताबिक, आयकर विभाग ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की 1000 करोड़ रुपये की संपत्ति सीज की है। मुंबई के नरीमन प्वाइंट स्थित निर्मल टावर सहित पांच संपत्तियों को आईटी विभाग ने कुर्क किया है। सूत्रों ने बताया कि पिछले महीने आईटी विभाग ने पवार की बहनों के घरों और कंपनियों पर छापेमारी की थी। इसके बाद से ही संपत्तियों को कुर्क करने की कार्रवाई पर काम किया जा रहा था। इससे पहले महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को प्रवर्तन निदेशालय ने मेराथन पूछताछ के बाद मनीलॉन्ड्रिंग से जुड़े एक केस में गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, देशमुख को इस का अंदाजा नहीं रहा होगा कि उन्हें ईडी गिरफ्तार कर लेगी।

8 नवंबर से बहाल हो जाएगी सभी स्तर के कर्मचारियों की बायोमीट्रिक हाजिरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आठ नवंबर से सभी स्तर के कर्मचारियों की बायोमीट्रिक हाजिरी बहाल करने का फैसला लिया है। कार्मिक मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि विभाग प्रमुख बायोमीट्रिक मशीन के पास सैनिटाइजर और उपस्थिति दर्ज कराने से पहले और बाद में सभी कर्मचारियों द्वारा हाथों को सैनिटाइज करना सुनिश्चित करेंगे। कोरोना वायरस महामारी के कारण इससे पहले सभी कर्मचारियों को बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने से मुक्त कर दिया गया था। केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को भेजे गए आदेश में कार्मिक मंत्रालय ने कहा, 'उपस्थिति दर्ज कराते समय सभी कर्मचारी अनिवार्य रूप से छह फीट की दूरी बनाए रखेंगे। भीड़ से बचने के लिए जरूरत होने पर अतिरिक्त बायोमीट्रिक मशीनें लगाई जा सकती हैं।'

सभी कर्मचारियों के लिए मास्क पहनना या पूरे समय चेहरे को ढंके रखना जरूरी होगा। यहां तक कि उपस्थिति दर्ज कराने की प्रतीक्षा करते समय भी उन्हें इसका पालन करना होगा। वीडियो कांफ्रेंस से बैठकें जारी रहेंगी और जनहित के अनिवार्य मुद्दों को छोड़ आगंतुकों के साथ मुलाकात पर रोक रहेगी।

हस्ताक्षर करके लगाई जा रही थी हाजिरी– बता दें कि मार्च 2020 में कोरोना से बचने के लिए बायोमेट्रिक हाजिरी पर तुरंत रोक लगा दी थी। इसके बाद से सरकारी कर्मचारी रजिस्टर पर हस्ताक्षर करके हाजिरी लगा रहे थे। हालांकि, कुछ सरकारी विभागों में बाद में यह नियम लागू किया गया था। कोरोना के संक्रमण से बचने के लिए अनेक लोगों के संपर्क में आने वाली चीजों के प्रयोग से बचने और बचाने के लिए सरकार ने ये फैसला लिया था।

निर्णय लेने की प्रक्रिया छोटी करने के लिए बने सेनाओं का संयुक्त ढांचा : वायुसेना प्रमुख

नई दिल्ली। वायुसेना प्रमुख वीआर चौधरी ने सोमवार को कहा कि सशस्त्र बलों में से प्रत्येक की ताकत का पूरा उपयोग करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया छोटी करने के लिए उनके बीच संयुक्त ढांचा बनाया जाना चाहिए। चौधरी ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय में अधिकारियों को अपने संबोधन में भारतीय वायुसेना को एक समकालिक एयरोस्पेस शक्ति बनाने के विषय पर बल दिया। चीफ आफ एयर स्टाफ ने अपने संबोधन के दौरान संयुक्त ढांचा बनाने के लिए सेना के प्रत्येक अंग की ताकत का उपयोग कर सैन्य शक्ति के समेकित इस्तेमाल की जरूरत का जिक्र किया। उन्होंने हथियारों व प्रणालियों के स्वदेशीकरण कार्यक्रम बारे में बात करते हुए भविष्य में टकराव से निपटने के लिए विविध-क्षेत्र में क्षमता विकसित करने के महत्व पर जोर दिया।उधर, रक्षा सचिव अजय कुमार ने 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' के अंतिम दिन सोमवार को सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के लिए अनुशासन और सतर्कता नियमावली जारी की।

भदोही में 20 लाख का अवैध पटाखा पुलिस ने किया बरामद

पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर विस्फोटक अधिनियम में भेजा जेल

गोपीगंज नगर के पश्चिम मोहाल से 55 बोरों में रखा गया था अवैध पटाखा

प्रखर भदोही। उत्तर प्रदेश की भदोही पुलिस ने गोपीगंज नगर में स्थिति एक गोदाम से 20 लाख का अवैध पटाखा बरामद किया है। इसका इस्तेमाल दीपावली पर बिक्री के लिए किया जाता। पुलिस ने दो आरोपितों को गुरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक डॉ अनिल कुमार के निर्देश पर गोपीगंज पुलिस एवं क्राइम ब्रांचव सर्विलांस की संयुक्त कार्यवाही में यह सफलता मिली है।

गोपीगंज कोतवाली के सदर मोहाल कस्बा में दीपू बरनवाल निवासी अंजही मोहाल और रितेश बरनवाल के कब्जे से 55 बोरा अवैध पटाखा जिसकी कीमत करीब 20 लाख रुपये पुलिस ने बतायी है। पुलिस को पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि दीपावली पर बेचने के लिए इसे गोदाम में रखा गया था। पटाखे बेचकर हम लोग अच्छा मुनाफा कमाते हैं। पुलिस ने पटाखे को पश्चिम मोहाली स्थित एक गोदाम से बरामद किया। दोनों आरोपितों के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम की धारा में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

शाइन सिटी के सीएमडी राशिद नसीम का भाई एमडी आशिफ नसीम गिरफ्तार

प्रखर वाराणसी / लखनऊ। करोड़ों रुपए का घोटाला करने वाली शाइन सिटी प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर आसिफ नसीम को लखनऊ क्राइम ब्रांच ने प्रयागराज से सोमवार को देर शाम गिरफ्तार कर लिया। वहीं इसके साथ इस कंपनी के एडिशनल डायरेक्टर मोहम्मद जसीम खान को भी पकड़ा गया है। बता दें कि शाइन सिटी के मैनेजिंग डायरेक्टर आसिफ नसीम पर एक लाख का इनाम घोषित था। वही उसके भाई सीएमडी राशिद नसीम पर 5 लाख का इनाम घोषित कर दिया गया है। राशिद इस समय दुबई में छिपा हुआ है। उसको भी लाने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश जारी कर दिया है, जल्द ही दुबई से उसे लाया जा सकता है। बता दें कि शाइन सिटी इंफ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनाकर करोड़ों रुपए का चूना लगाने वाले नसीम बंधुओं को पुलिस को तलाश थी,

वही दोनों भाइयों पर आरोप है कि उत्तर प्रदेश के हजारों निवेशकों से अरबों रुपए का हेरफेर किये है। बता दे कि आसिफ नसीम और राशिद नसीम सहित कई पदाधिकारियों पर सैकड़ों मुकदमें उत्तर प्रदेश व अन्य कई राज्यों में दर्ज हैं।

सनसनीखेज: मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे किनारे दो बच्चों के शव मिले, एक को कंटीले तारों पर उल्टा लटकाया

नौहझील (मथुरा)। मथुरा में मंगलवार की सुबह यमुना एक्सप्रेसवे के माइलस्टोन 74 और 78 पर दो बालकों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों की बेरहमी से हत्या की गई है। माइलस्टोन 78 पर कंटीले तारों पर 13 साल के बालक को लटकाया गया, जबकि नौ साल के बच्चे के शव को कंटीले तारों के पास फेंका गया। पुलिस के अनुसार दोनों भाई प्रतीत हो रहे हैं। पहला शव माइलस्टोन 78 के समीप कंटीले तारों पर लटका मिला। यहां मृत बालक की जींस तारों में फंसी हुई थी। वह उल्टा लटका हुआ था। सुबह टहलने निकले ग्रामीणों ने शव देखा तो उनके होश उड़ गए। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस जांच में जुटी ही थी, इस बीच माइलस्टोन 74 पर एक और बालक का शव मिलने की सूचना मिली। यहां शव एक्सप्रेसवे के किनारे झाड़ियों में पड़ा मिला। माइलस्टोन 78 कोतवाली सुरीर और माइलस्टोन 74 थाना नौहझील क्षेत्र में आता है। आशंका जताई जा रही है कि दोनों बालकों की हत्या करके शव लटकाया और फेंका गया है। दोनों शव मिलने की जानकारी पर एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर और एसपी ग्रामीण श्रीशचंद पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। एसएसपी ने पुलिस टीम को शवों की

के सिरों पर भारी चीज से हमला कर हत्या की गई है। गले पर भी निशान मिले हैं। हालांकि अभी तक दोनों की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। शिनाख्त के साथ खुलासे के निर्देश दिए हैं। कोतवाल नौहझील सदुवनराम गौतम ने बताया कि शिनाख्त के बाद ही हत्या का खुलासा हो सकेगा। यह तो साफ है कि दोनों की हत्या की गई है।

समीर बोले- मेरे परिवार को फंसाने की हो रही कोशिश, ड्रग पेडलर ने मेरी बहन से किया था संपर्क

मुंबई। एनसीपी नेता नवाब मलिक और एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े के बीच छिड़ी लड़ाई खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। अब नवाब मलिक की ओर से लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए समीर वानखेड़े ने कहा है कि हमें लंबे समय से ड्रग

केस में फंसाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि इसके पीछे ड्रग माफिया का हाथ है।

मेरी बहन से ड्रग पेडलर ने किया था संपर्क– समीर वनखेड़े ने बताया कि सलमान नाम के ड्रग पेडलर ने मेरी बहन से संपर्क किया था, लेकिन उसने उसे वापस भेज दिया था। इसके बाद समीर ने एक बिचौलिए के जरिए हमें ड्रग केस में फंसाने की कोशिश की, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया था, फिलहाल वह जेल में हैं। उन्होंने कहा कि व्हाट्सएप चैट शेयर कर मुझ पर जो आरोप लगाए जा रहे हैं, वे सभी झूठे हैं।

ड्रग माफिया है इन सब के पीछे– समीर वानखेड़े ने कहा कि हमें झूठे केस में फंसाने के लिए बिचौलिए ने इसी साल जनवरी में मुंबई पुलिस को हमारे खिलाफ झूठी शिकायत दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सलमान जैसे ड्रग पेडलर का इस्तेमाल कर हमारे परिवार को फंसाने की कोशिश की जा रही है। इन सब चीजों के पीछे ड्रग माफिया है।

मेरे बारे में जानकारी करें नवाब मलिक– एनसीबी अधिकारी ने कहा कि एनसीपी नेता नवाब मलिक मेरे महंगे कपड़े और जूतों पर सवाल खड़े कर रहे हैं। उन्हें मेरे बारे में बहुत कम जानकारी है, पहले वे मेरे बारे में जानकारी करें।

हिमाचल में कांग्रेस के 'हाथ' में चारों सीटें, 1 पर भाजपा की जमानत तक जब्त

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने तगड़ी वापसी करते हुए क्लीन स्वीप किया है। यहां बीजेपी को जोर का झटका लगा है। तीन विधानसभा सीटों और एक लोकसभा सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार विजयी हुए हैं। एक सीट पर तो भाजपा प्रत्याशी की जमानत तक जब्त हो गई है। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने बीजेपी को चौंकाते हुए सभी दावों की हवाईयां निकाल दी है। मंडी लोकसभा सीट पर कांग्रेस की प्रत्याशी और पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह ने बीजेपी उम्मीदवार कुशाल सिंह ठाकुर को हराकर सीट पर कब्जा किया। प्रतिभा सिंह ने ये सीट 8766 वोटों के अंतर से जीती। प्रतिभा सिंह को 365650 वोट मिले। जबकि कुशाल सिंह को 356884 वोट मिले। फतेहपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस उमीदवार भवानी सिंह पठानिया 5789 वोटों से चुनाव जीत गए हैं। इस सीट पर भाजपा प्रत्याशी बलदेव ठाकुर को

18660 वोट मिले। जबकि कांग्रेस उम्मीदवार भवानी सिंह पठानिया ने 24449 वोट हासिल किए। उधर, अर्की विधानसभा सीट से भी कांग्रेस ने जीत का स्वाद चखा। यहां कांग्रेस प्रत्याशी संजय अवस्थी ने जीत हासिल की। जुब्बल-कोटखाई विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस ने बाजी मारी। इस सीट से कांग्रेस प्रत्याशी रोहित ठाकुर को जीत मिली। रोहित ठाकुर को 29447 वोट मिले। यहां निर्दलीय प्रत्याशी चेतन बरागटा 23344 वोट के साथ दूसरे नंबर पर रहे। जबकि भाजपा प्रत्याशी नीलम सरैइक को महज 2584 वोट मिले। भाजपा प्रत्याशी की इस सीट पर जमानत जब्त हो गई है। इस सीट पर कुल 56607 वोट पड़े।

कैसे होती है जमानत जब्त– भारतीय निर्वाचन आयोग का नियम है कि चुनाव में जमानत जब्त उस स्थिति में होती हैं जब कोई उम्मीदवार कुल वैध मतों का 1/6 हिस्सा प्राप्त करने में नाकाम रहता है। ऐसी स्थिति में उम्मीदवार के द्वारा चुनाव आयोग के पास जमा की गयी जमानत राशि जब्त कर ली जाती है। ह्यसंसदीय निर्वाचन क्षेत्रह्नके लिए चुनाव लड़ने के लिए 25 हजार रुपये की सिक्योरिटी राशि और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने के लिए 10 हजार रुपये की राशि जमा करनी होती है।

दिवाली से पहले राहत, 10 हजार के पास पहुंची नए मामलों की संख्या

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के नए मामलों की संख्या में लगातार कमी दर्ज की जा रही है। नए मामले घटकर 10 हजार के पास पहुंच गए हैं। इसके साथ ही ठीक होने वालों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। बीते 24 घंटे में 10 हजार से ऊपर नए मामले सामने आए हैं और 15 हजार से ज्यादा रिकवरी दर्ज की गई हैं। इस दौरान 443 लोगों की कोरोना के कारण मृत्यु हो गई है। इससे एक दिन पहले संक्रमण के 12,514 नए मामले सामने आए थे और 251 मौतें दर्ज की गई थीं। स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 10,423 मामले सामने आए हैं और 15,021 रिकवरी दर्ज की गई हैं। इस दौरान कोरोना के कारण 443 मौतें दर्ज की गई हैं। ताजा मामलों के बाद देश में कोरोना संक्रमण के मामलों कुल संख्या 3,42,96,237 तक पहुंच गई है। इसमें से 1,53,776 सक्रिय मामले हैं, यह आंकड़ा 250 दिनों में सबसे कम है। इसके अलावा अब तक 3,36,83,581 कुल रिकवरी दर्ज की गई हैं और देश में कोरोना के कारण अभी तक 4,58,880 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

दो साल में दुनियाभर में 50 लाख लोगों की गई जान– कोरोना महामारी के कारण दो साल में दुनियाभर में 50 लाख से ज्यादा लोगों की जान गई है। इस महामारी ने दो साल के अंदर गरीब ही नहीं, संपन्न देशों को भी हिला कर रख दिया है। अमेरिका, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन व ब्राजील उच्च आय वाले देश हैं जहां दुनिया की आबादी का आठवां हिस्सा रहता है। कोरोना महामारी से होने वाली कुल मौतों में से आधी इन्हीं देशों में दर्ज की गई हैं। अमेरिका में सबसे ज्यादा करीब 7.40 लाख लोगों की मृत्यु हुई है।

चिंतन मनन

सार्थक रहा जी-20

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोम में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने विकसित देशों को पर्यावरण की रक्षा और हरित परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए कई मंत्र भी दिए। पीएम मोदी ने कहा कि विकसित देशों को विकासशील देशों में हरित परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का कम से कम एक प्रतिशत प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि भारत जलवायु वित्त की उपेक्षा को नजरअंदाज नहीं कर सकता है और इस पर ठोस प्रगति के बिना विकासशील देशों पर जलवायु कार्रवाई के लिए दबाव डालना न्याय नहीं था। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण पर जी20 शिखर सम्मेलन सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने आगे कहा कि जलवायु न्याय को भूलकर हम न केवल विकासशील देशों के साथ अन्याय कर रहे हैं, बल्कि हम पूरी मानवता के साथ विश्वासघात कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकासशील देशों की मुखर आवाज के रूप में, भारत विकसित देशों द्वारा जलवायु वित्त की उपेक्षा को नजरअंदाज नहीं कर सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि विकसित देशों को विकासशील देशों में हरित परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का कम से कम एक प्रतिशत प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। जी-20 को पीएम मोदी ने तीन मंत्र दिए हैं। जी-20 देशों को एक स्वच्छ ऊर्जा परियोजना कोष बनाना चाहिए जिसका उपयोग उन देशों में किया जा सकता है जहां इसकी कमी है। जी-20 देशों में स्वच्छ-ऊर्जा अनुसंधान संस्थानों का एक नेटवर्क बनाना चाहिए। इसके अलावा जी-20 देशों को हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में वैश्विक मानक बनाने के लिए एक संगठन बनाना चाहिए, ताकि इसके उत्पादन और उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सके। पीएम मोदी ने कहा कि अगर जी-20 इस दिशा में आगे बढ़ता है तो भारत भी इन सभी प्रयासों में अपना पूरा योगदान देगा। भारत जलवायु शमन के इस मुद्दे पर महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ रहा है। जब हमने पेरिस में अपने लक्ष्यों की घोषणा की, तो कई लोगों ने पूछा कि क्या भारत 175 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा जैसा कुछ करने में सक्षम होगा। लेकिन भारत न केवल तेजी से इन लक्ष्यों को प्राप्त कर रहा है बल्कि उच्च लक्ष्य निर्धारित करने में भी व्यस्त है। सतत जीवनशैली पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंत्र सतत खपत और जिम्मेदार उत्पादन पैटर्न पर जी-20 का रोम घोषणा में परिलक्षित होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से जलवायु परिवर्तन पर विश्व की चिंताओं को उजागर किया गया। विकसित देशों की इसमें जो जिम्मेदारी होनी चाहिए उन्हें सामने लाया गया, जो उनकी कमियां रही हैं, उन्होंने उसे स्वीकार किया। जी-20 शिखर सम्मेलन में कृषि क्षेत्र में छोटे और सीमांत किसानों की आजीविका हमारा केंद्र बिंदु थी। हर कोई सहमत है कि इनकी आजीविका में सुधार एक महत्वपूर्ण वैश्विक प्रयास है, जिसके लिए हमें काम करना होगा। जी-20 शिखर सम्मेलन में सतत विकास बिंदु संख्या 12 पर चर्चा की गई और उसे स्वीकार किया गया। इसका उद्देश्य विकसित देशों को उनकी शानदार और ऊर्जा की गहन खपत वाली जीवनशैली को कम करने के लिए प्रोत्साहित करना है। बैठक में ऊर्जा और जलवायु का मुद्दा चर्चा केंद्र में रहा। बैठक में भारत और कई अन्य विकासशील देशों ने विकासशील देशों के हितों को सुरक्षित रखने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी समेत जी-20 के नेताओं ने सहमति जताई है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को कोरोना टीकों की आपातकालीन उपयोग मंजूरी को लेकर प्रक्रिया को तेज करने के लिए मजबूत किया जाएगा। रोम घोषणापत्र में सहमति जताई गई है कि कोरोना टीकाकरण दुनिया के लिए फायदेमंद है।

देखो अब परिणाम!

उपचुनाव का आया है ।
देखो अब परिणाम ।।
हुई किसी को चिंता ।
हुआ किसी का नाम ।।
आगे की रणनीति का ।
है खाका तैयार ।।
हुई एक की हार ।
दूजे को उपहार ।।
होगी लेनी सीख ।
हुई कहां पर चूक ?
फिर निशाना आगे का ।
बन जाए अचूक ।।
बज चुकी है घंटी ।
आज इस प्रकार ।।
कुछ दिनों तक बंद हो ।
शायद अब तकरार ।।

-कृष्णेन्द्र राय

धनतेरस पर घर लाए चाँदी के लक्ष्मी-गणेश, होगा मंगल और शुभ

कुबेर देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर के लिए करें मंत्र जाप आपको मिलेगी समवृद्धि , सुख-समृद्धि एवं सम्पन्नता का प्रतीक है धनतेरसः पंडित अतुल शास्त्री

प्रखर भदोही। धनतेरस के दिन देव धनवंतरी का जन्म हुआ था। वे देवताओं के चिकित्सक हैं।

धनतेरस के दिन आरोग्य के देवता भगवान धन्वन्तरी के साथ श्रीगणेश एवं कुबेर देव की पूजा की जाती है। धनतेरस कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाई जाती है। इस वर्ष यह मंगलवार 2 नवंबर को है।

लक्ष्मी पूजन है विशेष महत्व- इस दिन नये उपहार, चांदी के सिक्के, बर्तन व गहनों की खरीदारी करना शुभ रहता है। शुभ मुहूर्त समय में पूजन करने के साथ सप्त धान्यों की पूजा की जाती है, जिनमें गेंहू, उडद, मूंग, चना, जौ, चावल और मसूर मुख्य हैं. सप्त धान्यों के साथ ही पूजन सामग्री में विशेष रुप से स्वर्ण पुष्पा के पुष्प से भगवती का पूजन करना लाभकारी रहता है। इस दिन पूजा में भोग लगाने के लिये नैवेद्य के रुप में श्वेत मिष्ठान्न का प्रयोग किया जाता है। साथ ही इस दिन स्थिर लक्ष्मी का पूजन करने का विशेष महत्व है।

आम तौर पर हर वर्ष धनतेरस के दिन खरीदारी का खास महत्त्व है ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति यह चाहता है कि वह कुछ ऐसी खरीदारी करे जो ना सिर्फ उसके बजट में हो बल्कि उसके अर्थ में वृद्धि भी करे तो आइए ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री जी से जानते हैं कि धनतेरस में हम क्या खरीदें जिससे जीवन में सुख समृद्धि के साथ सम्पन्नता भी आए।

लक्ष्मी एवं गणेश की चांदी प्रतिमा है शुभ- ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री जी के अनुसार लक्ष्मी जी व गणेश जी की चांदी की प्रतिमाओं को इस दिन घर लाना, घर-कार्यालय,. व्यापारिक संस्थाओं में धन, सफलता व उन्नति को बढाता है. इस दिन भगवान धनवन्तरी समुद्र से कलश लेकर प्रकट हुए थे, इसलिये इस दिन खास तौर से बर्तनों की खरीदारी की जाती है. इस दिन बर्तन, चांदी खरीदने से इनमें 13 गुणा वृद्धि होने की संभावना होती है। इसके साथ ही इस दिन सूखे धनिया के बीज खरीद कर घर में रखना भी परिवार की धन संपदा में वृद्धि करता है।दीपावली के दिन इन बीजों को बाग और खेतों में लागाया जाता है ये बीज व्यक्ति की उन्नति व धन वृद्धि के प्रतीक होते है।

कुबेर मंत्र का करें, जाप होगा लाभ- शास्त्री के अनुसार कुबेर मंत्र का जाप करें, जो इस प्रकार है। ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धनधान्याधिपतये

धनधान्यसमृद्धिं मे देहि दापय स्वाहाः धन धान्य और समृद्धि के स्वामी श्री कुबेर जी का यह 35 अक्षरी मंत्र है। इस मंत्र के विश्रवा ऋषि हैं तथा छंद बृहती है. भगवान शिव के मित्र कुबेर इस मंत्र के देवता हैं। कुबेर देवताओं के कोषाध्यक्ष हैं। इस मंत्र को उनका अमोघ मंत्र भी कहा जाता है। माना जाता है कि तीन महीने तक इस मंत्र का 108 बार जाप करने से घर में किसी भी प्रकार धन धान्य की कमी नहीं होती।

धनतेरस के शुभ मुहूर्त- तिथि - 2 नवंबर 2021, मंगलवार। इस साल धनतेरस के दिन सुबह सूर्योदय से लेकर रात के 08:35 बजे तक खरीदी के लिए शुभ समय रहेगा। धनतेरस पर पुष्कर और सिद्ध योग रहेगा, जो कि बेहद शुभ रहता है। इस योग में खरीदारी करना अति उत्तम माना गया है। धनतेरस की

पूजा करने के लिए शाम 06:00 बजे से रात 07:57 मिनट तक शुभ मुहूर्त रहेगा। उपरोक्त में शुभ मुहूर्त में पूजन करने से धन, स्वास्थ्य व आयु में शुभता आती है। सबसे अधिक शुभ अमृत काल में पूजा करने का होता है।

ज्योतिष विद्वान पंडित अतुल शास्त्री का कहना है धनतेरस के दिन प्रदोषकाल में यम को तिल तेल का दीपक घर के बाहर दक्षिण मुख कर रखने से काल-संकट, रोग, शोक, भय, दुर्घटना, मृत्यु से बचा जा सकता है। इस दीपक में कुछ पैसा व कौडी भी डाली जाती है।

नरक चतुर्दशी पर प्रातःकाल चिचड़ी से स्नान करने पर मिलेगी मुक्ति

प्रखर भदोही। नरक चतुर्दशी दीपावली के पांच दिवसीय महोत्सव का दूसरा दिन है, जिसे हिंदू कैलेंडर अश्विन महीने की विक्रम संवत में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी अर्थात चौदहवें दिन मनाई जाती है। मान्यता है कि कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी के दिन प्रातःकाल तेल लगाकर अपामार्ग (चिचड़ी) की पत्तियाँ जल में डालकर स्नान करने से नरक से मुक्ति मिलती है।

कैसे करें पूजन

ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री के अनुसार, इस दिन सुबह हस्त नक्षत्र होने से आनंद नाम का शुभ योग बन रहा है। इसके अलावा सर्वार्थसिद्धि नाम का एक अन्य शुभ योग भी इस दिन सुबह-सुबह रहेगा। इस दिन शरीर पर तिल के तेल की मालिश करके सूर्योदय से पहले स्नान करने का विधान है। स्नान के दौरान अपामार्ग (एक प्रकार का पौधा) को शरीर पर स्पर्श करना चाहिए। अपामार्ग को निम्न मंत्र पढ़कर मस्तक पर घुमाना चाहिए।

सितालोष्ठसमायुक्तं सकण्टकदलान्वितम्।
हर पापमपामार्ग भ्राम्यमाणः पुनः पुनः।।

नहाने के बाद साफ कपड़े पहनकर, तिलक लगाकर दक्षिण दिशा की ओर मुख कर-के निम्न मंत्रों से प्रत्येक नाम से तिलयुक्त तीन-तीन जलांजलि देनी चाहिए। यह यम-तर्पण कहलाता है। इससे वर्ष भर के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस प्रकार तर्पण कर्म सभी पुरुषों को करना चाहिए, चाहे उनके माता-पिता गुजर चुके हों या जीवित हों। फिर देवताओं का पूजन करके शाम के समय यमराज को दीपदान करने का विधान है।

नरक चतुर्दशी है छोटी दीपावली

नरक चतुर्दशी की उचित जानकारी देते हुए ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री ने बताया, नरक चतुर्दशी को छोटी दीपावली इसलिए कहा जाता है क्योंकि दीपावली से एक दिन पहले, रात के वक्त उसी प्रकार दीए की रोशनी से रात के तिमिर को प्रकाश पुंज से दूर भगा दिया जाता है जैसे दीपावली की रात को। इस रात दीए जलाने की प्रथा के संदर्भ में कई पौराणिक कथाएं और लोकमान्यताएं हैं।

क्यों जलाए जाते हैं द्वीप

शास्त्री के अनुसार एक पौराणिक कथा के अनुसार आज के दिन ही भगवान श्री कृष्ण ने अत्याचारी और दुराचारी नरकासुर का वध किया था और सोलह हजार एक सौ कन्याओं को नरकासुर के बंदी गृह से मुक्त कर उन्हें सम्मान प्रदान किया था। इस उपलक्ष्य में दीयों से पूरा घर सजाया जाता है।

श्रीराम दीपावली के लौटे थे अयोध्या

ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री यह भी कहते हैं इस त्योहार को मनाने का मुख्य उद्देश्य घर में उजाला और घर के हर कोने को प्रकाशित करना है। कहा जाता है कि दीपावली के दिन भगवान श्रीराम चन्द्र जी चौदह वर्ष का वनवास पूरा कर अयोध्या आये थे तब अयोध्या वासियों ने अपनी खुशी के दिए जलाकर उत्सव मनाया व भगवान श्री रामचन्द्र माता जानकी व लक्ष्मण का स्वागत किया। कहीं कहीं पर ये भी माना जाता है की आज के दिन हनुमान जी का जन्म हुआ था।

भगवान महावीर स्वामी जी का निर्वाण उत्सव

जैन धर्म के चउबीसवे तीर्थंकर भगवान महावीर का जीवन उनके जन्म के ढाई हजार साल भी उनके लाखों अनुयायियों के साथ ही पूरी दुनिया को अहिंसा का पाठ पढ़ा रहा है। पंचशील सिद्धान्त के प्रर्वतक और जैन धर्म के चौबिसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के प्रमुख ध्व्जवाहकों में से एक हैं। जैन ग्रंथों के अनुसार, 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी के मोक्ष प्राप्ति के बाद 298 वर्ष बाद महावीर स्वामी का जन्म ऐसे युग में हुआ, जहां पशु बलि, हिंसा और जाति-पाति के भेदभाव का अंधविश्वास था।

भगवान महावीर का जन्म ईसा पूर्व लगभग 600 वर्ष पूर्व चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन क्षत्रियकुण्ड नगर मे हुआ। भगवान महावीर की माता का नाम महारानी त्रिशला और पिता का नाम महाराज सिद्धार्थ थे। भगवान महावीर कई नामो से जाने गए उनके कुछ प्रमुख नाम वर्धमान, महावीर, सन्मति, श्रमण आदि थे। महावीर स्वामी के भाई नंदिवर्धन और बहन सुदर्शना थी। बचपन से ही महावीर तेजस्वी और साहसी थे। भगवान महावीर का जन्म एक साधारण बालक के रूप मे हुआ था, इन्होने अपनी कठिन तपस्या से अपने जीवन को अनूठा बनाया। महावीर स्वामी के जीवन के हर चरण मे एक कथा व्याप्त है, हम यहा उनके जीवन से जुड़े कुछ चरणों तथा उसमे निहित कथाओ को बता रहे है।

महावीर स्वामी का वैराग्यः

महावीर स्वामी के माता पिता की मृत्यु के पश्चात उनके मन मे वैराग्य लेने की इच्छा जागृत हुई, परंतु जब उन्होने इसके लिए अपने बड़े भाई से आज्ञा मांगी, तो उन्होने अपने भाई से कुछ समय रुकने का आग्रह किया। तब महावीर स्वामी जी ने अपने भाई की आज्ञा का मान रखते हुये 2 वर्ष पश्चात 30 वर्ष की आयु मे वैराग्य लिया। इतनी कम आयु में घर का त्याग कर केशलोच के साथ जंगल में रहने लगे। वहां उन्हें 12 वर्ष के कठोर तप के बाद जम्बक में ऋजुपालिका नदी के तट पर एक साल्व वृक्ष के नीचे सच्चा ज्ञान प्राप्त हुआ। इसके बाद उन्हें केवलिन नाम से जाना गया तथा उनके उपदेश चारों और फैलने लगे। बडे-बडे राजा महावीर स्वामी के अनुयायी बने उनमें से बिम्बिसार भी एक थे। 30 वर्ष तक महावीर स्वामी ने त्याग, प्रेम और अहिंसा का संदेश फैलाया और बाद में वे जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर बनें और विश्व के श्रेष्ठ महात्माओं में शुमार हुए।

उपसर्ग, अभिग्रह, केवलज्ञानः

तीस वर्ष की आयु मे महावीर स्वामी ने पूर्ण संयम रखकर श्रमण बन गये, तथा दीक्षा लेते ही उन्हे मन पर्याय का ज्ञान हो गया। दीक्षा लेने के बाद महावीर स्वामी जी ने बहुत कठिन तापस्या की और विभिन्न कठिन उपसर्गों को समता भाव से ग्रहण किया। साधना के बारहवे वर्ष मे महावीर स्वामी जी मेढ़िया ग्राम से कोशम्बी आए और तब उन्होने पौष कृष्णा प्रतिपदा के दिन एक बहुत ही कठिन अभिग्रह धारण किया।

इसके पश्चात साढ़े बारह वर्ष की कठिन तपस्या और साधना के बाद ऋजुबालुका नदी के किनारे महावीर स्वामी जी को शाल वृक्ष के नीचे वैशाख शुक्ल दशमी के दिन केवल ज्ञान- केवल दर्शन की उपलब्धि हुई।

महावीर को वीर, अतिवीर और सन्मती ,वर्धमान के नाम से भी जाना जाता है। वे महावीर स्वामी ही थे, जिनके कारण ही 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्तों ने एक विशाल धर्म ह्यजैन धर्मह्न का रूप धारण किया। भगवान महावीर के जन्म स्थान को लेकर विद्वानों में कई मत प्रचलित है, लेकिन उनके भारत में अवतरण को लेकर वे एक मत है। वे भगवान महावीर के कार्यकाल को ईराक के जराथ्रुस्ट, फिलिस्तीन के जिरेमिया, चीन के कन्फ्यूसियस तथा लाओत्से और युनान के पाइथोगोरस, प्लेटो और सुकरात के समकालीन मानते हैं। भारत वर्ष को भगवान महावीर ने गहरे तक प्रभावित किया। उनकी शिक्षाओं से तत्कालीन राजवंश खासे प्रभावित हुए और ढेरों राजाओं ने जैन धर्म को अपना राजधर्म बनाया। बिम्बसार और चंद्रगुप्त मौर्य का नाम इन राजवंशों में प्रमुखता से लिया जा सकता है, जो जैन धर्म के अनुयायी बने। भगवान महावीर ने अहिंसा को जैन धर्म का आधार बनाया। उन्होंने तत्कालीन हिन्दु समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था का विरोध किया और सबको समान मानने पर जोर दिया। उन्होंने जियो और जीने दो के सिद्धान्त पर जोर दिया। सबको एक समान नजर में देखने वाले भगवान महावीर अहिंसा और अपरिग्रह के साक्षात मूर्ति थे। वे किसी को भी कोई दुःख नहीं देना चाहते थे।

महावीर स्वामी के उपदेश :

भगवान महावीर ने अहिंसा, तप, संयम, पाच महाव्रत, पाच समिति, तीन गुप्ती, अनेकान्त, अपरिग्रह एवं आत्मवाद का संदेश दिया। महावीर स्वामी जी ने यज्ञ के नाम पर होने वाली पशु-पक्षी तथा नर की बाली का पूर्ण रूप से विरोध किया तथा सभी जाती और धर्म के लोगो को धर्म पालन का अधिकार बतलाया। महावीर स्वामी जी ने उस समय जाती-पाति और लिंग भेद को मिटाने के लिए उपदेश दिये।

निर्वाण :

कार्तिक मास की अमावस्या को रात्री के समय महावीर स्वामी निर्वाण को प्राप्त हुये, निर्वाण के समय भगवान महावीर स्वामी जी की आयु 72 वर्ष की थी।

भगवान महावीर के जिओं और जीने दो के सिद्धान्त को जन–जन तक पहुंचाने के लिए जैन धर्म के अनुयायी हर वर्ष की कार्तिक पूर्णिमा को त्योहार की तरह मनाते हैं। इस अवसर पर वह दीपक प्रज्वलित करते हैं। जैन धर्म के अनुयायियों के लिए उन्होंने पांच व्रत दिए, जिसमें अहिंसा,अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह बताया गया।

अपनी सभी इंन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर लेने की वजह से वे जितेन्द्रिय या जिन कहलाए।

जिन से ही जैन धर्म को अपना नाम मिला।

जैन धर्म के गुरूओं के अनुसार भगवान महावीर के कुल 11 गणधर थे, जिनमें गौतम स्वामी पहले गणधर थे।

भगवान महावीन ने 527 ईसा पूर्व कार्तिक कृष्णा द्वितीया तिथि को अपनी देह का त्याग किया। देह त्याग के समय उनकी आयू 72 वर्ष थी।

बिहार के पावापुरी जहां उन्होंने अपनी देह को छोड़ा, जैन अनुयायियों के लिए यह पवित्र स्थल की तरह पूजित किया जाता है।

भगवान महावीर द्वारा दिए गए पंचशील सिद्धान्त ही जैन धर्म का आधार बने है। इस सिद्धान्त को अपना कर ही एक अनुयायी सच्चा जैन अनुयायी बन सकता है। सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह को पंचशील कहा जाता है।

सत्य- भगवान महावीर ने सत्य को महान बताया है। उनके अनुसार, सत्य इस दुनिया में सबसे शक्तिशाली है और एक अच्छे इंसान को किसी भी हालत में सच का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। एक बेहतर इंसान बनने के लिए जरूरी है कि हर परिस्थिति में सच बोला जाए।

अहिंसा- दूसरों के प्रति हिंसा की भावना नहीं रखनी चाहिए। जितना प्रेम हम खुद से करते हैं उतना ही प्रेम दूसरों से भी करें। अहिंसा का पालन करें।

अस्तेय- दूसरों की वस्तुओं को चुराना और दूसरों की चीजों की इच्छा करना महापाप है। जो मिला है उसमें ही संतुष्ट रहें।

ब्रह्मचर्य- महावीर जी के अनुसार जीवन में ब्रहमचर्य का पालन करना सबसे कठिन है, जो भी मनुष्य इसको अपने जीवन में स्थान देता है, वो मोक्ष प्राप्त करता है।

अपरिग्रह- ये दुनिया नश्वर है। चीजों के प्रति मोह ही आपके दुःखों को कारण है। सच्चे इंसान किसी भी सांसारिक चीज का मोह नहीं करते हैं। कर्म किसी को भी नहीं छोड़ते, ऐसा समझकर कर्म बांधने से भय रखो।

तीर्थकर स्वयं घर का त्याग कर साधू धर्म स्वीकारते है तो फिर बिना धर्म कार्य किए हमारा कल्याण केसे होगा। भगवान ने जब इतनी उग्र तपस्या की तो हमे भी शक्ति अनुसार तपस्या करनी चाहिए। भगवान ने सामने जाकर उपसर्ग सहे तो कम से कम हमे अपने सामने आए उपसर्गो को समता से सहन करना चाहिए। दीपवाली के सुबह प्रत्येक मंदिर में पूजन अभिषेक के साथ लड्डू चढ़ाये जाते हैं और शाम को श्री गौतम गणधर को केवल ज्ञान हुआ था सो उनके लिए ज्ञान लक्ष्मी की पूजन होती हैं । हम भगवान् महावीर के मानने वाले हैं और वे अहिंसा के पुजारी थे इस कारण हमें फटाखों को नहीं जलाना चाहिए ,यही सच्ची मान्यता होगी।

दीपोत्स्व : परोपकारी जीवन का आग्रह

दीपों का पर्व दीपावली, लक्ष्मी को प्रसन्न करने के रूप में मनाया जाता है। इससे जुड़े प्रचलित मिथकों में कमलारूढ़ लाल वस्त्रव, आभूषणयुक्त्, स्वसर्ण व अन्नक से भरे पात्र के सहित सुख, समृद्धि, की देवी लक्ष्मीा है जो सम्मोहक और चंचल हैं, जिसे बनाये रखना ,क सतत संघर्ष है। दुर्लभ और बहुमूल्य हाथी उन पर पानी की बौछार करते हैं। उनकी बगल में उनकी जुड़वां बहन अलक्ष्मी बैठती हैं जो गरीबी, दुख और दुर्भाग्य की देवी हैं। कुछ कहानियों के अनुसार ये समुद्र मंथन के दौरान वासुकी नाग का विष है। ;क्योंरकि कचरा किसी भी निर्माण प्रक्रिया का अनिवार्य अंग है अतऐव इसका प्रबंधन भी अपरिहार्य हैद्ध शिव वैश्विक वस्तुरओं के प्रति उदासीन हैं इसलि, वे इच्छित व अवांछितों में फर्क नहीं करते हैं। उनकी दृष्टि में हलाहल भी अमृत से अलग नहीं है इसलि, वे विष धारण कर नीलकंठ कहलाते है। वैष्णव साहित्य में हालाहल को अलक्ष्मी से जोड़ कर देखा गया है जो दुर्भाग्य और दारिद्रय की देवी हैं और लक्ष्मी की जुड़वां बहन है। लक्ष्मी का संबंध मिष्ठान्न से है जबकि अलक्ष्मी का संबंध खट्टी और कड़वी वस्तुठओं से। यही वजह है कि मिठाई घर के भीतर रखी जाती है जबकि नीबू और तीखी मिर्ची घर के बाहर टँगी हुई देखी जाती है। लक्ष्मी मिष्ठान्न खाने घर के अंदर आती हैं जबकि अलक्ष्मी द्वार पर नींबू और मिर्ची प्राप्तट कर संतुष्ट हो लौट जाती हैं। दोनों को ही स्वीकार किया जाता है पर स्वागत ,क का ही होता है। लक्ष्मी के दो रूप हैं, भूदेवी और श्रीदेवी। भूदेवी धरती की देवी हैं और श्रीदेवी स्वर्ग की देवी। पहली उर्वरा से जुड़ी हैं, जबकि दूसरी महिमा और शक्ति से। भूदेवी सोने और अन्न के रूप में वर्षा करती हैं दूसरी शक्तियां, समृद्धि और पहचान देती हैं। भूदेवी सरल और सहयोगी पत्नी हैं जो अपने पति विष्णु की सेवा करती हैं।

पुराणों में लक्ष्मी के तीन पितर हैं - वरुण, पुलोमान और भ्राता। वरुण वेदों में असुर हैं, लेकिन जलस्त्रोत के रूप में कल्याणकारी होने के कारण पुराणों में वे देव माने गये हैं। पुराणों में पुलमन को असुर-राजा और भृगु को असुर-गुरु बताया गया है। इससे लक्ष्मी असुरों की पुत्री हुईं। पुराणों में देव और असुर दोनों ब्रह्मा की संतान हैं। देव पृथ्वी पर जबकि असुर पृथ्वी के नीचे रहते हैं। जल, बीज अंकुरण तत्व या खनिज संपदा जैसे सभी द्रव्यज पृथ्वी के भीतर मौजूद है, जिसके लिए हमें सूर्य, पवन, अग्नि और वर्षा ;इंद्र की आवश्यकता है, मानवीय पक्ष में इनकी तत्वों रचनात्मकता होने के कारण यह देवता बन जाते हैं जबकि मानवता विरुद्ध लक्ष्मी को साझा करने के कारण असुर राक्षस बन जाते हैं । मानव को पृथ्वी से धन प्राप्ति के लिए, कृषि और खनन प्रक्रियाओं पर आश्रित रहना पड़ता है।

असुरों के गुरु भृगु दूरदर्शिता से जुड़े हैं। उनका पुत्र शुक्र रचनात्मकता से जुड़ा है। जिनमें धन पैदा करने की संभावना अधिक है। इसीलिए लक्ष्मी को भृगु की पुत्री भार्गवी और शुक्र की बहन बनाता है । लक्ष्मी का महत्वस तब होता है जब वह अपने पिता से मुक्ती हो पृथ्वीत के ऊपर आती है। धन का निर्माण एक हिंसक प्रक्रिया है। खेत और मानव बस्तियों के लिए रास्ता बनाने के लिए जंगलों को नष्ट किया जाता है,जिससे कई जीवन प्रभावित होते हैं । कच्चे माल को उद्योगों के लिए जमीन से बाहर निकाला जाना अर्थात लक्ष्मी प्राप्त करने के लिए असुरों का विनाश का प्रतीक है। इसे मानव द्वारा निर्मित बर्तन के आविष्कार से समझ सकते हैं ! जैसे पात्र में रखा जल आपके स्वावमित्वु को दशार्ता है जो सांस्कृतिक हस्तक्षेप का प्रतीक है जबकि जंगल का जलस्त्रोत सभी प्राणियों के लिए उपलब्ध है । देवासुर संग्राम से मृत असुरों को संजीवनीविद्या से शुक्राचार्य पुनर्जीवित करते है, यह पृथ्वी की प्रजनन क्षमता का संकेत है, जो प्रतिवर्ष फसलों को वापस लाता है। फसलों की कटाई का कार्य देवों द्वारा असुरों की हत्या का प्रतीक है। यही कारण है कि देव और असुरों के बीच चक्रीय संघर्ष तब तक कभी खत्म नहीं होगा जब तक मनुष्य प्रकृति के शोषण की तलाश करता रहेगा। इंद्र की पत्नी के रूप में लक्ष्मी को सचि के नाम से जाना जाता है और इंद्र को सचिन के नाम से जाना जाता है। क्योंकि वह कल्पतरू के कामधेनु, कौस्तुभ मणि अक्षय.पात्र जैसे द्रव्यों के साथ आती है जो देवों को विलासितापूर्ण जीवन जीने में सक्षम बनाते हैं। उन्हें ,क भी दिन काम नहीं करना पड़ता है। इस मनोवृत्ति का निराकरण के अन्यण तर्कों में जहां इंद्र अपनी ओर से लक्ष्मी से प्रसन्न हो सकते हैं, वहीं लक्ष्मी कभी भी इंद्र के बगल में आकर प्रसन्न नहीं दिखती। लक्ष्मी को कभी.कभी खजाने का जमाखोरी करने वाले यक्षों के धनी राजा कुबेर के बगल में बैठे हुए कल्पना की जाती है ।कुबेर की पहचान कुछ ग्रंथों में इंद्र के कोषाध्यक्ष के रूप में है। चंचला होने के कारण कोई भी आश्वनस्तक नहीं होता कि धन और भाग्य की देवी किसके पक्ष में होगी क्योंककि, वह बिना कारण अचानक दिखाई दे सकती है, और बिना किसी चेतावनी के छोड़ जाती है।

रामायण में कुबेर के राज्य और सिंहासन पर उसका भाई रावण आधिपत्यध कर लेता है। साथ ही वह राम की पत्नी सीता का हरण कर लक्ष्मी को लाता है। महाभारत में कौरव अपने प्रतिद्वंद्वी चचेरे भाई पांडवों को लाखा महल में भस्मय करने का असफल प्रयत्नण करते हैं। बाद में वह पांडवों को जुए में हरा देते हैं। अपनी आजादी के बदले पांडवों को 13 साल का वनवास काटना पड़ता हैं। इस प्रकार लक्ष्मी छल करके कौरवों के पास आती हैं लेकिन ताकत या छल के माध्यम से प्राप्त लक्ष्मी कभी स्था यी नही रह सकती । अतएव राम रावण का और श्रीकृष्ण दुर्योधन का उद्धार कर कर सुराज की स्थापपना करते हैं। ब्राह्मण ग्रंथों द्वारा दशार्ये गये वेदों के प्रारंभिक भाग में हमें गाय, घोड़े, अनाज, सोना, जैसे धन प्राप्त करने के अनुष्ठान मिलते हैं अर्थात धन को सुख में प्रवेश के रूप में देखा जाता है । अरण्यक और उपनिषद ग्रंथों द्वारा दर्शाए गए वेदों के उत्तरार्द्ध में धन को ईर्ष्या, मित्रों से हानि, परिवारिक कलह जैसे दुःख के रूप में देखा जाता है । वैदिक काल में धन की प्रकृति पर यह बदलाव इंद्र की स्थिति में परिलक्षित होता है । इंद्र वेदों के महान योद्धा राजा हैं, लेकिन पुराणों में उन्हे ब्रह्मा विष्णु और शिव से मदद मांगते हु, असुरक्षित और असहाय दिखाया गया है। विपुल धन के आगमन से प्राप्त दुख हमें वेदांत की ओर ले जाती है, जहॉ मन और संपत्ति के बीच संबंधों की विवेचना है।

रहस्यमय आइंस्टीनियम को समझने के लिए नया शोध

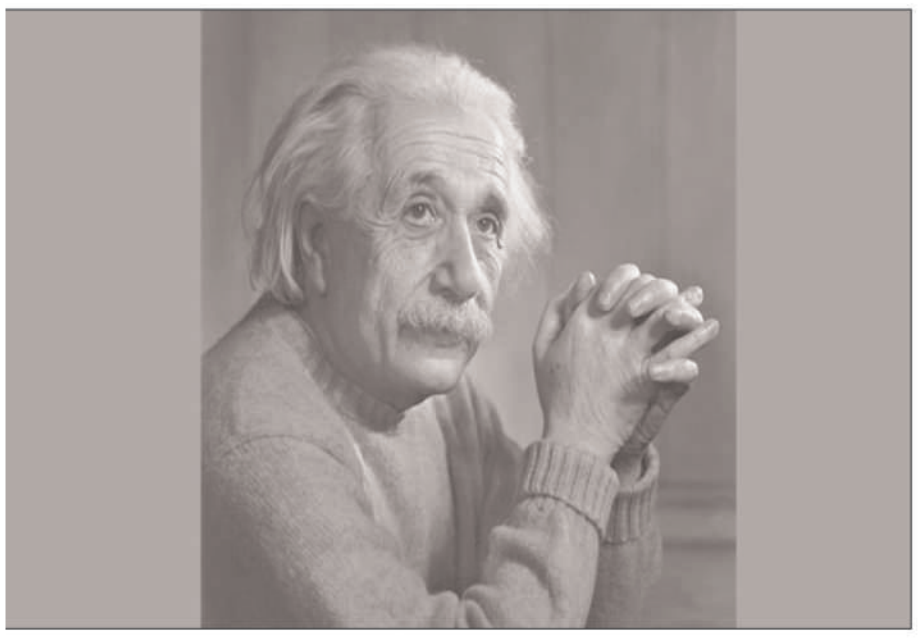

हमारा वातावरण कई सूक्ष्म और अ-सूक्ष्म पदार्थों से मिलकर बना है। इन सभी पदार्थों के निर्माण में उनके अणुओं और परमाणुओं की बेहद खास भूमिका होती है। वातावरण में मौजूद कुछ पदार्थों को हम नग्न आँखों से देख सकते हैं, तो कुछ पदार्थों को देखने के लिए हमें सूक्ष्मदर्शी की आवश्यकता होती है। हमारे वातावरण में उपस्थित इन पदार्थों को वैज्ञानिकों ने उनके गुणों के आधार पर आवर्त सारणी में व्यवस्थित किया है। लेकिन, वर्षों पहले एक ऐसा तत्व सामने आया, जिसने विज्ञान जगत को भी अचंभित कर दिया। उस समय वैज्ञानिक यह बताने में असमर्थ थे कि उसके क्या गुण हैं, और वह कैसे हमारे लिए उपयोगी हो सकता है। इस रहस्यमयी तत्व को आइंस्टीनियम नाम दिया गया, और आवर्त सारणी में 99 नंबर के स्थान पर अंकित किया गया।

पहली बार जब हाइड्रोजन बम का धमाका हुआ, तो उससे एक नया रासायनिक तत्व निकलकर आया, जिसे वैज्ञानिकों ने आइंस्टीनियम नाम दिया। यह नाम मशहूर वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंसटाइन के नाम पर रखा गया था। लगभग 70 साल तक आइंसटीनियम वैज्ञानिकों के लिए एक पहेली बना रहा, क्योंकि यह एक ऐसा रेडियोधर्मी तत्व है, जो प्राकृतिक रूप से नहीं पाया जाता। इसे लैब में तैयार करना भी दुष्कर था। एक ताजा घटनाक्रम में वैज्ञानिकों को आइंस्टीनियम से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त हुई हैं। अमेरिका की बर्कलेज नेशनल लैबोरेटरी में आइंस्टीनियम पर किये गए शोध में वैज्ञानिकों ने इस तत्व के कुछ अवयवों का पता लगाया है। अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने आइंस्टीनियम के सबसे स्थिर एर-254 आइसोटोप का प्रयोग किया है। वैज्ञानिकों के पास सिर्फ 200 नैनो-ग्राम आइंस्टीनियम उपलब्ध था, जिसे अमेरिका की ओक रिज नेशनल लैबोरेटरी में बनाया गया था। आइंस्टीनियम के इस आइसोटोप की रेडियो-सक्रियता 276 दिन में घटकर आधी हो जाती है। अपनी उच्च रेडियोधर्मिता और छोटी आयु के कारण आइंस्टीनियम आइसोटोप अपने निर्माण की प्रक्रिया में धरती पर मौजूद होते हुए भी क्षरण के कारण विलुप्त हो गए। अब इनको अत्यंत गहन और दुष्कर विधि से केवल प्रयोगशालाओं में बनाया जा सकता है।

एक विशिष्ट विधि के उपयोग से वैज्ञानिक यह पता लगाने में सफल हुए हैं कि आइंस्टीनियम अपने अणुओं से कैसे संयुक्त होता है, और उनके बीच की दूरी (बॉन्ड लेंथ) कितनी है। आणविक संरचना का यह अध्ययन परमाणु ऊर्जा और विकिरण-औषधियों के उत्पादन में उपयोगी कई अन्य तत्वों और आइसोटोप के अध्ययन में मददगार हो सकता है। इस अध्ययन से, आइंस्टीनियम की रासायनिक संरचना का अंदाजा लगाने में भी मदद मिलेगी, जो पहले संभव नहीं था। अध्ययन के निष्कर्ष शोध पत्रिका नेचर में प्रकाशित किए गए हैं।

नवंबर, 1952 में पहली बार हाइड्रोजन बम का परिक्षण किया गया। उस समय परीक्षण के दौरान जिस हाइड्रोजन बम का विस्फोट हुआ, उसकी क्षमता दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर हुए विस्फोट की तुलना में कई गुणा ज्यादा प्रभावी थी। यह परीक्षण दक्षिणी प्रशांत महासागर में स्थित एक छोटे-से द्वीप एल्युजलैब आइलैंड में हुआ। परीक्षण के दौरान इतना तेज धमाका हुआ कि पूरा द्वीप विस्फोट के कारण गायब हो गया। परीक्षण के बाद वैज्ञानिकों के सामने था विस्फोट से निकला हुआ मलबा, और मलबे में मौजूद कई रासायनिक तत्व। वैज्ञानिकों ने इस मलबे से एक तत्व खोज निकाला, जिसको बाद में आइंस्टीनियम नाम दिया गया। इसको प्रतिकात्मक रूप में एर लिखा जाता है। यह अत्याधिक रेडियोधर्मी तत्व है, यानी एक ऐसा तत्व, जो बहुत जल्द अपना स्वरूप बदल लेता है, और अपनी एक निश्चित अवस्था में स्थिर नहीं रह पाता। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह एक ऐसा तत्व है, जिसका अभी तक कोई उपयोग ज्ञात नहीं है।

जर्मनी में पढ़ाई करें और बढ़िया स्कॉलरशिप भी पाएं

आप कह सकते हैं कि जर्मनी में ऐसी क्या चीज है, जिसके कारण छात्र आकर्षित हो रहे हैं, तो इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि वहां उचित शिक्षा की फीस बहुत कम है और न केवल शिक्षा की, बल्कि शिक्षा के बाद काम करने के लिए परमिट भी वहां आसानी से मिल जाता है। यूरोप में पढ़ाई करना तमाम ब्राइट स्टूडेंट्स का सपना होता है, और बात जब जर्मनी की हो, तो यहां से लोगों का एक खास लगाव होना स्वभाविक है।

यूं भी जर्मनी टेक्नोलॉजी में काफी आगे है और यहां का एजुकेशन सिस्टम भी कई देशों की तुलना में काफी बेहतर माना जाता है। ऐसे में तमाम भारतीय छात्र जर्मनी की ओर पढ़ाई का रूख करते ही हैं। वास्तव में उन्हें काफी सहूलियत भी मिलती है।

चूंकि एजुकेशन डेस्टिनेशन के रूप में हाल-फिलहाल जर्मनी काफी पॉपुलर हो रहा है, और वहां क्वालिटी एजुकेशन भी बड़े पैमाने पर मिल रही है, इसलिए स्वाभाविक है कि वहां भारतीय छात्रों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक प्रत्येक वर्ष 7 फीसदी से अधिक भारतीय छात्र वहां पढ़ने जा रहे हैं।

आप कह सकते हैं कि जर्मनी में ऐसी क्या चीज है, जिसके कारण छात्र आकर्षित हो रहे हैं, तो इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि वहां उचित शिक्षा की फीस बहुत कम है और न केवल शिक्षा की, बल्कि शिक्षा के बाद काम करने के लिए परमिट भी वहां आसानी से मिल जाता है। खास बात यह है कि अगर आप जर्मनी में शिक्षा लेना चाहते हैं, तो आप बेहतरीन स्कॉलरशिप भी पा सकते हैं।

आइए जानते हैं कुछ स्कॉलरशिप प्रोग्राम्स के बारे में...

एचडब्ल्यूके फैलोशिप

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है और यह एक प्रतिष्ठित स्कॉलरशिप मानी जाती है। अगर आप एक काबिल वैज्ञानिक हैं, तो फेलोशिप प्रोजेक्ट के बेसिस पर जर्मनी में स्टडी के लिए रेग्युलर फैलोशिप और जूनियर फैलोशिप 3 और 10 महीने के लिए प्रदान की जाती है। जाहिर तौर पर यह एक आकर्षक फैलोशिप है, जो ब्राइट स्टूडेंट्स के लिए काफी मददगार साबित होती है। यूं भी विज्ञान के प्रयोगों में काफी धन की आवश्यकता होती है और इसीलिए इस स्कॉलरशिप प्रोग्राम को काफी हाईलाइट किया जाता है।

मैनहीम यूनिवर्सिटी डॉचलैंड स्कॉलरशिप

इस स्कॉलरशिप का नाम तो आपने सुना ही होगा। अगर आप बेहतरीन मेरिट पाते हैं, तो ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए आप इस स्कॉलरशिप हेतु आवेदन कर सकते हैं। ?24000 प्रत्येक महीने आपको स्कॉलरशिप के तौर पर दिए जाते हैं जो कि एक काफी आकर्षक स्कॉलरशिप मानी जा सकती है। विदेशों में अगर आपको इतनी रकम पढ़ाई के लिए मिलती है, वह भी प्रत्येक महीने तो वह आपकी शिक्षा में निश्चित तौर पर मददगार साबित होगी।

जीएसएलएस फेलोशिप, विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी

हम बोल रिसर्च ट्रैक स्कॉलरशिप स्कॉलरशिप पीएचडी की पढ़ाई करने वालों के लिए है चाहे इस्ट्रीम जो भी हो अगर आप मास्टर डिग्री ले चुके हैं इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकते हैं तकरीबन 6 महीने तक ?63000 तक आपको मिल सकते हैं ?32000 प्रत्येक महीने चुने हुए हैं स्कॉलर के बच्चों के लिए खर्च दिए जाते हैं तो जाहिर तौर पर आप को लाभ पहुंचा सकता है

जीएसएलएस फैलोशिप

विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, 3 सालों के लिए पीएचडी फेलोज को यह स्कालरशिप देती है। खास बात यह है कि इसमें आपको लाइफ साइंस के किसी भी सब्जेक्ट में डिग्री लेनी होती है। इस फेलोशिप में प्रत्येक वर्ष 4 लाख रिसर्च से सम्बंधित खर्च, यात्रा आदि पर खर्च किए जाते हैं।

साइंस और इंजीनियरिंग में डीएएडी इंटर्नशिप

इंटर्नशिप में करंट में चल रहे रिसर्च और भिन्न परियोजनाओं के हिस्से के तौर पर डॉक्टोरल स्टूडेंट्स, प्रोफेसर या साइंटिस्ट के साथ काम करने का मौका इसमें मिलता है। गणित, विज्ञान या फिर इंजीनियरिंग के स्टूडेंट अंतिम वर्ष में या उससे पहले भी इंटरव्यू के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें ट्रैवल एलाउंस के लिए आपको प्रत्येक महीने ?50 हजार तक मिल जाते हैं, जो कि पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट के लिए सफिशिएंट माने जा सकते हैं।

बोहरिंगर इंगेलहिम फोंड्स पीएचडी फेलोशिप

भारत के बेहद जूनियर साइंटिस्ट इस स्कॉलरशिप का फायदा उठा सकते हैं। वे जर्मनी के हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूट में पीएचडी कर सकते हैं। दाखिला लेने के बाद, स्कॉलरशिप के तहत साइंटिफिक रिसर्च और लाइव फील्ड एक्सपेरिमेंट के लिए इसमें फंड प्रोवाइड किया जा सकता है। आप यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि मासिक भत्ते के रूप में तकरीबन 1.2 लाख रुपया दिया जाता है तो ?12000 रिसर्च एंड डेवलपमेंट भत्ता के तौर पर। इसके अलावा भी दूसरे भत्ते इसमें शामिल हैं।

आइंस्टाइन फैलोशिप जर्मनी

आइंस्टाइन फोरम टाइमर एंड डैमर ऐंड बेंज फाउंडेशन भारत के ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंस अथवा नेचुरल साइंसेज के छात्रों को यह फेलोशिप प्रोवाइड करता है।

सावरकर अकेले स्वातंत्र्य योद्धा थे जिन्हें दो-दो आजीवन कारावास की सजा मिली

मैं तुम्हारे दर्शन करने आया हूँ मदन, मुझे तुम पर गर्व है. सावरकर तुम्हें मेरी आँखों में डर की परछाई तो नहीं दिखाई दे रही, बिल्कुल नहीं मुझे तुम्हारे चेहरे पर योगेश्वर कृष्ण का तेज दिखाई दे रहा है, तुमने गीता के स्थितप्रज्ञ को साकार कर दिया है मदनः न जाने ऐसे कितने ही जीवन है जो सावरकर से प्रेरणा प्राप्त कर मातृभूमि के लिए हस्ते हस्ते बलिदान हो गए। अपने महापुरुषों का स्मरण व सदैव उनके गुणों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ते रहना, यही भारत की श्रेष्ठ परंपरा है। ऐसे ही अकल्पनीय व अनुकरणीय जीवन को याद करने का दिन है सावरकर पुण्यतिथि।

यहाँ दीप नहीं जीवन जलते हैं

स्वातंत्र्य विनायक दामोदर सावरकर केवल नाम नहीं, एक प्रेरणा पुंज है जो आज भी देशभक्ति के पथ पर चलने वाले मतवालों के लिए जितने प्रासंगिक हैं उतने ही प्रेरणादायी भी। वीर सावरकर अदम्य साहस, इस मातृभूमि के प्रति निश्छल प्रेम करने वाले व स्वाधीनता के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाला अविस्मरणीय नाम है। इंग्लैंड में भारतीय स्वाधीनता हेतु अथक प्रवास, बंदी होने पर भी अथाह समुद्र में छलांग लगाने का अनोखा साहस, कोल्हू में बैल की भांति जोते जाने पर भी प्रसन्ता, देश के लिए परिवार की भी बाजी लगा देना, पल-प्रतिपल देश की स्वाधीनता का चिंतन व मनन, अपनी लेखनी के माध्यम से आमजन में देशभक्ति के प्राण का संचार करना, ऐसा अदभुत व्यक्तित्व था विनायक सावरकर का। सावरकर ने अपने नजरबंदी समय में अंग्रेजी व मराठी अनेक मौलिक ग्रंथों की रचना की, जिसमें मैजिनी, 1857 स्वातंत्र्य समर, मेरी कारावास कहानी, हिंदुत्व आदि प्रमुख है।

सर्वत्र प्रथम कीर्तिमान रचने वाले सावरकर

सावरकर दुनिया के अकेले स्वातंत्र्य योद्धा थे जिन्हें दो-दो आजीवन कारावास की सजा मिली, सजा को पूरा किया और फिर से राष्ट्र जीवन में सक्रिय हो गए। वे विश्व के ऐसे पहले लेखक थे जिनकी कृति 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम को दो-दो देशों ने प्रकाशन से पहले ही प्रतिबंधित कर दिया। सावरकर पहले ऐसे भारतीय राजनीतिज्ञ थे जिन्होंने सर्वप्रथम विदेशी वस्त्रों की होली जलाई। वे पहले स्नातक थे जिनकी स्नातक की उपाधि को स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के कारण अंग्रेज सरकार ने वापस ले लिया। वीर सावरकर पहले ऐसे भारतीय विद्यार्थी थे जिन्होंने इंग्लैंड के राजा के प्रति वफादारी की शपथ लेने से मना कर दिया। फलस्वरूप उन्हें वकालत करने से रोक दिया गया। वीर सावरकर ने राष्ट्र ध्वज तिरंगे के बीच में धर्म चक्र लगाने का सुझाव सर्वप्रथम दिया था, जिसे तात्कालिक राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने माना। उन्होंने ही सबसे पहले पूर्ण स्वतंत्रता को भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का लक्ष्य घोषित किया। वे ऐसे प्रथम राजनैतिक बंदी थे जिन्हें विदेशी (फ्रांस) भूमि पर बंदी बनाने के कारण हेग के अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में मामला पहुँचा। वे पहले क्रांतिकारी थे जिन्होंने राष्ट्र के सर्वांगीण विकास का चिंतन किया तथा बंदी जीवन समाप्त होते ही जिन्होंने अस्पृश्यता आदि कुरीतियों के विरुद्ध आंदोलन शुरू किया। दुनिया के वे ऐसे पहले कवि थे जिन्होंने अंदमान के एकांत कारावास में जेल की दीवारों पर कील और कोयले से कविताएँ लिखीं और फिर उन्हें याद किया। इस प्रकार याद की हुई दस हजार पंक्तियों को उन्होंने जेल से छूटने के बाद पुनः लिखा।

काल कोठरी के ग्यारह साल व सावरकर

क्या मैं अब अपनी प्यारी मातृभूमि के पुनः दर्शन कर सकूंगा? 4 जुलाई 1911 में अंदमान के सेलुलर जेल में पहुँचने से पहले सावरकर के मन की व्यथा शायद कुछ ऐसी ही रही होगी। अंदमान की उस काल कोठरी में सावरकर को न जाने कितनी ही शारीरिक यातनाएं सहनी पड़ी होगी, इसको शब्दों में बता पाना असंभव है। अनेक वर्षों तक रस्सी कूटने, कोल्हू में बैल की तरह जुत कर तेल निकालना, हाथों में हथकड़ियां पहने हुए घंटों टंगे रहना, महीनों एकांत काल-कोठरी में रहना और भी न जाने किसी-किस प्रकार के असहनीय कष्ट झेलने पड़े होंगे सावरकर को। लेकिन ये शारीरिक कष्ट भी कभी उस अदम्य साहस के प्रयाय बन चुके विनायक सावरकर को प्रभावित न कर सके. कारावास में रहते हुए भी सावरकर सदा सक्रिय बने रहे। कभी वो राजबंदियों के विषय में निरंतर आंदोलन करते, कभी पत्र द्वारा अपने भाई को आंदोलन की प्रेरणा देते, कभी अपनी सजाएँ समाप्त कर स्वदेश लौटने वाले क्रांतिवीरों को अपनी कविताएं व संदेश कंठस्थ करवाते। इस प्रकार सावरकर सदैव अपने कर्तव्यपथ पर अग्रसर दिखाई दिए। उनकी अनेक कविताएं व लेख अंदमान की उन दीवारों को लांघ कर 600 मील की दूरी पार करके भारत पहुँचते रहे और समाचार पत्रों द्वारा जनता में देशभक्ति की अलख जगाते रहे।

समरसता व हिंदुत्व के पुरोधा

सन् 1921 में सावरकर को अंदमान से कलकत्ता बुलाना पड़ा। वहां उन्हें रत्नागिरी जेल भेज दिया गया। 1924 को सावरकर को जेल से मुक्त कर रत्नागिरी में ही स्थानबद्ध कर दिया गया। उन्हें केवल रत्नागिरी में ही घूमने-फिरने की स्वतंत्रता थी। इसी समय में सावरकर ने हिंदू संगठन व समरसता का कार्य प्रारम्भ कर दिया। महाराष्ट्र के इस प्रदेश में छुआछूत को लेकर घूम-घूमकर विभिन्न स्थानों पर व्याख्यान देकर धार्मिक, सामाजिक तथा राजनैतिक दृष्टि से छुआछूत को हटाने की आवश्यकता बतलाई। सावरकर के प्रेरणादायी व्याख्यान व तर्कपूर्ण दलीलों से लोग इस आंदोलन में उनके साथ हो लिए। दलितों में अपने को हीन समझने की भावना धीरे-धीरे जाती रही और वो भी इस समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है ऐसा गर्व का भाव जागृत होना शुरू हो गया। सावरकर की प्रेरणा से भागोजी नामक एक व्यक्ति ने ढाई लाख रूपए व्यय करके रत्नागिरी में ह्यश्री पतित पावन मंदिर' का निर्माण करवाया। दूसरी और सावरकर ने ईसाई पादरियों और मुसलमानों द्वारा भोले भाले हिंदुओं को बहकाकर किये जा रहे धर्मांतरण के विरोध में शुद्धि आंदोलन प्रारम्भ कर दिया। रत्नागिरी में उन्होंने लगभग 350 धर्म- भ्रष्ट हिंदुओं को पुनः हिंदू धर्म में दीक्षित किया।

सावरकर का जीवन आज भी युवाओं में प्रेरणा भर देता है। जिसे सुनकर प्रत्येक देशभक्त युवा के रोंगटे खड़े हो जाते है। विनायक की वाणी में प्रेरक ऊर्जा थी। उसमें दूसरों का जीवन बदलने की शक्ति थी। सावरकर से शिक्षा-दीक्षा पाकर अनेकों युवा व्यायामशाला जाने लगे, पुस्तकें पढ़ने लगे। विनायक के विचारों से प्रभावित असंख्य युवाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ गया। जो भोग-विलासी थे, वे त्यागी बन गए। जो उदास तथा आलसी थे, वे उद्यमी हो गए। जो संकुचित और स्वार्थी थे, वो परोपकारी हो गए। जो केवल अपने परिवार में डूबे हुए थे, वे देश-धर्म के संबंध में विचार करने लगे। इस प्रकार हम कह सकते है कि युवाओं के लिए सावरकर वो पारस पत्थर थे, की जो भी उनके संपर्क में आया वो ही इस मातृभूमि की सेवा में लग गया।

सावरकर स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए व उसके बाद भी उसकी रक्षा हेतु प्रयास करते रहे। इसलिए उनका नाम 'स्वातंत्र्य सावरकर' अमर हुआ. तो आइये, आज वीर सावरकर पुण्यतिथि प्रसंग पर उस हुतात्मा से अभिभूत होकर, उनके जीवन मूल्यों को अपने आचरण द्वारा सत्य प्रमाणित करने का संकल्प करें।

प्रदूषित वायु को साफ करने के लिए नया यंत्र

आउटडोर एयर प्यूरीफायर को संस्थान परिसर में स्थापित किया गया है। इस अवसर पर मौजूद सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्योग (एमएसएमई) विकास संस्थान, दुगार्पुर के संयुक्त निदेशक प्रदीप कुमार दास ने अनुसंधान

के क्षेत्र में सीएसआईआर-सीएमईआरआई के योगदान को सराहनीय बताया है।वायु प्रदूषण आज एक जटिल और गंभीर समस्या है, जो स्वास्थ्य पर घातक प्रहार कर रहा है। इनडोर और आउटडोर दोनों ही प्रकार के वायु प्रदूषण, भारत में हो रही मौतों के प्रमुख कारणों में से एक हैं। वायु प्रदूषण को कम करने की दिशा में निरंतर काम किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप आज हमारे पास कई ऐसे एयर प्यूरीफायर उपलब्ध हैं, जो इनडोर वायु प्रदूषण को कम करते हैं। वहीं, आउटडोर वायु प्रदूषण को कम करने की दिशा में दुगार्पुर स्थित वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) से संबद्ध केन्द्रीय मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (सीएमईआरआई) ने एक वायु-शोधक यंत्र (एयर प्यूरीफायर) विकसित किया है।

सीएसआईआर-सीएमईआरआई के निदेशक प्रोफेसर डॉ हरीश हिरानी ने बताया कि ह्लयह एयर प्यूरीफायर पाँच मीटर की परिधि में हवा को स्वच्छ करने में सक्षम है। यह हवा में मौजूद प्रदूषक तत्वों को 50 प्रतिशत तक कम कर सकता है। यदि किसी समय विशेष पर वायु प्रदूषण को कम करना है, तो इसके लिए इसमें टाइमर का विकल्प उपलब्ध है। इस एयर प्यूरीफायर की लागत भी बेहद कम है ह्व उन्होंने बताया कि इसे तैयार करने में 25 से 30 हजार रुपये का खर्च आ सकता है, जो इस पर निर्भर करता है कि आप इस प्यूरीफायर की बॉडी के लिए स्टील या प्लास्टिक में से किसका चयन करते हैं। इसका संचालन सौर ऊर्जा के माध्यम से भी किया जा सकता है। वहीं, इसे सड़क के किनारे भी स्थापित किया जा सकता है, जिससे वाहनों द्वारा हो रहे प्रदूषण को कम करने में मदद मिल सकती है।हाल में, इस आउटडोर एयर प्यूरीफायर को संस्थान परिसर में स्थापित किया गया है। इस अवसर पर मौजूद सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्योग (एमएसएमई) विकास संस्थान, दुगार्पुर के संयुक्त निदेशक प्रदीप कुमार दास ने अनुसंधान के क्षेत्र में सीएसआईआर-सीएमईआरआई के योगदान को सराहनीय बताया है। उन्होंने आउटडोर एयर प्यूरीफायर को नवीन और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए संस्थान के तकनीकी विकास और नवाचार के साथ परस्पर लाभ के लिए सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्योगों से इस दिशा में आगे आने का अनुरोध किया है। दुगार्पुर स्थित पश्चिम बंगाल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी अरूप कुमार डे ने सीएसआईआर-सीएमईआरआई द्वारा विकसित आउटडोर एयर प्यूरीफायर तकनीक को प्रभावी बताते हुए कहा है कि इस तरह के उत्पाद भारत जैसे विकासशील समाज में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

दिवाली की मस्ती ध्यान रखें गर्भवती महिलाएं

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिवाली का त्योहार अपने साथ ढेर सारी खुशियां और मस्ती, धमाल लेकर आता है। चारों ओर दीयाऱबाती की जगमग रोशनी, मिठाइयां और पटाखे की गूंज से सारा माहौल सराबोर होता है। अगर आप मां बनने वाली हैं तो दीवाली के मौके पर आपको कुछ विशेष सावधानियां बरतने की आवश्यकता है। पटाखों से निकलने वाले धुआं, प्रदूषण और केमिकल, धमाके की आवाज गर्भवती महिलाओं के लिए नुकसानदेह साबित हो सकते है और आपके गर्भ में पल रहे शिशु के लिए भी खतरनाक साबित हो सकते हैं। डाक्टरों के मुताबिक प्रदूषण गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए कई तरह की समस्याएं पैदा कर सकता है। खास तौर से जिन्हें महिलाओं को सांस की समस्या हो उनको तो विशेष रूप से प्रदूषण से दूर रहना ही चाहिए। अगर अस्थमा की समस्या है तो अपने साथ हर वक्त इनहेलर जरूर रखें।

तेज आवाज से दूर रहें : गर्भवती महिलाओं के कान के पर्दे अत्यधिक संवेदनशील होते हैं। इतना ही नहीं तेज आवाज गर्भ में पल रहे शिशु के लिए भी खतरनाक हो सकता है। आपके लिए बेहतर यही होगा कि इस बार दीपावली के मौके पर कहीं बाहर ना निकलें और घर के अंदर ही रहें। बाहर पटाखों के शोर और धुआं से इस बार आपको अपना बचावे रना चाहिए।

पॉल्यूशन हो सकता है खतरनाक :
जब पटाखें छूट रहे हों तब घर से बाहर ना निकलें और इस बार अपने रिश्तेदारों को भी पटाखें घर से दूर जाकर छोड़ने के लिए कह दें ताकि आप इस तेल आवाज और प्रदूषण से सुरक्षित रह सकें। पटाखों के धुएं में कार्बन मोनोआक्साइड और नाइट्रस आक्साइड जैसी खतरनाक गैस निकलती है, जहां तक हो सके इस दिन मास्क पहन कर रखें।

एलर्जी वाली चीजों से भी दूरी बनाएं :
दीवाली के अवसर पर हम लोग अपने-अपने घरों के कोनेऱकोने की सफाई करते हैं। इसके अलावा हम लोग घर को पेंट भी करवाते हैं। धूल- गंदगी और पेंट से अगर आपको एलर्जी की समस्या है तो इनसे दूरी बना कर रखें।

करें आराम : दिवाली पर निश्चित रूप से आपके घर में भी काम कुछ अधिक हो जाता है। जैसे घर आए हुए मेहमानों की खातिरदारी करना, पूजा पाठ की तैयारी करना, मिठाई व पकवान बनाना इस तरह के कई काम इस दौरान हमें करना ही होता है लेकिन आप हमेशा ध्यान रखें कि आप गर्भवती हैं और आपको आराम की भी आवश्यकता है, अगर आपके डाक्टर ने आपको आराम करने और भारी कामों से फिलहाल दूरी बनाने का निर्देश दिया है तो काम का अत्यधिक बोझ ना डालें और समयऱसमय पर आराम जरूर करें। आपके डाक्टर ने अधिक भारी सामान उठाने से आपको मना किया है, तो साफऱसफाई के दौरान अधिक उत्साह में आकर घर का कोई भी भारी सामान ना उठाएं।

खान-पान ध्यान रखना जरूरी : उत्सव के माहौल में तमाम व्यस्तताओं के बावजूद आपको अपने खानऱपान का ख्याल जरूर रखना है। बहुत ज्यादा तली भुनी चीजें ना खाएं, सेहतमंद खाने को प्राथमिकता दें और भरपूर मात्रा में जल पीते रहें। 1ऱ2 घंटे के अंतराल पर कुछऱकुछ खाते रहें और बीचऱबीच में पानी पीते रहें। फल और नारियल पानी का सेवन जरूर करें। ऐसा करने से चक्कर आने की समस्या, बेहोशी और सुस्ती से आप खुद को बचा पाएंगी।

न पहनें सिंथेटिक कपड़े : अब त्योहार है तो इस मौके पर कपड़े भी खास होने चाहिए लेकिन आप इस बात को ध्यान में रखें कि सिंथेटिक कपड़ें ना पहनें। चूंकि दीवाली के अवसर पर पटाखें और दीए जलते हैं तो आप सूती कपड़ों को ही प्राथमिकता दें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि दुपट्टा या साड़ी का पल्लू हवा में ना लटकता रहे नहीं तो आग लगने का खतरा हो सकता है।

■ प्रभा किरण

हर परिस्थिति के लिए खुद को पहले से करें तैयार :
दीवाली मानाते समय आपको सावधान और सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी तरह की कैजुअलिटी के लिए खुद को तैयार रखें। अपने पास कुछ सामान जैसे पानी से भरा हुआ टब, मेडिकल इमरजेंसी किट इसके अलावा इमरजेंसी कान्टैक्ट नंबर्स की लिस्ट जिसमें एंबुलेंस और डाक्टर, फायर बुझाने वाले फोर्स के नंबर जरूर लिखकर रखें।

माता लक्ष्मी की विशेष पूजा

इस वर्ष नरक चतुर्दशी का त्योहार 03 नवंबर 2021 को मनाया जाएगा। यह धनतेरस के बाद मनाया जाता है। नरक चतुर्दशी कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। नरक चतुर्दशी को कई और नामों से भी मनाया जाता है जैसे- नरक चौदस, रूप चौदस और रूप चतुर्दशी आदि। दिवाली से पहले मनाए जाने के कारण इसे छोटी दिवाली भी कहा जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज की पूजा होती है। घर के कोनों में दीपक जलाकर अकाल मृत्यु से मुक्ति की कामना की जाती है। तेल मालिश का समय (अभ्यंग) : सुबह 06:06:05 से 06:34:57 तक।

पं. चंद्र प्रकाश अग्निहोत्री

महापर्व दिवाली और महालक्ष्मी पूजा 04 नवंबर 2021 को पूरे देश और विदेश में दीपावली का पर्व मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य पं. चंद्र प्रकाश अग्निहोत्री के अनुसार कार्तिक मास की अमावस्या तिथि के दिन प्रदोष काल होने पर दीपावली पर महालक्ष्मी पूजन करने का विधान है। दिवाली पर घरों को रोशनी से सजाया जाता है। दिवाली की शाम को शुभ मुहूर्त में माता लक्ष्मी, भगवान गणेश, मां सरस्वती और धन के देवता कुबेर की पूजाऱआराधना होती है। मान्यता है दिवाली की रात माता लक्ष्मी पृथ्वी पर आती है विधि विधान से माता लक्ष्मी का पूजन करने से घर मे सुख शांति यश की प्राप्ति और धन की वृद्धि होती है और माता लक्ष्मी अपनी कृपा बरसाती हैं।

दिवाली और लक्ष्मी पूजा तिथि
बृहस्पतिवार, 04 नवंबर 2021

लक्ष्मी पूजा मुहूर्त : 18:10:28 से 20:06:18 तक अवधि :1 घंटे 55 मिनट प्रदोष काल :17:34:09 से 20:10:27 तक वृषभ काल : 18:10:28 से 20:06:18 तक दिवाली महानिशीथ काल मुहूर्त लक्ष्मी पूजा मुहूर्त : 23:38:52 से 24:30:58 तक महानिशीथ काल : 23:38:52 से 24:30:58 तक सिंह काल : 24:42:01 से 26:59:43 तक दिवाली शुभ चौघड़िया मुहूर्त प्रातःकाल (शुभ) :06:34:58 से 07:57:21 तक प्रातःकाल मुहूर्त (चल, लाभ, अमृत): 10:42:09 से 14:49:21 तक सायंकाल मुहूर्त (शुभ, अमृत, चल): 16:11:45 से 20:49:32 तक रात्रि मुहूर्त (लाभ): 24:04:55 से 25:42:37 तक होगा।)

केबीसी 13 के दिवाली स्पेशल एपिसोड में नजर आएंगे अक्षय, कैटरीना, रोहित शेट्टी

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार, कैटरीना कैफ और फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी कौन बनेगा करोड़पति 13 के शानदार शुक्रवार दिवाली स्पेशल एपिसोड में नजर आएंगे। दिवाली का हफ्ता शुरू होने के साथ ही पूरे सेट को दीयों और रंगोली से सजाया जाएगा। तीनों मेहमान हॉटसीट पर होस्ट अमिताभ बच्चन के साथ गेम खेलेंगे और उनके सवालों का जवाब देंगे। इसके अलावा वे उनके साथ कुछ दिलचस्प बातचीत भी करेंगे। वीडियो में कैटरीना को सूर्यवंशी के सेट की सफाई करते हुए अमिताभ और कैटरीना के टिप टिप बरसा पानी गाने पर थिरकते हुए, दर्शकों को शो में खूब मस्ती देखने को मिलेगी। इसके साथ ही अक्षय फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले के अपने सफर को शेयर करेंगे और फिल्म याराना के गाने सारा जमाना पर डांस करेंगे। दूसरी ओर, रोहित शेट्टी अमिताभ से अनुरोध करते हुए दिखाई देंगे कि वह रोहित की मां के लिए लिखे एक ब्लॉग पर हस्ताक्षर करें और मेजबान के साथ अपने पिता के संबंधों के बारे में कुछ अज्ञात तथ्यों का खुलासा करें। केबीसी 13 के शानदार शुक्रवार का दिवाली स्पेशल एपिसोड 5 नवंबर को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा।

इंस्टाग्राम ने दिवाली फेस्टिव में लॉन्च किए नए स्टिकर और मल्टी-ऑथर स्टोरी

■ **नई दिल्ली (आईएएनएस)।**

इंस्टाग्राम ने दिवाली के मौके पर अपने यूजर्स को अपने दोस्तों और परिवार से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए तीन नए स्टिकर्स लॉन्च किए। जब भी यूजर्स स्टिकर का यूज करके स्टोरीज पोस्ट करेंगे, ये उनके फॉलोवर्स को दिवाली स्पेशल मल्टी-ऑथर स्टोरी में भी दिखाई देंगे। कंपनी ने एक बयान में कहा, स्टिकर सोमवार रात से दिखाई देंगे और मल्टी-ऑथर स्टोरी कल रात से लाइव होगी। ये स्टिकर्स हेसटैक शेयर योर लाइट नाम से इंस्टाग्राम के दिवाली फेस्टिव का हिस्सा हैं। इन्हें बेंगलुरु के एक इलस्ट्रेटर, म्यूरलिस्ट और पैटर्न डिजाइनर नीति के सहयोग से बनाया गया है।

स्टिकर का उपयोग करने के लिए, यूजर्स को केवल एक स्टोरी पर कंटेंट को कैप्चर या अपलोड करना होगा और शीर्ष नेविगेशन बार से स्टिकर टूल का चयन करना होगा, जहां विशेष रुप से प्रदर्शित अनुभाग के तहत, तीन नए दिवाली थीम वाले स्टिकर दिखाई देंगे और फिर उसे एक कहानी पर रखेंगे। इससे पहले, इंस्टाग्राम ने घोषणा की थी कि अब सभी यूजर्स के पास इंस्टा स्टोरीज में इसके लिंक स्टिकर फीचर तक पहुंच है। वेरिफिकेशन स्टेटस या फॉलोवर्स की संख्या की परवाह किए बिना लिंक स्टिकर अब सभी यूजर्स के लिए उपलब्ध हैं।

जब आप अपनी स्टोरी पर कंटेंट को कैप्चर या अपलोड करते हैं, तो आप शीर्ष नेविगेशन बार से स्टिकर टूल का चयन करके इस सुविधा का यूज कर सकते हैं। लिंक स्टिकर का चयन करने के बाद, आप अपना चुना हुआ लिंक जोड़ सकते हैं और फिर डन पर टैप कर सकते हैं।

वहां से, आप स्टिकर को अपनी स्टोरी पर कहीं भी रख सकते हैं और अन्य रंग भिन्नताओं को देखने के लिए उस पर टैप कर सकते हैं। नए अकाउंट और ऐसे अकाउंट जो बारऱबार अभद्र भाषा और गलत सूचना जैसी चीजें को शेयर करते हैं, या अन्य कंटेंट जो इंस्टाग्राम के सामुदायिक कम्युनिटी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते है, उनके पास लिंक स्टिकर तक पहुंच नहीं होगी।

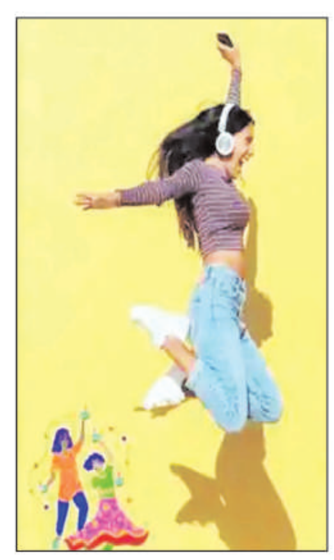

मूक बधिर बच्चे जरूरतमंदों की दीपावली को कर रहे रंगीन

■ बच्चे दीपावली के 15 दिन पहले से दीया बनाकर गरीब जरूरतमंदों को देते आ रहे हैं
■ संजय मुफ्त में इन मूक बधिर बच्चों के लिए स्कूल चलाते हैं

मुजफ्फरपुर (आईएएनएस)। कहा जाता है कि अगर हिम्मत और जज्बा मन में हो, तो किसी दूसरे की मदद कर उसकी जिंदगी में आने वाले त्योहारों में खुशियां लाई जा सकती हैं। ऐसा ही कुछ कर रहे हैं बिहार के मुजफ्फरपुर के मूक बधिर स्कूल के बच्चे। ये बच्चे भले ही मुंह से बोल और कान से सुन नहीं पा रहे हैं, लेकिन ये अपने हुनर से दूसरे के जीवन में इस दीपावली खुशिंयां पहुंचाने और उनके घरों को रोशन करने का बीड़ा उठाया है। इन मूक बधिर बच्चों की जीवन भले ही रंगबिरंगी नहीं हों, लेकिन इन बच्चों का जज्बा उन घरों को रंग बिरंगी दीये से रोशन करने की है, जिन घरों में आर्थिक कारणों से दीपावली के दीये नहीं जलते।

मुजफ्फरपुर के गौशाला रोड स्थित एक मूकबधिर स्कूल के बच्चे दीया बनाकर दीपावली के मौके पर उन घरों को रौशन करने की तैयारी में हैं, जहां दीये नहीं जलते। वैसे, यह कोई पहली बार नहीं हैं, कि ये बच्चे जरूरतमंदों के घरों को रौशन करने वाले है। पिछले छह सालों से इस स्कूल के बच्चे दीपावली के 15 दिन पहले से दीया बनाकर गरीब जरूरतमंदों को देते आ रहे हैं। इस बार भी इन बच्चों ने दीया बनाना शुरू कर दिया है।

ये बच्चे अपने हुनर से दीयों पर तरहऱतरह की कलाकृति बनाते हैं, जिसमें वे अपनी भी खुशी तलाशते हैं। ये बच्चे एकऱदूसरे को इस कार्य के लिए उत्साहित भी करते हैं। यहीं कारण है कि ये 15 दिनों में ही सैकडों दीयों में अपनी कला उकेर देते हैं। विद्यालय की ओर से इन बच्चों को सारी समाग्री उपलब्ध कराई गई है। स्थनीय लोग भी कहते हैं कि दीपों के पर्व दीपावली को लेकर जहां कृत्रिम लाइटें, रंगऱबिरंगे बल्ब और आधुनिकता की इस चकाचैंध में परंपरागत दीप पीछे छूटते जा रहे हैं, ऐसे में इन बच्चों द्वारा इन दीपों को वापस लाने और संस्कृति में संजोए रखने का प्रयास काबिलेऱतारीफ है। लोग कहते हैं कि मूक बधिर बच्चे अपने हुनर की बदौलत दीपों को अनोखा रंग रूप और स्वरूप देकर दीपावली को और बेहतर बनाने में जुटे हैं।

विद्यालय के संचालक संजय कुमार बताते हैं कि मूकबधिर बच्चों को हुनरमंद बनाकर अपने पैरों पर खड़ा करने के उद्देश्य से उन्हें समयऱसमय पर विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण दिलाया जाता है। उन्होंने कहा कि इस दीपावली के पहले डिजायनर दीप बनाने का प्रशिक्षण दिलाया गया था। उन्होंने बताया, प्रत्येक वर्ष यहां के बच्चों को दीपावली के पूर्व डिजाइनर दीया बनाने व पेंटिंग करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इस साल करीब 1000 से अधिक दीयों को इन बच्चों द्वारा तैयार किया गया है, जो आसपास के गरीब और जरूरतमंद परिवार व उनके बच्चों को दिया जाएगा, जिससे उनकी दीपावली रंगीन हो सके। संजय मुफ्त में इन मूक बधिर बच्चों के लिए स्कूल चलाते हैं। संजय कहते हैं कि इन बच्चों को पढ़ाई के अलावे हुनरमंद बनाने की कोशिश की जा रही है।

अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा का टीजर इस दिन होगा रिलीज

हैदराबाद (आईएएनएस)। तेलुगु स्टार अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के पहले कभी न देखे गए अवतारों के साथ, आगामी फिल्म पुष्पा द राइज ने पहले ही फिल्म को लेकर बड़ी एक्साइटमेंट पैदा कर दी है। निर्माता दीवाली पर इसके टीजर को रिलीज करने की योजना बना रहे है। निर्माता 4 नवंबर को दिवाली के मौके पर पुष्पाः द राइज का टीजर जारी करेंगे। टीजर पर आधिकारिक घोषणा एक या दो दिन में किए जाने की संभावना है। साथ ही खबरें हैं कि मेकर्स ने मास ऑडियंस को रिझाने के लिए दीवाली का दिन चुना है।

खबर है कि पुष्पा अभी शूटिंग के अंतिम चरण में है, और जल्द ही पोस्टऱप्रोडक्शन चरण में आ जाएगी। बाद में, निर्माता प्रचार को किकस्टार्ट करने पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि एक्शन थ्रिलर 17 दिसंबर को रिलीज के लिए तैयार है। पुष्पा सुकुमार का निर्देशन है और एक चंदन तस्कर के जीवन और वन अधिकारियों और पुलिस के साथ उसकी मुठभेड़ पर आधारित है। रश्मिका मंदाना इस फिल्म में महिला प्रधान भूमिका निभा रही हैं, जबकि मलयालम अभिनेता फहद फासिल बुरे पुलिस वाले की भूमिका निभा रहे हैं। देवी श्री प्रसाद ने इस आगामी एक्शन ड्रामा के लिए संगीत तैयार किया है।

मानुषी छिल्लर यूनिसेफ के राष्ट्रव्यापी युवा अभियान में हुईं शामिल

मुंबई (आईएएनएस)। पूर्व मिस वर्ल्ड 2017 मानुषी छिल्लर को यूनिसेफ ने यूथ कैंपेन के लिए चुना गया है। वह कहती हैं कि युवा लोगों को 21वीं सदी के कौशल और आजीविका के अवसरों से जोड़ने की तत्काल आवश्यकता है, जबकि उन्हें प्रभावी रूप से परिवर्तनऱनिमार्ता के रूप में शामिल किया गया है। इस पहल के बारे में, मानुषी ने कहा कि युवा एक चिंगारी की तरह है, जो दीया जला सकता है। हम भविष्य हैं, और आज हम जो कुछ भी बोएंगे, हम भविष्य में उससे काटेंगे। भारत में 300 मिलियन से अधिक युवा हैं। लोगों को, और उन्हें काम पर जाने और नागरिकता देने के लिए तैयार करने से, भारत की प्रगति की संभावना असीमित होगी। मानुषी पीरियड ड्रामा पृथ्वीराज में अक्षय कुमार के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि युवाओं को सक्रिय रूप से जोड़कर भारत के परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण लक्ष्य प्राप्त करने के लिए रोडमैप तैयार किया जाएगा। मानुषी ने कहा कि युवाओं को 21वीं सदी के कौशल और आजीविका के अवसरों से जोड़ने की तत्काल आवश्यकता है, जबकि उन्हें प्रभावी रूप से परिवर्तनऱनिमार्ता के रूप में शामिल किया गया है। युवा सबसे अधिक दबाव वाली समस्याओं के लिए नए विचार और एक नया दृष्टिकोण लाते हैं, और हमें उनके विचारों को आगे ले जाने के लिए मंच की आवश्यकता है । मानुषी की पृथ्वीराज 21 जनवरी 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सिद्धार्थ मल्होत्रा को लेकर वेब सीरीज बनाएंगे रोहित शेट्टी

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार रोहित शेट्टी अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा को लेकर वेब सीरीज बना सकते है। रोहित शेट्टी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म सूर्यवंशी को लेकर चर्चा में है। चर्चा है कि रोहित शेट्टी अब कॉप बेस्ड वेब सीरीज बनाने जा रहे है। कहा जा रहा है कि रोहित, सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ इस सीरीज को बनाने जा रहे हैं। इस सीरीज का प्रीमियर अमेजन प्राइम वीडियो पर किया जाएगा। बताया जा रहा है कि रोहित और सिद्धार्थ काफी दिनों से इस वेब सीरीज को लेकर चर्चा कर रहे थे। यह सीरीज अगले साल से शुरू की जाएगी और इसका निर्देशन सुशांत प्रकाश करेंगे। यह एक कॉपऱबेस्ड सीरीज होगी। रोहित इस सीरीज की स्क्रिप्ट और एक्शन सीन्स पर बारीकी से काम कर रहे हैं।

द. कोरिया अभिनेत्री यूं युह-जुंग को सर्वोच्च सम्मान

सोल (आईएएनएस)। इस साल की शुरूआत में मिनारी में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का ऑस्कर जीतने वाली दिग्गज अभिनेत्री यूं युहऱजुंग को दक्षिण कोरिया का सर्वोच्च सांस्कृतिक क्षेत्र का पदक मिला है। रिपोर्ट्स वैराइटी डॉट कॉम के अनुसार, कोरिया के राष्ट्रीय रंगमंच में आयोजित 2021 कोरिया पॉपुलर कल्चर एंड आर्ट्स अवार्ड समारोह के दौरान संस्कृति, खेल और पर्यटन मंत्रालय ने यूं को ग्यूमगवान ऑर्डर ऑफ कल्चरल मेरिट दिया। यूं का एक लंबा और प्रतिष्ठित करियर रहा है और हाल ही में लंदन कोरियाई फिल्म समारोह में अभिनेत्री के रूप में मनाया गया।

सूर्यवंशी जैसी फिल्मों का कारोबार खत्म करेगा बहस

मुंबई (भाषा)। पीवीआर लिमिटेड के मुख्य कार्यकारणी अधिकारी गौतम दत्त का मानना है कि सिनेमाघरों का अस्तित्व हमेशा बना रहेगा और इनकी जगह मनोरंजन का कोई अन्य प्लेटफॉर्म कभी नहीं ले सकता। दत्त ने कहा, सिनेमाघरों का महत्व पहले की अपेक्षा और बढ़ेगा। उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म की बढ़ती लोकप्रियता के मद्देनजर आलोचकों के एक वर्ग द्वारा सिनेमाघरों के भविष्य को लेकर उठाए जा रहे सवालों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि सूर्यवंशी और 83 जैसी फिल्मों के रिलीज होने से सिनेमाघरों के भविष्य को लेकर जताई जा रही चिंता पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी।

जलवायु परिवर्तन के खतरे से कोई नहीं है अछूता : मोदी

बोले- भारत की स्पेस एजेंसी इसरो, सिड्स के लिए एक स्पेशल डेटा विंडो का निर्माण करेगी

ग्लासगो। ग्लासगो में चल रहे काप-26 जलवायु शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा कि 'इंफ्रास्ट्रक्चर फार रिसाइलेंट आईलैंड स्टेट्स' का लान्च एक नई आशा जगाता है, नया विश्वास देता है। यह हमें सबसे कमजोर देशों के लिए कुछ करने की संतुष्टि देता है। मैं इसके लिए कोएलिशन फार डिजास्टर रेजिस्टेंस इंफ्रास्ट्रक्चर को बधाई देता हूं। इस महत्वपूर्ण मंच पर मैं आस्ट्रेलिया और ब्रिटेन समेत सभी सहयोगी देशों और विशेष रूप से मोरेसस और जमैका समेत छोटे द्वीप समूहों के नेताओं का स्वागत करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले कुछ दशकों ने साबित कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से कोई भी अछूता नहीं है। चाहे वह विकसित राष्ट्र हों या जो प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध देश ही क्यों न हों। यह हम सबके लिए एक बहुत बड़ा खतरा है। कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत की स्पेस एजेंसी इसरो, सिड्स के लिए एक स्पेशल डेटा विंडो का निर्माण करेगी। इससे सिड्स को सैटेलाइट के माध्यम से सायक्लोन, कोरल-रीफ मॉनीटरिंग, कोस्ट-लाइन मानीटरिंग

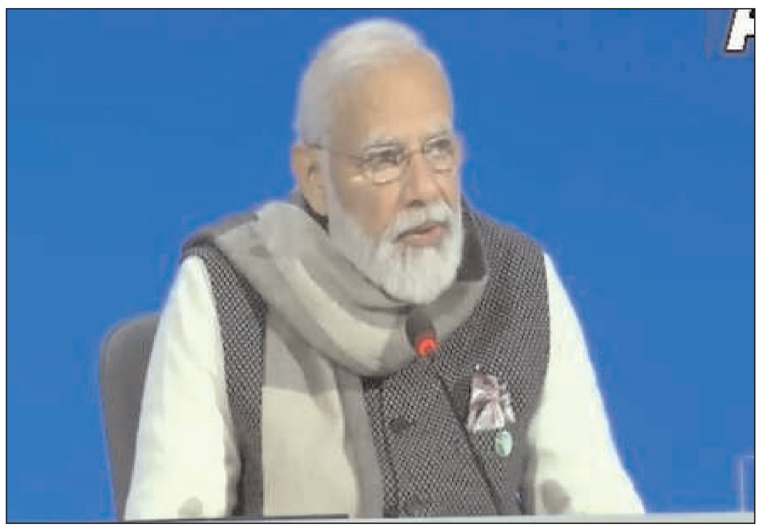

आदि के बारे में समय रहते जानकारी मिलती रहेगी। साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि IRIS के लान्च को बहुत अहम मानता हूं। IRIS के माध्यम से सिड्स को प्रौद्योगिकी, वित्तिय सहायता, जरूरी जानकारी तेजी से जुटाने में आसानी होगी। स्माल आईलैंड डेवलपिंग स्टेट्स में क्वालिटी इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रोत्साहन मिलने से वहां जीवन और आजीविका दोनों को लाभ मिलेगा। वहीं, इसके पहले सोमवार को भारत ने साल 2070 तक अपने देश में नेट जीरो इमिशन लक्ष्य हासिल करने की घोषणा की है।

ममता ने TMC की विजय को जनता की 'जीत' बताया

नई दिल्ली। देश के 14 राज्यों में 3 लोकसभा और 29 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के लिए मतगणना जारी है। पश्चिम बंगाल में सीधे तौर पर सभी चार विधानसभा सीटों पर सीएम ममता की पार्टी TMC आगे चल रही है। वहीं, मध्य प्रदेश व हिमाचल सहित कुछ ऐसी सीटें हैं, जहां भाजपा कांग्रेस में टक्कर चल रही है। अब तक के ताजा रुझान में असम और तेलंगाना में भाजपा आगे चल रही है जबकि हिमाचल और राजस्थान में कांग्रेस को बढ़त मिली हुई है। बता दें कि 30 अक्टूबर को जिन तीन लोकसभा सीटों पर मतदान हुआ, उसमें दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, हिमाचल की मंडी और मध्य प्रदेश की खंडवा सीट शामिल है। विधानसभा की 29 सीटों में- असम की पांच, बंगाल की चार, मध्य प्रदेश, हिमाचल व मेघालय की तीन-तीन, बिहार, राजस्थान व कर्नाटक की दो-दो और आंध्र प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, मिजोरम व तेलंगाना की एक-एक सीट शामिल हैं।

सपा विधायक सुभाष पासी भाजपा में शामिल, स्वतंत्र देव सिंह ने दिलाई सदस्यता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के लोकप्रिय नेता और दो बार विधायक रहे सुभाष पासी और उनकी पत्नी रीना पासी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन कर लिया। उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने उन्हें सदस्यता दलवाई। सुभाष पासी गाजीपुर जिले की सैदपुर विधानसभा सीट से सपा के विधायक हैं। सुभाष पासी की पत्नी रीना पासवान समाजवादी पार्टी ने कुछ दिनों पहले ही महिला सभा की सचिव बनाया था। भाजपा मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा की सदस्यता लेने के बाद सुभाष पासी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से प्रभावित होकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए हैं। समाजवादी पार्टी में मुझे वह सम्मान नहीं मिला जो मिलना चाहिए था। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में इस बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी। मेरे आने से गाजीपुर के आसपास की सात से आठ सीटों पर भाजपा को जीत मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कार्यक्रम में फिर से अखिलेश यादव पर हमला किया। उन्होंने कहा कि

सपा के मुखिया कभी कभी ऐसी बात बोल देते हैं जिससे देश के स्वतंत्रता संग्रामी की आत्मा भी झकझोर जाती है। वह महान स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान करने का काम करते हैं, जिन्होंने देश के लिए अपना बलिदान और योगदान दिया था। वह ऐसे महान आत्माओं का देश का विभाजन करने वाले जिन्ना से तुलना करते हैं। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा, कांग्रेस और बसपा की यह स्थित हो गई थी की मंदिर जाने और टीका लगाने में डरते थे। सोनिया गांधी राम के नाम से इन्कार करती थीं। राम सेतु को मामने से भी इन्कार करते थे। उन्होंने कहा कि सपा के मुखिया अखिलेश यादव देश की पहचान को खत्म करना चाहते हैं और वो भारत माता का अपमान करने वालों को अपने पास रखते हैं। गाजीपुर जिले के सैदपुर से लगातार दो बार विधायक सुभाष पासी के भाजपा में शामिल होने से पहले समाजवादी पार्टी ने उन्हें निष्कासित कर दिया। पार्टी की तरफ ट्वीट कर कहा गया कि वह पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं। इस कारण उन्हें समाजवादी पार्टी से निकाला जाता है।

कानपुर में ट्रैकिंग, टेस्टिंग व ट्रेसिंग से जीका को हराएंगे

कानपुर। कानपुर में जीका वायरस के 11 मामले आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। शहर के जाजमऊ इलाके के पोखरपुर में दूसरा केस भी सामने आ गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार कंटेटमेंट जोनों में ट्रैकिंग ट्रेसिंग और टेस्टिंग करके जीका की जड़ तक पहुंचने में लगी हुई है। स्वास्थ्य विभाग की माने तो अब तक लगभग 508 लोगों की सैंपलिंग की जा चुकी है। स्वास्थ्य महकमा व प्रशासनिक अधिकारी भी लगातार जीका वायरस के बारे में लोगों को जागरूक करने में लगे हुए हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी नैपाल सिंह ने बताया कि जीका वायरस के सोर्स डिटेक्शन का काम किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पाज़िटिव केसों के परिजनों को आइसोलेट कर दिया गया है। वहीं, आसपास के इलाके में सैंपलिंग का काम किया जा रहा है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की 75 टीमें ग्राउंड पर लगी हुई है। साथ ही क्षेत्र में फागिंग व एंटी लार्वा का छिड़काव किया जा रहा है। सीएमओ ने बताया कि जीका वायरस गर्भ में पल रहे शिशु के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक है। इसे ध्यान में रखते हुए गर्भवती महिलाओं की डोर टू डोर सैंपलिंग की जा रही है। पोखरपुर में सबसे पहले संक्रमित पाए गए एयरफोर्स कर्मी के घर के आसपास अब तक करीब 38 गर्भवतियों की जांच की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि जीका वायरस के पनपने के कारणों को जानने के लिए भी लगातार प्रयास जारी है। केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग की एक टीम सोर्स डिडेक्सन के कार्य में लगी हुई है। टीम की ओर से मच्छरों के कई सैंपल इकट्ठा करके टेस्टिंग के लिए दिल्ली भेजे गए है।

सीएम योगी ने नवचयनित अभियंताओं को वितरित किया नियुक्ति पत्र, बोले- अर्थव्यवस्था में यूपी बनेगा नंबर वन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के नवचयनित सहायक अभियंताओं को मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नियुक्ति पत्र वितरित किया। मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कुल 33 अभियंताओं को नियुक्ति पत्र दिया। इनमें सिविल अभियंता और इलेक्ट्रिकल मैकेनिकल के अभियंता शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलतापूर्वक स्थान प्राप्त करने और आवास विभाग में चयनित होने पर सभी नव चयनित इंजीनियरों को बधाई दी। सीएम योगी ने कहा कि पारदर्शी तरीके से नवचयनित 46 अभियंताओं में से आज यहां पर 33 को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। शेष की प्रक्रिया जारी है। इन पदों पर विज्ञापन से लेकर नियुक्ति की प्रक्रिया तक किसी भी अभ्यर्थी को किसी भी स्तर पर सिफारिश की आवश्यकता महसूस नहीं हुई होगी। मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि साढ़े चार वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों में करीब साढ़े चार लाख नौजवान नियुक्ति प्राप्त कर चुके हैं। इन नियुक्तियों में एक पर भी कोई अंगुली नहीं उठा सकता है। सरकार ने पूरी ईमानदारी और पारदर्शी तरीके से इन नियुक्तियों को प्रक्रिया अपनाई है। पिछले 15 वर्षों में जितनी नियुक्तियां सरकारी विभागों या निजी क्षेत्र में हुई हैं, उससे कहीं ज्यादा नौकरियां इन साढ़े चार वर्षों में हमारी सरकार ने दी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तकनीक का उपयोग करके हमारी सरकार ने विकास प्राधिकरणों में कई वर्षों से लंबित मामलों का निस्तारण छह महीने के अंदर किया है। जनता ने मुझे इसका फीडबैक दिया कि काम बहुत अच्छा हो रहा है। उन्होंने कहा कि साढ़े चार वर्ष पहले उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था 6वें नंबर पर थी। अगर हम साढ़े चार वर्ष में 6वें नंबर से दूसरे नंबर पर आ सकते हैं, तब कोई कारण नहीं अगले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश दूसरे नंबर से एक नंबर पर आ जाए।

इसबार 12 लाख दीयों से जगमगाएगी अयोध्या दो लाख दीयों का आर्डर मिला, काशी के कुम्हार भी खुश

अयोध्या। 12 लाख दीयों से इस दीपावली अयोध्या जगमगाएगी, लेकिन इसकी रौशनी से काशी के कुम्हारों के घर भी रौशन हो जायेंगे। क्योंकि 9 लाख दीयों के टारगेट को पूरा करने के लिए काशी के कुम्हारों को भी आर्डर मिला है, जिसे पूरा करने के लिए वाराणसी के कुम्हार रात दिन लगे हुए हैं। वाराणसी के शिवपुर स्थित सुद्धिपूर कुम्हारों का गांव कहा जाता है, जहां लगभग 40 परिवार मिटटी के बर्तनों को बनाने का काम करते हैं। दीपावली के अवसर पर गांव की गलियां शांत पढ़ी नजर आ रही हैं। ऐसा नहीं की यहां कोई घटना घटी है, बल्कि हर घर हमारे घरों को सजाने के लिए मिटटी से बने दिए बना रहा है और घर में रहने वाले सभी सदस्य एक दूसरे की मदद कर रहे हैं। इस गांव नें लगभग 20 परिवार सिर्फ दिए बनाने का काम करता है। अलग-अलग डिजाइन के इन घरों में दिए बनाये जाते हैं। हर बार उन्हें सिर्फ वाराणसी दीपावली और देव दीपावली के जलने वाले दियों से ही आजीविका पूरी करनी पड़ती थी, लेकिन इस बार अयोध्या से इन्हें 2 लाख दीये बनाने का आर्डर दिया गया है।

2 लाख दियों को यहां रहने वाले 20 परिवार मिलकर बना रहे हैं। रात दिन चाक पर दिए तैयार किए जा रहे हैं और उन्हें भट्टी में पकाकर मजबूत किया जा रहा है। इस कार्य में घर के सभी सदस्य लगे हुए हैं। इस बार इन्हें दियों के दामों की मजदूरी भी बढ़ कर मिल रही है। चाक पर दिया उतारने वाले कुम्हार बबलू ने बताया कि इस बार दो लाख दियों का आर्डर मिला है। इसके साथ ही मजदूरी भी प्रति सैकड़े बढ़ कर मिल रही है। पिछले साल 40 रुपये प्रति सैकड़ा दिया जा रहा था, लेकिन इस बार 55 रुपये सैकड़े मिल रहा है ऐसे में इस बार की दीवाली खुशियों वाली है।

दस लाख रुपये कर्ज में डूबे किसान ने फांसी लगाकर दी जान

बागपत। धनतेरस के पर्व पर जहां हर कोई खुशी मना रहा है, वहीं एक किसान ने कर्ज न चुका पाने पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने किसान के शव को कब्जे में लिया। इस घटना से गांव शोक में डूबा है। गांव बिहारीपुर निवासी 45 वर्षीय किसान चौधरी अनिल कुमार पुत्र राजसिंह मंगलवार सुबह पड़ोसी किसान चौधरी सुरेशपाल के खेत में पेड़ पर लटके हुए दिखाई दिए। आनन-फानन में उनको पेड़ से उताकर स्वजन व ग्रामीण गांव के ही निजी चिकित्सक के पास लेकर पहुंचे, वहां चिकित्सक ने उन्?हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की तथा किसान के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेजा। स्वजन का कहना है कि अनिल कुमार पर बैंक का करीब सात लाख रुपये व साहूकार का तीन लाख रुपये कर्ज है। उन पर रुपये का तगादा किया जा रहा था, लेकिन किसान कर्ज चुका पाने में असमर्थ थे।

महिलाएं बेलन लेकर करें भाजपा का मुकाबला, मेरठ में बोलीं- सपा महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष लीलावती

मेरठ। समाजवादी महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष लीलावती कुशवाहा ने कहा कि महिलाएं भाजपा का बेलन से मुकाबला करें। जब कोई भाजपा के लिए

वोट मांगने आए तो उसे बेलन दिखाकर वापस कर दें। प्रदेश अध्यक्ष लालकुर्ती के एसजीएम गार्डन में महिला सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि अखिलेश सरकार ने अपने कार्यकाल में महिलाओं को राशनकार्ड पर घर का मुखिया बनाया था। उससे चीनी और मिट्टी का तेल मिलता था। लेकिन भाजपा खा गई चीनी, पी गई तेल, यह देखो भाजपा का खेल। कहा कि जो गैस सिलेंडर 400 का था वह अब एक हजार का हो गया। भाजपा ने सभी को कमजोर बना दिया। नौकरी छिनने का काम भाजपा ने किया। कन्या विद्या धन बंद कर दिया। 102 एंबुलेंस महिलाओं के लिए चलाई थी। उसे बंद कर दिया। हॉस्पिटल में बच्चे के जन्म पर दूध के लिए 1500 रुपये मिलते थे। इस सुविधा को भाजपा ने छीन लिया। मुलायम सिंह यादव ने नारा दिया था कि रोजी-रोटी सस्ती होगी, दवा पढ़ाई मुफ्त होगी। उन्होंने उस पर काम किया लेकिन अब भाजपा ने महंगाई लाद दी है। किचन का संतुलन बिगड़ गया है। आज आधी आबादी परेशान है। लीलावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में परिवर्तन होकर रहेगा। उत्तर प्रदेश की जालिम सरकार का जुल्म अब कोई बर्दाश्त नहीं करेगा। जिला महिला सभा अध्यक्ष दीपू मनोठिया, जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह, विधायक रफीक अंसारी, महापौर सुनीता वर्मा, मृदुला यादव, विपिन मनोठिया ने भी सम्मेलन को संबोधित किया।

कानपुर में जीका से 11 संक्रमित, 5 महिलाएं, 3 एयरफोर्स कर्मी

कानपुर। कानपुर शहर में जीका वायरस का संक्रमण बढ़ता जा रहा है। महानगर के शिवकटरा मोहल्ले में 42 वर्ष की महिला में वायरस का संक्रमण मिला। महिला के संक्रमित होने की सूचना मिलने के बाद जिलाधिकारी विशाख जी सीएमओ के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और उस क्षेत्र के आसपास के रहने वालों की स्क्रीनिंग करने के निर्देश दिए। सीएमओ डॉक्टर नेपाल सिंह ने इसकी पुष्टि की है। अलग-अलग मोहल्लों में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। वहीं श्यामनगर निवासी एक संक्रमित में दोबारा जांच कराई तो उसमें फिर से संक्रमण की पुष्टि हुई है। अब तक मिले संक्रमित में 5 महिलाएं, 3 एयरफोर्स कर्मी भी शामिल हैं। चिंता की बात यह है कि जीका वायरस का स्त्रोत नहीं मिल सका है, जबकि जिलाधिकारी विशाख जी ने स्वास्थ्य महकमे की 8 टीमों को उन क्षेत्रों में परमानेंट रहने के निर्देश दिए हैं।

सपा में विलय को तैयार शिवपाल, मैनपुरी में दिया बड़ा बयान, भाजपा पर साधा निशाना

मैनपुरी। विधानसभा चुनाव से पहले शिवपाल सिंह यादव प्रदेश में सामाजिक परिवर्तन यात्रा निकाल रहे है। सोमवार को पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव मैनपुरी के कुरावली पहुंचे। यहां कहा कि 2022 में भारतीय जनता पार्टी सत्ता से पूरी तरह जा रही है।

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि प्रसपा बड़े दल से गठबंधन करेगी। वह सपा से गठबंधन और विलय के लिए तैयार हैं, लेकिन हमारे लोगों को सपा में सम्मान मिलना चाहिए उन्हें समायोजित किया जाए। वर्ष 2022 में भाजपा का सत्ता से जाना पूरी तरह तय है। वह रथयात्रा लेकर सोमवार की देर शाम कुरावली पहुंचने के बाद कार्यकताओं को संबोधित कर रहे थे।

अखिलेश के बयान पर बोले- नहीं जानते जिन्ना- पत्रकारों से बातचीत करते हुए सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के एक बयान पर उन्होंने कहा कि वह मोहम्मद अली जिन्ना को नहीं जानते, हम तब पैदा भी नहीं हुए थे। हम तो डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, अब्दुल हमीद, अशफाक उल्ला खान को जानते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध बढ़ रहे हैं। आज किसान खाद के लिए परेशान हैं। सरकार किसानों को खेती के लिए खाद उपलब्ध नहीं करा पा रही है। उन्होंने कहा कि प्रसपा समान विचारधारा वाले दलों से गठबंधन करेगी।

कहा- प्रदेश में बढ़ रहा अपराध- सरकार बनने पर किसानों को वरीयता के आधार पर सहूलियतें देगी। रथयात्रा लेकर निकले पूर्व मंत्री ने कहा कि प्रदेश के हालात ठीक नहीं हैं। प्रदेश में अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। थाने और तहसील बिना दलाली के नहीं चल रहे हैं। जिस किसान को लाभ देने की बात कहकर भाजपा सरकार में आई थी। सरकार बनाने के बाद भाजपा किसानों को भूल चुकी है। सरकार को एमएसपी पर कानून बनाने के साथ ही किसानों की मांगें मानकर तीनों कृषि कानून वापस लेने चाहिए। रथयात्रा के माध्यम से किसानों को प्रसपा जागरूक कर रही है। देर रात वह मैनपुरी पहुंचे शिवपाल का कार्यकताओं ने स्वागत किया।

सीतापुर में महिला को तालिबानी सजा, दबंगों ने सरेराह बेरहमी से पीटा

सीतापुर। अटरिया इलाके के एक गांव का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कुछ दबंग एक महिला को सरेआम रास्ते में गिराकर पीटते नजर आ रहे हैं। महिला के परिवारजन लोगों से उसे बचाने की गुहार लगा रहे हैं लेकिन, कोई भी व्यक्ति आगे नहीं आया। महिला को इलाज के लिए सिधौली सीएचसी में भर्ती कराया गया है। इस मामले में पीड़ित का दावा है कि सामूहिक दुष्कर्म की नियत से आरोपितों ने उसके साथ बदसलूकी की थी। मां ने विरोध किया तो उसे मारपीट कर जख्मी कर दिया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की बात कही है। इस घटना के संबंध में पीड़ित महिला ने अटरिया थाने में तहरीर दी है, जिसमें कहा गया है कि वह खेत में काम कर रही थी। इसी दौरान गांव के तीन लोग वहां आ गए। उन्होंने महिला और उसकी मां को घेर लिया। आरोप है कि तीनों ने महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की कोशिश की।

सुपर फॉस्ट मेट्रो ट्रेन के लिए अलग से तैयार होगा स्पेशल मेट्रो कॉरिडोर

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में रहने वालों को अब जल्द ही उन्हें सुपर फॉस्ट मेट्रो ट्रेन में सफर करने का मौका मिलेगा। सुपर फॉस्ट मेट्रो ट्रेन के लिए अलग से एक स्पेशल मेट्रो कॉरिडोर तैयार किया जा रहा है। एनसीआर में कॉरिडोर का रूट क्या होगा यह भी तय हो गया है। यह कॉरिडोर जेवर एयरपोर्ट और इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) को आपस में जोड़ेगा। इस कॉरिडोर में 120 किमी की रफ्तार से मेट्रो ट्रेन दौड़ेगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने बेसिक रिपोर्ट तैयार कर यमुना अथॉरिटी को सौंप दी है। अब मेट्रो के लिए स्पेशल कॉरिडोर की फिजिबिलिटी रिपोर्ट और डीपीआर तैयार करने की जिम्मेदारी भी डीएमआरसी को दी गई है। सुपर फॉस्ट मेट्रो ट्रेन चलाने के लिए दो से तीन विकल्प पर काम किया जा रहा है। सूत्रों की मानें तो स्पेशल मेट्रो कॉरिडोर की लम्बाई करीब 74 किमी है। इस कॉरिडोर का रूट भी लगभग तय कर लिया गया है। जेवर एयरपोर्ट से लेकर नॉलेज पार्क (ग्रेटर नोएडा) तक, नॉलेज पार्क से नोएडा और नोएडा से यमुना बैंक स्टेशन तक एलिवेटेड ट्रैक बनेगा। इसके बाद यमुना बैंक से नई दिल्ली (शिवाजी पार्क) तक अंडरग्राउंड कॉरिडोर तैयार होगा। 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सुपर फॉस्ट मेट्रो ट्रेन चलाने के लिए यमुना अथॉरिटी का प्लान है कि जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ ही मेट्रो ट्रेन भी जेवर तक पहुंच जाए। इसके लिए अथॉरिटी पहले फेज में आईजीआई, दिल्ली एयरपोर्ट से लेकर नॉलेज पार्क (ग्रेटर नोएडा) के 38 किमी लम्बे रूट तक नया मेट्रो रेल कॉरिडोर तैयार किया जाए। इसके लिए पूरी लाइन नए तरीके से बिछाई जाएगी। दूसरा फेज 35.6 किमी का है। इस फेज में नॉलेज पार्क से लेकर जेवर एयरपोर्ट तक मेट्रो ट्रेन चलाने का प्लान है। नॉलेज पार्क से जेवर तक मेट्रो का रूट एलिवेटेड होगा। यह गौतम बुद्ध नगर का सबसे लम्बा रूट होगा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा मेट्रो रूट की लम्बाई 29.7 किमी है।

मोदी विरोधी अभियान के दौरान फिर पुरानी गलती दोहरा रही है कांग्रेस

कांग्रेस के एक नेता हुआ करते थे देवकांत बरूआ। बरूआ कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे थे। बरूआ की पहचान कांग्रेस के दिग्गज नेता सहित पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा के वफादारों में भी होती थी। बरूआ ने ही आपातकाल के दौरान 1975 में नारा दिया था, इंदिरा इज इंडिया एंड इंडिया इज इंदिरा। यह नारा उस वक्त इंदिरा गांधी की ताकत को दिखाता था। एक समय इंदिरा को कामराज की कठपुतली और गूंगी गुड़िया कहा जाता था। लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद दुनिया ने उनका एक अलग रूप देखा। बैंकों का राष्ट्रीयकरण, पूर्व रजवाड़ों के प्रिवीपर्स समाप्त करना, 1971 का भारत-पाक युद्ध और 1974 का पहला परमाणु परीक्षण... इन फैसलों से इंदिरा ने अपनी ताकत दिखाई। हालांकि 1975 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनके निर्वाचन को रद्द कर दिया। इसके बाद इंदिरा ने आपातकाल लागू कर दिया। इसी समय नारा आया था इंदिरा इज इंडिया और इंडिया इज इंदिरा का नारा।

हालांकि, इसके ठीक बाद 1977 में हुए चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह हार गई थी। यहां तक कि प्रधानमंत्री रहते इंदिरा गांधी तक को हार का सामना करना पड़ा था। देश में पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनी थी। कांग्रेस ने 1977 की हार के लिए मंथन किया तो इसके कारणों में आपातकाल के साथ ही विमर्श में यह बात भी निकल कर आई कि इंदिरा इज इंडिया एंड इंडिया इज इंदिरा के नारे का वोटरों के बीच काफी गलत प्रभाव पड़ा था और एक बड़ा वर्ग इससे बेहद नाराज भी था। इसीलिए इस नारे ने भी कांग्रेस की हार में प्रमुख भूमिका निभाई थी। कांग्रेस पर हमला करने के लिए विपक्ष आज भी इस नारे को उसके (कांग्रेस) खिलाफ जुमले की तरह इस्तेमाल करता है।

यह सिक्के का एक पहलू है, सिक्के का दूसरा पहलू यह है कि कांग्रेस नेता ने 1975 में जो नारा (इंदिरा इज इंडिया एंड इंडिया इज इंदिरा) इंदिरा गांधी के पक्ष में लगाया था, उसी नारे को अब 2021 में कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर फिट करने की कोशिश में लगी है। कांग्रेसी ऐसा माहौल बना रहे हैं जैसे मोदी ही भारत हैं, भारत ही मोदी हैं। कांग्रेसियों द्वारा कई बार ऐसा माहौल बनाया जा चुका है, जहां मोदी से लड़ते-लड़ते कांग्रेसी भारत के विरोध पर उतर आते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक के समय, कश्मीर से धारा 370 हटाये जाने के मौके पर, नागरिक सुरक्षा काननू (सीएए), चीन से विवाद के वक्त, नये कृषि कानून के विरोध के नाम पर या फिर टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के हाथों भारत को मिली शिकस्त के समय कांग्रेसी जैसा प्रलाप कर रहे हैं, उससे तो यही लगता है कि मोदी राज में भारत की अंतरराष्ट्रीय पटल पर जब कभी किरकिरी होती है तो कांग्रेसियों को मानो जश्न मनाने का मौका मिल जाता है। इसीलिए कांग्रेसी और गांधी परिवार के लोग सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत मांगते हैं। हाल यह है कि क्रिकेट के मैदान में भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान के हाथों शिकस्त मिलती है तो कांग्रेसी नेता सोशल मीडिया पर चटकारे लेते हैं। पाकिस्तान से भारतीय क्रिकेट टीम को मिली हार के बाद कांग्रेस की नेशनल मीडिया कोऑर्डिनेटर राधिका खेड़ा ने अपने ट्वीट में लिखा, क्यों भक्तों, आ गया स्वाद? करवा ली बेइज्जती??? बता दें कि सोशल मीडिया पर मोदी समर्थकों के लिए इस टर्म का इस्तेमाल किया जाता है। लिहाजा, कांग्रेस लीडर ने एक तरह से टीम इंडिया की हार को मोदी से जोड़ने का प्रयास किया। हालांकि, ये बात अलग है कि ये प्रयास उन्हें बहुत भारी पड़ा है। वैसे यह भूलना नहीं चाहिए कि जिस ट्वीट को लेकर राधिका खेड़ा ट्रोल हो रही हैं, उस तरह के ट्वीट के जनक गांधी परिवार और खासकर राहुल गांधी ही हैं, जिनसे प्रेरणा लेकर ही उनकी पार्टी के अन्य नेता भारत को मोदी समझने की भूल करते जा रहे हैं।

यह सिलसिला 2014 से मोदी के प्रधानमंत्री बनने से शुरू हुआ था जो आज तक जारी है और 2024 के लोकसभा चुनाव तक जारी ही रहेगा, इसको लेकर किसी में कोई संदेह नहीं है क्योंकि मोदी विरोधी विमर्श खड़ा करने वालों की आतुरता लगातार बढ़ती जा रही है। यह लोग मोदी फोबिया के चलते देशहित में भी कुछ सुनने को ही तैयार नहीं हैं। गांधी परिवार को लगता है कि मोदी की इमेज को खंडित करके वह कांग्रेस के सुनहरे दिन वापस ला सकते हैं, लेकिन यह फिलहाल तो सपने जैसा ही लग रहा है। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) ने इसको लेकर सटीक भविष्यवाणी की है। प्रशांत का कहना है कि भाजपा आने वाले कई दशकों तक भारतीय राजनीति में ताकतवर बनी रहेगी। वहीं राहुल के संबंध में प्रशांत का कहना था कि वह (राहुल गांधी) पीएम मोदी को सत्ता से हटाने के भ्रम में न रहें, जबकि राहुल गांधी कहते रहते हैं कि मोदी की सत्ता खत्म होना समय की बात है। भारतीय राजनीति का स्तर इतना गिर गया है कि माओवादियों के खिलाफ कार्रवाई करना अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला बताया जाता है। एक तरफ कहा जाता है कि आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता है तो दूसरी ओर आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई होती है तो इसे सांप्रदायिकता से जोड़ दिया जाता है। वहीं जब कोई हिन्दू देशद्रोह के मामले में पकड़ा जाता है तो उसकी जाति बताई जाती है। इसी तरह से अपराध के किसी मामले में आरोपित यदि मुसलमान होता है, तो उसे साजिश के तहत फंसाये जाने की बात होने लगती है। उसे कोर्ट में ट्रायल से पहले ही बेगुनाह साबित कर दिया जाता है। आरोपित कोई हिंदू है तो उसे अदालत के फैसले से पहले ही अपराधी घोषित कर दिया जाता है। सबसे खास बात यह है कि मोदी के नाम पर भारत की छवि को चोट पहुंचाने की साजिश में नेता ही नहीं कई गणमान्य हस्तियां भी बढ़-चढ़कर लॉबिंग करती हैं। इसीलिए कोई कहता है कि भारत अब रहने लायक नहीं रहा तो किसी को हिन्दुस्तान में डर लगता है।

सर्वोच्च अलंकरण खेल रत्न पाकर अभिभूत हुए भारतीय खिलाड़ी

रानी रामपाल, विनेश और मरियप्पन को मिला खेल रत्न पुरस्कार

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2020 के विजेताओं को सोमवार को ट्रॉफी सौंपी क्योंकि कोरोना महामारी के कारण पिछले साल पुरस्कार समारोह का वर्चुअल आयोजन किया गया था। राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2020 के विजेताओं को पहले ही नकद पुरस्कार दिया जा चुका था, लेकिन महामारी के कारण वे अपनी ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र नहीं ले पाए थे।

खेल मंत्रालय ने पिछले साल 29 अगस्त को 74 राष्ट्रीय खेल पुरस्कार दिए थे जिसमें पांच राजीव गांधी खेल रत्न (अब नाम परिवर्तित करके मेजर ध्यानचंद खेल रत्न किया गया) और 27 अर्जुन पुरस्कार शामिल थे। शहर के अशोका होटल में सोमवार को समारोह में हिस्सा लेने वाले पुरस्कार विजेताओं में महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल, स्टार पहलवान विनेश फोगाट और 2016 पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता मरियप्पन थंगावेलु आदि शामिल थे जिन्हें प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार दिया गया। भारतीय सीमित ओवरों की टीम के उप कप्तान रोहित शर्मा यूएई में चल रहे टी-20 विश्व कप में व्यस्त होने के कारण खेल रत्न पुरस्कार लेने के लिए समारोह में मौजूद नहीं थे। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन, क्रिकेटर इशांत शर्मा, धाविका दुती चंद, तीरंदाज अतानु दास ओर बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसैराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी अर्जुन पुरस्कार ट्रॉफी लेने वालों में शामिल रहे। ठाकुर ने समारोह के दौरान कहा, राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रतिष्ठित पुरस्कार हैं जिन्हें खिलाड़ी वर्षों के समर्पण और कड़ी मेहनत के बाद हासिल करते हैं। सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई और भविष्य की योजनाओं के लिए शुभकामनाएं। पुरस्कार विजेताओं की यात्रा यहीं समाप्त नहीं होगी तथा उन्हें और अधिक उपलब्धियां हासिल करनी होंगी। समारोह में खेल सचिव सुजाता चतुर्वेदी, युवा मामलों की सचिव उषा शर्मा और मंत्रालय तथा भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के शीर्ष अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

खेल रत्न पुरस्कार प्राप्त करना अद्भुत था : रानी रामपाल

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से खेल रत्न पुरस्कार प्राप्त किया। खेल मंत्री की ओर से उन्हें ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र सौंपा गया। रानी ने पुरस्कार प्राप्त करने के बाद ट्वीट के माध्यम से खुशी जाहिर की। उन्होंने ट्वीट में लिखा, खेल रत्न पुरस्कार प्राप्त करना अद्भुत था। जैसे ही मैं पुरस्कार लेकर अपनी सीट पर वापस गई, मुझे वो साल याद आए, जब मैंने बुनियादी उपकरणों के लिए कड़ी मेहनत की थी। एक वक्त था जब बुनियादी पोषण भी एक हॉकी खिलाड़ी बनने के लिए आवश्यक था।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2020 के विजेताओं की सूची

खेल रत्न पुरस्कार: रोहित शर्मा (क्रिकेट), मरियप्पन थंगावेलु (पैरा एथलेटिक्स), मनिका बत्रा (टेबल टेनिस), विनेश फोगाट (कुश्ती), रानी रामपाल (हॉकी)।

अर्जुन पुरस्कार: अतानु दास (तीरंदाजी), दुती चंद (एथलेटिक्स), सात्विकसैराज रेंकीरेड्डी (बैडमिंटन), चिराग शेट्टी (बैडमिंटन), विशेष भृगुवंशी (बास्केटबॉल), मनीष कौशिक (मुक्केबाजी), लवलीना बोरगोहेन (मुक्केबाजी), इशांत शर्मा (क्रिकेट), दीप्ति शर्मा (क्रिकेट), सावंत अजय अनंत (घुड़सवारी), संदेश झिंगन (फुटबॉल), अदिति अशोक (गोल्फ), आकाशदीप सिंह (हॉकी), दीपिका (हॉकी), दीपक (कबड्डी), काले सारिका सुधाकर (खो खो)), दत्तू बबन भोकानल (रोइंग), मनु भाकर (निशानेबाजी), सौरभ चौधरी (निशानेबाजी), मधुरिका पाटकर (टेबल टेनिस), दिविज शरण (टेनिस), शिवा केशवन (शीतकालीन खेल), दिव्या काकरान (कुश्ती), राहुल अवारे (कुश्ती), सुयेश नारायण जाधव (पैरा तैराकी), संदीप (पैरा एथलेटिक्स), मनीष नरवाल (पैरा निशानेबाजी)।

द्रोणाचार्य पुरस्कार (जीवन पर्यंत उपलब्धि श्रेणी): धर्मेंद्र तिवारी (तीरंदाजी), पुरुषोत्तम राय (एथलेटिक्स), शिव सिंह (मुक्केबाजी), रोमेश पठानिया (हॉकी), कृष्ण कुमार हुड्डा (कबड्डी), विजय भालचंद्र मुनीश्वर (पैरा पावरलिफ्टिंग), नरेश कुमार (टेनिस), ओम प्रकाश दहिया (कुश्ती)।

द्रोणाचार्य पुरस्कार (नियमित श्रेणी): जूड फेलिक्स (हॉकी), योगेश मालवीय (मल्लखंभ), जसपाल राणा (निशानेबाजी), कुलदीप कुमार हांडू (वुशु), गौरव खन्ना (पैरा बैडमिंटन)।

ध्यानचंद पुरस्कार: कुलदीप सिंह भुल्लर (एथलेटिक्स), जिन्सी फिलिप्स (एथलेटिक्स), प्रदीप श्रीकृष्ण गांधे (बैडमिंटन), तृप्ति मुरगुंडे (बैडमिंटन), एन उषा (मुक्केबाजी), लक्खा सिंह (मुक्केबाजी), सुखविंदर सिंह संधू (फुटबॉल), अजीत सिंह (हॉकी), मनप्रीत सिंह (कबड्डी), जे रंजीत कुमार (पैरा एथलेटिक्स), सत्यप्रकाश तिवारी (पैरा बैडमिंटन), मनजीत सिंह (रोइंग), स्वर्गीय सचिन नाग (तैराकी), नंदन बल (टेनिस), नेत्रपाल हुड्डा (कुश्ती)।

श्रीलंका को 26 रनों से हराया, बटलर का शानदार शतक

इंग्लैंड टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा

शारजाह। मैन ऑफ द मैच बटलर (नाबाद 101) के शानदार पहले शतक से इंग्लैंड ने श्रीलंका को आईसीसी टी 20 विश्व कप में ग्रुप एक के मुकाबले में 26 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

इंग्लैंड ने 20 ओवर में चार विकेट पर 163 रन का मजबूत स्कोर बनाया और श्रीलंका को अंतिम पांच ओवरों में लुढ़काते हुए उसे 19 ओवर में 137 रन पर ढेर कर दिया। इंग्लैंड ने लगातार चौथी जीत हासिल की और आठ अंकों के साथ अंतिम चार में स्थान बना लिया। दूसरी तरफ श्रीलंका तीसरी हार का सामना करना पड़ा और इस हार के साथ विश्व कप में उसका सफर समाप्त हो गया है। बटलर ने पारी की आखिरी गेंद पर छक्का मारकर अपना शतक पूरा किया और इस विश्व कप में शतक बनाने वाले पहके खिलाड़ी बन गए। बटलर ने 67 गेंदों पर नाबाद 101 रन में छह चौके और छह छक्के लगाए। उन्होंने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरे इंग्लैंड को तीन विकेट पर 35 रन की नाजुक स्थिति से उबारा और कप्तान इयोन मोर्गन के साथ चौथे विकेट के लिए 112 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। मोर्गन ने 36 गेंदों पर 40 रन बनाए । बटलर ने इंग्लैंड की पारी को संभाला और अंतिम ओवरों में कुछ शानदार छक्के लगाए। बटलर ने अंतिम गेंद पर छक्का जड़ा और पहली बार सौ रनों के पार पहुंच गए। श्रीलंका की तरफ से वानिन्दू हसारंगा ने तीन विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत खराब रही और पाथुम निसांका (1) व असलंका (21) बनाकर आउट हो गए। इसके बाद कुसल परेरा (7) और अविष्का फर्नांडो (13) भी कुछ खास नहीं कर सके। इसके बाद राजपक्षे ने मैदान पर आने के बाद कुछ अच्छे शॉट्स लगाए, लेकिन वह (26) रन बनाकर आउट हो गए। शनाका और वानिंदु हसरंगा ने 36 गेंदों पर 53 रन जोड़कर मैच को रोमांचक बना दिया। यह जोड़ी इंग्लैंड की परेशानी बढ़ा रही थी, तभी लिविंगस्टन ने हसरंगा (34) को आउट कर अगले ही ओवर में कप्तान शनाका (26) पर रन आउट हो गए। इसके बाद श्रीलंका की उम्मींदे भी खत्म हो गई।

टी-20 वर्ल्ड कप में शतक लगाने वाले 8वें खिलाड़ी बने बटलर

इंग्लैंड के तूफानी ओपनर जोस बटलर ने टी-20 वर्ल्ड कप-2021 का पहला शतक जड़ा श्रीलंका के खिलाफ आखिरी गेंद पर छक्का उड़ाते हुए उन्होंने शतक पूरा किया। यह उनके टी-20 इंटरनेशनल करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी है। वह टी-20 वर्ल्ड कप में शतक लगाने वाले दुनिया के 8वें, जबकि इंग्लैंड के दूसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले एलेक्स हेल्स ने 27 मार्च 2014 को वर्ल्ड टी-20 में श्रीलंका के ही खिलाफ नाबाद 116 रनों की पारी खेली थी।

सेमीफाइनल के लिए दावेदारी पक्की करने उतरेगा द. अफ्रीका

अबुधाबी । दक्षिण अफ्रीका की टीम बांग्लादेश के खिलाफ मंगलवार को होने वाले आईसीसी टी 20 विश्व कप के ग्रुप एक मुकाबले में सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने के इरादे के साथ उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका ने अब तक तीन मैचों में से दो जीते हैं और सिर्फ एक हारा है जबकि बांग्लादेश की टीम अपने तीनों मुकाबले गंवाकर सेमीफाइनल की होड़ से बाहर हो चुकी है इस मुकाबले को जीतने के बाद भी हालांकि दक्षिण अफ्रीका के लिए अंतिम चार का स्थान पक्का नहीं हो पायेगा। दक्षिण अफ्रीका को अपना आखिरी मुकाबला ग्रुप टॉपर इंग्लैंड से शनिवार को खेलना है और उसे जीतने के बाद ही दक्षिण अफ्रीका की अंतिम चार की दावेदारी पक्की हो पाएगी । दूसरी तरफ बांग्लादेश अपने तीनों मुकाबले हारकर सेमीफाइनल की होड़ से बाहर हो चुका है। अब बांग्लादेश दूसरी टीमों का खेल ही खराब कर सकता है।

पाक और नामीबिया में होगी भिड़ंत

अबुधाबी। पाकिस्तान की टीम टी 20 विश्व कप में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए अब तक अपने तीनों मुकाबले जीत चुकी है और सेमीफाइनल में उसकी जगह पक्की हो चुकी है। पाकिस्तान का मंगलवार को नामीबिया से मुकाबला होना है। नामीबिया ने अपने दो में से एक मैच जीता है और एक हारा है। नामीबिया की टीम यदि कोई चमत्कारिक प्रदर्शन करती है तो वह पाकिस्तान को चौंका सकती है। लेकिन जबरदस्त फॉर्म में चल रही बाबर आजम की टीम के साथ यह उम्मीद कम ही नजर आती है। पाकिस्तान ने अपने पिछले मुकाबले में अफगानिस्तान को आसिफ अली के एक ओवर में मारे गए चार छक्कों की मदद से पराजित किया था और वह इस प्रदर्शन को नामीबिया के खिलाफ दोहरा सकता है।

महबूबा मुफ्ती को फिर किया गया नजरबंद

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती को प्रशासन ने फिर से नजरबंद कर दिया है। पीडीपी की मुखिया पर सोमवार को यह ऐक्शन उस वक्त लिया गया, जब वह आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान मारे गए एक युवक के परिजनों से मुलाकात करने जाने वाली थीं। 24 अक्टूबर को सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच अनंतनाग में हुई मुठभेड़ के दौरान युवक की मौत हो गई थी। पीडीपी नेता ने महबूबा के नजरबंद होने की जानकारी दी है। वह शाहिद अहमद के परिवार से मिलने जाने वाली थीं। अहमद की मौत 24 अक्टूबर को दक्षिण कश्मीर के शोपियां में कथित गोलीबारी हो गयी थी।

पीडीपी नेता ने बताया कि पुलिस बलों ने महबूबा के घर के मुख्य दरवाजा बंद कर घर के बाहर एक मोबाइल बंकर तैनात किया। महबूबा मुफ्ती ने आश्चर्य व्यक्त किया था कि भाजपा के पूर्व विधायक पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिन्होंने भारत-पाक के टी 20 मैच के दौरान कुछ कश्मीरियों द्वारा पाक का समर्थन करने पर उनकी खाल उतारने की बात कही थी।

डेंगू के प्रकोप पर केंद्र सरकार अलर्ट, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने की समीक्षा

प्रभावित राज्यों में जाएगी एक्सपर्ट्स की टीम

दिल्ली में 6 लोगों ने गंवाई जान

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में लगातार डेंगू से बिगड़ती स्थिति पर केंद्र सरकार अलर्ट हो गई है। खबर है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालयों ने प्रभावित राज्यों की मदद करने के लिए एक्सपर्ट टीम को भेजने का फैसला किया है। सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने हालात की गंभीरता के मद्देनजर राजधानी में डेंगू की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान केंद्र और राज्य सरकारों के बीच तालमेल की बात पर जोर दिया गया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने फैसला किया है कि डेंगू से प्रभावित राज्यों की पहचान और केसलोड की जानकारी जुटाई जाएगी, साथ ही केंद्र सरकार ने इन राज्यों में हालात को काबू करने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम को रवाना करने की भी योजना बनाई है। सोमवार को हुई बैठक में केंद्र और राज्य सरकारों को साथ मिलकर एक योजना पर काम करने की बात कही गई है। स्वास्थ्य मंत्री मंडाविया ने टेस्टिंग की रफ्तार बढ़ाने के लिए कहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने केंद्र और राज्यों के बीच तालमेल की जरूरत पर भी जोर दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कुछ अस्पताल डेंगू के मामलों से भरे हुए हैं, जबकि दूसरे अस्पतालों में बिस्तर खाली हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने दिल्ली के अधिकारियों से अनुरोध किया कि वो डेंगू के इलाज के लिए कोविड बिस्तरों को फिर से तैयार करने की संभावना पर गौर करें।

कार्य योजना बनाने में दिल्ली सरकार की मदद करेंगे अधिकारी

इस बैठक में ये निर्णय लिया गया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी डेंगू से निपटने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार करने के लिए दिल्ली सरकार का समर्थन करेंगे। मनसुख मंडाविया को इस मीटिंग में जानकारी दी गई कि स्कूली बच्चों को लार्वा नियंत्रण के बारे में जागरूक करने और पक्षियों के लिए भोजन के कटोरे, कूलर आदि को सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण देने के लिए दिल्ली सरकार का अभियान चलाया जाएगा। गंबुसिया जैसी जैविक लार्विसाइड मछलियों को 163 स्थलों पर तैनात किया गया है। दिल्ली बुखार के सभी मामलों, डेंगू के संदिग्ध मामलों की निगरानी कर रही है। दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री को आश्वासन दिया कि इस प्रकोप को नियंत्रित किया जाएगा।

इस साल दिल्ली में मामलों का बढ़ना लगातार जारी

खबर है कि इस बैठक में नेशनल सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल और नेशनल वेक्टर बोर्न डिसीज कंट्रोल प्रोग्राम के अधिकारी भी मौजूद थे। हर साल मानसून की शुरुआत के साथ ही दिल्ली में डेंगू के मामले ज्यादा संख्या में मिलते हैं, साथ ही आमतौर पर यह सर्दियां शुरू होने पर यह दौर खत्म हो जाता है। हालांकि, इस साल मामलों का बढ़ना लगातार जारी है। दिल्ली में लगातार डेंगू का कहर बढ़ता जा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में डेंगू के 1500 से ज्यादा मरीज मिल चुके हैं। एक सप्ताह में दिल्ली में 531 नए मरीज मिले, वहीं, अब तक 6 लोग इस बीमारी के चलते जान गंवा चुके हैं। इसके अलावा मलेरिया और चिकनगुनिया के मामलों में भी बढ़त देखी जा रही है। चिकनगुनिया के 81 और मलेरिया के मरीजों की संख्या 160 हो गई है।

कोविड मरीजों के बिस्तर डेंगू बुखार पीड़ितो को मिलेंगे

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली सरकार की तरफ से आदेश जारी किया गया है, जिसमें कोविड-19 के मरीजों के लिए रिजर्व बिस्तरों का एक तिहाई हिस्सा डेंगू के मरीजों को देने के लिए कहा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के हवाले से कहा गया है कि कोरोना वायरस के कम होते मामले और डेंगू के मामले बढ़ने के चलते यह फैसला लिया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने किया देश में उर्वरक की कमी की अफवाहों को खारिज

मंडाविया बोले-उर्वरक की कालाबाजारी करने वालो के विरुद्ध होगी कड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली (संजय पोद्दार)। आज देश मे उर्वरकों की कमी की अफवाहों के मद्देनजर केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने संबंधित अधिकारियों के साथ नवंबर माह में होने वाले उर्वरकों के उत्पादन की समीक्षा की।

उन्होंने बताया कि राज्य तथा केंद्र शासित प्रदेशों की मांग से अधिक उर्वरकों का उत्पादन किया जा रहा है। यदि देश मे यूरिया की मांग 41 लाख मैट्रिक टन के मुकाबले 76 लाख मैट्रिक टन, इसके साथ 17 लाख मैट्रिक टन डीएपी के मुकाबले 18 लाख मैट्रिक टन उत्पादन किया जा रहा है तथा 15 लाख मैट्रिक टन एनपीके के मुकाबले 20 लाख मैट्रक टन की सप्लाई दे सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने किसानों से अपील की है कि उर्वरक की जमाखोरी न करें तथा अफवाहों से बचें, साथ ही कहा कि कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध उचित कार्रवाई होगी। केंद्र सरकार ने उत्पादन पर नजर बना रखी है और आवश्यकतानुसार उर्वरकों की सप्लाई पूरे देश में भेजी जा रही है, जिससे मांग अनुसार खाद कि पूर्ति की जा सके।

बांग्लादेश में हो रहे हमले हिंदू समाज के निर्मूलन का योजनाबद्ध प्रयास : पाण्डेय

धारवाड़ (कर्नाटक) में संघ के राष्ट्रीय कार्यकारी मंडल की तीन दिवसीय बैठक संपन्न

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघ चालक अशोकजी पाण्डेय ने बताया कि कार्यकारी मंडल की 28, 29, 30 अक्टूबर को धारवाड़ (कर्नाटक) में संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि संघ की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था प्रतिनिधि सभा है, साल में एक बार बैठक मार्च में होती है, दूसरी संवैधानिक संस्था कार्यकारी मंडल है। अक्टूबर में होने वाली बैठक में वर्षभर के कार्यों की समीक्षा की जाती है।

कार्यकारी मंडल की वर्ष में दो बार बैठक होती है, प्रतिनिधि सभा से पहले और दीपावली व दशहरा के बीच में। अभी की बैठक पूरे तीन दिन होती है। कोरोना से पिछले साल बैठक नहीं हो सकी थी। बैठक में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया है। बांग्लादेश में हिंदू समाज पर आक्रमण अचानक घटित घटना नहीं है, अपितु षड्यंत्र पूर्वक सांप्रदायिक उन्माद पैदा करने की कोशिश की गई है, ये हिंदू समाज के निर्मूलन का योजनाबद्ध प्रयास था।उन्होंने बताया कि प्रस्ताव में हिंदुओं पर हुए हिंसक आक्रमणों पर दुःख व्यक्त किया गया है और वहां के हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रही क्रूर हिंसा और बांग्लादेश के व्यापक इस्लामीकरण के जिहादी संगठनों के षडयंत्र की घोर निंदा की गई है।

अंतर माध्यम प्रचार समन्वय समिति की ई-बैठक संपन्न

भोपाल, (एजेंसी)। अंतर माध्यम प्रचार समन्वय समिति (आईएमपीसीसी) की अक्टूबर माह की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिए सोमवार को संपन्न हुई। बैठक में समिति के अध्यक्ष और पीआईबी के अपर महानिदेशक प्रशांत पाठराबे ने नवंबर माह में 'प्रदूषण और शिक्षा के विविध आयाम' पर प्रचार- प्रसार के कार्य को फोकस करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 'क्लीन इंडिया 2.0: अपशिष्ट प्रबंधन आज के समय की आवश्यकता' विषय पर पीआईबी, आरओबी और एनवाईके द्वारा एक वेबिनार का आयोजन 29 अक्टूबर को किया गया।

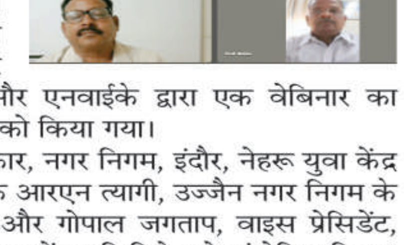

श्रद्धा तोमर, सलाहकार, नगर निगम, इंदौर, नेहरू युवा केंद्र संगठन के राज्य निदेशक आरएन त्यागी, उज्जैन नगर निगम के सलाहकार विनय सिंह और गोपाल जगताप, वाइस प्रेसिडेंट, बेसिक्स म्यूनिसिपल वेस्ट वेंचर लिमिटेड ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अंतर्गत अक्टूबर महीने में स्वच्छ भारत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ऑर्गेनिक उत्पाद को बढ़ाने के लिए प्रगतिशील किसान भाइयों को प्रोत्साहित करें : राज्यपाल

आजमगढ़। उ0प्र0 की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक ऑर्गेनिक उत्पाद को बढ़ाने के लिए प्रगतिशील किसान भाइयों को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि ऑर्गेनिक उत्पाद में वृद्धि हेतु किसानों के लिए प्रशिक्षण/कार्यशाला का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिक किसानों को फसलों के नष्ट होने से बचाव के तरीके तथा बीमारियों से होने वाले नुकसान को रोकने की जानकारी दें। राज्यपाल महोदया ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक किसान भाइयों को एक साल में कई बार फसल पैदा करने की जानकारियाँ एवं प्रशिक्षण दें। राज्यपाल महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज जनपद आजमगढ़ में भ्रमण कार्यक्रम के दूसरे दिन कृषि महाविद्यालय केंद्र कोटवा आजमगढ़ में कृषि वैज्ञानिकों, प्रगतिशील किसान एवं छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि दिनों-दिन कृषि के लिए जमीन कम होती जा रही है, इसलिए किसानों को मल्टी लेवल कृषि को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मल्टी लेवल कृषि से

ही आवश्यकता अनुसार उत्पादन किया जा सकेगा तथा किसानों की आय भी कई गुनी बढ़ेगी। राज्यपाल महोदया ने कहा कि कृषि उत्पाद को बढ़ाने के लिए प्रगतिशील किसान के छोटे-छोटे खेतों में प्रयोग करें, प्रयोग सफल होने पर दूसरे किसान भाई भी आधुनिक तकनीक का प्रयोग करने के लिए आगे आएंगे। उन्होंने कहा कि आजकल आप लोग यूट्यूब के माध्यम से भी दुनिया के अन्य देशों की तकनीकी की जानकारी प्राप्त कर किसान भाइयों को अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय/महाविद्यालय से बाहर निकल कर किसानों के साथ जाकर काम करें, जिससे अच्छा परिणाम देखने को मिलेगा।

महामहिम राज्यपाल महोदया ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक एक ही फसल पर दूसरी और तीसरी फसल का उत्पादन करने का प्रयोग कर किसान भाइयों को बताएं। उन्होंने कहा कि आलू बोने के 20 दिन बाद उसी की डाल में टमाटर की डाल को जोड़कर तथा टमाटर की डाल में बैगन की डाल को जोड़कर एक ही पेड़ से कई प्रकार की सब्जियां उगाई जा सकती है, इस प्रकार प्रयोग कृषि वैज्ञानिक करें तथा कृषक भाइयों को जानकारी दें तथा प्रचार-प्रसार भी कराया जाए। राज्यपाल महोदया ने कहा कि पानी को नुकसान होने से बचाएं तथा कम पानी में अधिक फसल की पैदावार की जाए। उन्होंने कहा कि ड्रिप सिंचाई का प्रयोग कर पानी को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसान भाइयों को ड्रिप इरिगेशन के लिए प्रोत्साहित कर कम पानी से अधिक पैदावार किया जा सकता है। राज्यपाल महोदय ने अधिकारी वर्ग को उनकी जिम्मेदारी का एहसास कराते हुए कहा कि आप लोग अपनी आंखें खुली रखें। उन्होंने कहा कि व्यवस्था को सुधारना आपकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि किसानों के खेतों की मिट्टी की जांच कराएं और उनकी कमी को पूरा किया जाए। राज्यपाल महोदया ने कहा कि कृषक भाइयों के लिए नई सीड की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आप लोग निश्चय करें कि बाहरी देशों से बीज नहीं मनाएंगे, नई किस्म के बीजों को पेटेंट करें तथा किसानों के उत्पादों को बेचने के लिए बाजार उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि यदि किसानों की आय को बढ़ानी है तो सभी मौसम के सभी प्रकार की सब्जियों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करना होगा। राज्यपाल महोदया ने कहा कि किसान भाइयों को परंपरागत खेती करने के साथ ही आधुनिक तकनीक से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि कृषि से जुड़ी महिलाओं को कृषि से जोड़ें तथा आधुनिक तकनीकी की जानकारी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के माता-पिता को आधुनिक खेती के लिए जागरूक करें तथा कृषि महाविद्यालय के छात्र भी समाज के लोगों को आधुनिक खेती के लिए प्रेरित करें।

कानून व्यवस्था को बनाए रखने की प्राथमिकता दी जाएगी - उपजिलाधिकारी

लालगंज (आजमगढ़)। नवागत उपजिलाधिकारी सुरेंद्र नारायण त्रिपाठी ने शासन कि मंशा के अनुसार लोगों को न्याय दिलाने का आश्वाशन दिया। उपजिलाधिकारी पंकज कुमार श्रीवास्तव के

स्थानांतरण के बाद उपजिलाधिकारी का कार्यभार देख रहे नवीन प्रसाद का स्थानांतरण उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर के पद पर कर दिया गया । उपजिलाधिकारी लालगंज के पद पर बहराइच जनपद से स्थानांतरित हो कर आए सुरेंद्र नारायण त्रिपाठी कि तैनाती कि गयी हैं । श्री त्रिपाठी ने एक भेंट में बताया कि शासन कि मंशा के अनुसार कार्य करते हुए लोगों को न्याय दिलाया जाएगा कानून व्यवस्था को बनाए रखने को प्राथमिकता दी जाएगी। उपजिलाधिकारी न्यायिक के पद पर विमल कुमार दूबे ने कार्यभार ग्रहण कर लिया हैं।

संक्षिप्त खबरें

अंधेरा जब मन का मिटा ही नहीं ज्योति यूं जगमगाने से क्या फायदा (कवि सम्मेलन में कवियों ने बांधी समां)

प्रखर विरनो गाजीपुर। प्रगतिशील रचनाकार मंच के तत्वाधान में दीवाली त्योहार की पूर्व संध्या पर आदर्श जनता इंटर कॉलेज पलिया के सभागार में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ कवि दिनेश चंद शर्मा के वाणी वंदना 'तूं ही दुर्गा तूं ही लक्ष्मी, शारदे अवतार हो मां, से हुआ। कवि और पत्रकार शिक्षाविद विजय कुमार मधुरेश ने दीपावली पर्व की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'दीप ऐसा जलाने से क्या फायदा दिवाली मनाने से क्या फायदा अंधेरा जब मन का मिटा ही नहीं ज्योति यूं जगमगाने से क्या फायदा,। जिसपर लोगों ने तालियां बजाकर स्वागत किया। मऊ से पधारे ओज के प्रख्यात कवि पंकज प्रखर ने लड़कियों की विवशता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'एक समंदर उदास है शायद, जख्म लहरों के पास है शायद,सुनाकर लोगों को सोचने के लिए मजबूर कर दिया। जाने माने कवि एवं गीतकार गौरीशंकर पाण्डेय सरस ने रचना के माध्यम से बचपन की यादों को ताजा करते हुए कहा कि' बचपन की कुछ याद समेटे चलो मिट्टी के दीए जलाएं।अंतर मन का घना अंधेरा मिलकर कोसों दूर भगाएं।इस मौके पर प्रधानाचार्य नगीना यादव सुरेश राय जयनाथ यादव उपेन्द्र नाथ यादव, प्रधानाध्यापिका राधिका यादव विद्युत प्रकाश सुरेश यादव वसंत यादव पूर्व प्रधान रामकेश पाण्डेय, उत्कर्ष अभिनव आदि उपस्थित थे। अध्यक्षता सूरज पाण्डेय और संचालन विजय कुमार मधुरेश ने किया।

धनतेरस पर कम दिखी रजिस्ट्री कार्यालय पर भीड़

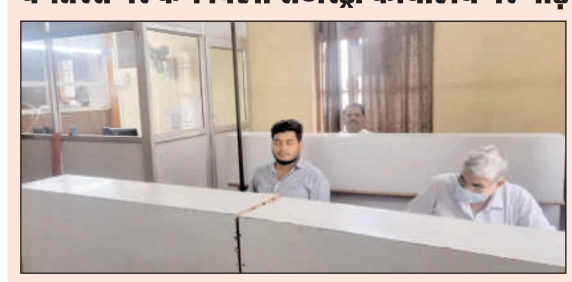

प्रखर पिंडरा वाराणसी। उपनिबंधक कार्यालय पिंडरा पर धनतेरस पर्व पर रजिस्ट्री करने वालों की भीड़ उम्मीद से कम दिखी। मंगलवार को कुल 38 रजिस्ट्री सायँ 4 बजे तक हुई। जो कि पिछले धनतेरस पर्व पर भी 35 रजिस्ट्री हुई थी। जबकि पिछले वर्ष से इस बार 30 फीसदी अधिक रजिस्ट्री हुई। सब रजिस्ट्रार दीपक जायसवाल ने बताया कि पिछले वर्ष से इस बार अधिक रजिस्ट्री हुई है। बुधवार को आज से अधिक रजिस्ट्री होगी। बताते चलें कि दो वर्ष से कोरोना काल मे रजिस्ट्री में काफी गिरावट दर्ज हुई थी। पिंडरा तहसील बार अध्यक्ष जवाहर लाल वर्मा व वकील सुधीर सिंह ने बताया कि अब स्थिति सुधर रही है। रजिस्ट्री में कराने वाला की संख्या दिनोदिन बढ़ रही है।

अतरौलिया के पत्रकार ने भी किया रक्तदान

अतरौलिया। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल द्वारा 1990 में श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या की कार सेवा में वीरगति को प्राप्त हुए राम भक्त कारसेवकों की याद में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन दयानंद बाल विद्या मंदिर अतरौलिया में किया गया। इस अवसर पर पत्रकार एवं समाजसेवी विवेक कुमार जायसवाल ने भी रक्तदान किया और कहा की पिताश्री स्वर्गीय जगदीश प्रसाद जायसवाल का संपूर्ण जीवन समाज सेवा एवं जनसंघ काल से भाजपा के लिए समर्पित था। वह परिवार की चिंता किए बगैर आधी रात को भी गरीब मजबूर एवं समाज के दबे कुचले वर्ग के लोगों के लिए लालटेन लेकर संघर्ष के लिए दौड़ पढ़ते थे। उनकी इमानदारी और कर्तव्य निष्ठा तथा समाजसेवा के प्रति समर्पण को समर्थकों एवं विरोधियों द्वारा आज भी सम्मान के साथ लोगों

द्वारा जब भी समाज पर कोई मुसीबत आती है तो याद किया जाता है। जब लोग पिताजी की मृत्यु के लगभग 25 वर्षों बाद भी उनके समाज के प्रति इमानदारी तथा कर्तव्य निष्ठा को याद करते हैं तो मुझे यह गर्व होता है कि मैं एक ऐसे पिता का पुत्र हूं जो आज समाज में अपनी निश्चल इमानदारी एवं कर्तव्य निष्ठा के कारण अमर हो गए हैं। पिताजी की प्रेरणा से उनकी मृत्यु के पश्चात भी मैं उनके समाज सेवा के बताए रास्ते पर चलने का प्रयास करता रहता हूं। पिताजी के इसी प्रेरणा से प्रेरित होकर मैंने आज श्री राम जन्म भूमि आंदोलन में वीरगति को प्राप्त हुतात्माओं की याद में रक्तदान किया। पिताजी के बताए रास्तों पर चल सकूं और उनकी समाज सेवा की भावना को पूर्ण कर सकूं यही मेरे द्वारा पिताश्री स्वर्गीय जगदीश प्रसाद जायसवाल के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

दो दिवसीय जनपद स्तरीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

आजमगढ़। युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग आजमगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में 02 दिवसीय जनपद स्तरीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत दिनांक 02 नवम्बर, 2021 को एथलेटिक्स, भारोत्तोलन एवं वालीबाल की प्रतियोगिता स्व0 सुखदेव पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम ब्रह्मस्थान आजमगढ़ में आयोजित की गयी। जनपद स्तरीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारम क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी आजमगढ़ ए0के0 पाण्डेय द्वारा गुब्बारों को उड़ाकर किया। जनपद स्तरीय ग्रमाण खेलकूद प्रतियोगिता में 22 विकास खण्डों के एथलेटिक्स, भारोत्तोलन एवं वालीबाल के खिलाड़ी प्रतिभाग किये।

जिला युवा कल्याण अधिकारी राजनेति सिंह ने जनपद स्तरीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता के बारे में बताते हुए मुख्य अतिथि एवं आये हुए खिलाड़ियों का स्वागत किया। प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा। 100 मी0 दौड़ पुरूष-गौरव कमार यादव कोयलसा प्रथम, अयोध्या महराजगंज द्वितीय, राजन यादव अहरौला तृतीय, 200 मी0 दौड़ पुरूष-राजन यादव अहरौला प्रथम, अयोध्या महराजगंज द्वितीय, बादल तृतीय, 800 मी0 दौड़ पुरूष-अमित पटेल कोयलसा प्रथम, महेश यादव मिजार्पुर द्वितीय, युवराज सरोज मेहनगर तृतीय 1500 मी0 दौड़ पुरूष-प्रवीन मेहनगर प्रथम, अमित मिजार्पुर द्वितीय, विक्की तरवां तृतीय 3000 मी0 दौड़ पुरूष-विक्की तरवां प्रथम, आनन्द गौड़ हरैया

द्वितीय, रितेश रानीकीसराय तृतीय 100 मी0 दौड़ महिला-सकीना बानों कोयलसा प्रथम, दीपमाला अजमतगढ़ द्वितीय, सपना पासवान तृतीय 800 मी0 दौड़ महिला-किरन वर्मा कोयलसा प्रथम, मुस्कान बानों कोयलसा द्वितीय, प्रतिभा अहरौला तृतीय, 3000 मी0 दौड़ महिला-किरन कोयलसा प्रथम, चांदनी पल्हनी द्वितीय, भारोत्तोलन पुरूष 56 किग्रा-रामानुज प्रथम, विपुल क्षित्य, नीरज तृतीय, 62 किग्रा0-विजय प्रथम, 69 किग्रा0-निखिल कुमार प्रथम, निगम द्वितीय, 77 किग्रा0-अनुराग प्रथम, भारोत्तोलन महिला 48 किग्रा0-हर्षिता प्रथम, प्रीती यादव द्वितीय, पूजा यादव तृतीय, 53 किग्रा0-चांदनी प्रथम, राजनन्दिनी द्वितीय, अन्जू तृतीय, 58 किग्रा0-प्रिया चौहान प्रथम, 63 किग्रा0-आंचल यादव वालीबाल पुरूष-रानीकीसराय प्रथम, अतरौलिया द्वितीय वालीबाल महिला-अजमतगढ़ प्रथम, कोयलसा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरण उपायुक्त स्वतः रोजगार द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उपक्रीड़ा अधिकारी राजनरायन प्रसाद, उपदुग्धशाला विकास अधिकारी सुधाकर प्रसाद, पूर्व क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी भृगुनाथ सिंह, अमरनाथ सिंह, भैयालाल पहलवान, राजेश सिंह, भोला सिंह, सतीश सिंह, जिम्नास्टिक सचिव मंगल प्रसाद, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी जगदीश प्रसाद यादव, सुरेन्द्र, माताप्रसाद यादव, उमेश कुमार, रोहित कुमार यादव, शशिशेखर राय, देवेश मिश्र, अखिलेश्वर मौर्य, अनीश मौर्य, आस्था सिंह आदि उपस्थित रहें।

प्राथमिक विद्यालय के बच्चो के लिए खास बना धनतेरस का पर्व

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय जमापुर के बच्चो के लिए धनतेरस का पर्व उनके लिए इस बार खास हो गया जब झूले पर झूलने का मौका मिला तो उनके खुशी का ठिकाना नहीं रहा। बताते चलें कि दो दिन पूर्व एचडीएफसी बैंक व आरोह संस्था के सहयोग से उक्त प्राथमिक विद्यालय में चार झूले अलग अलग किस्म के लगे थे। जो धनतेरस के अवसर पर चालू कर दिया गया। जिसे बच्चे खुशी से झूम उठे और झूले का जमकर लुफ्त उठाया। उनके लिए यह त्यौहार इस बार अलग तरह की खुशी दे गया। बच्चो के साथ शिक्षक भी खुश दिखे कहाकि इससे स्कूल में बच्चो का ठहराव होगा और स्कूल के प्रति लगाव। प्रधानाध्यापक विनोद कश्यप ने बताया कि धनतेरस पर बच्चे अपने बीच झूले पर झूलने के बाद अधिक प्रसन्नचित्त दिखे।

मिट्टी का टीला ढहने से चार की मौत

नौगढ़/चंदौली। दिपावली की त्योहार पर कच्चा मकान की मरम्मत और घर की पुताई के लिए मंगलवार को जंगल में मिट्टी खोदते समय टीला ढह गया। मलबे में दबे लोगों को निकालकर अस्पताल लाया गया।जहां एक ही परिवार तीन लोग जिसमें पिता सहित दो पुत्र व एक अन्य की मौत हो गई । हादसे की सूचना मिलते ही एसडीएम नौगढ़ और जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। वही गांव के समाजसेवी नंद लाल यादव ने गांव के लोगों के साथ मौके पर पहुंचकर मलबे में दबे लोगों को निकालना शुरू किया लेकिन दो लोगों की घटना स्थल पर मौत हो गई। दो 2 लोग गंभीर घायल हुए लोगों हास्पिटल लाया गया । जहां चिकित्सक ने घायलों को मृत घोषित कर दिया । जिसमें नौगढ़ थाना क्षेत्र के उदितपुर सुर्रा निवासी शिव कुमार 45 वर्ष पुत्र स्वर्गीय घुरहू, दूधनाथ विश्वकर्मा 50 वर्ष इनके पुत्र रामअशीष 10 वर्ष व रितेश कुमार 8 वर्ष की मौत हुई । बताया जा रहा है कि घर की पुताई के लिए मंगलवार को बंधी के निकट जंगल में टीले से पीली मिट्टी खोदने गए थे। मिट्टी खोदते समय

अचानक टीला ढह गया। कुछ लोग दूर खड़े थे, शोर मचाने पर गांव के लोगों ने मिट्टी हटाकर उसे निकाला लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थी। हादसे की जानकारी मिलने पर उदितपुर सुर्रा गांव के लोगों ने फावड़ों से मिट्टी हटाकर लोगों को बाहर निकाला लेकिन तब तक दूधनाथ और शिव कुमार की घटना स्थल पर ही मौत हो गई वही दो बालको में रामअशीष व रितेश की मौत हुई है ।सूचना पर एसडीएम डॉ अतुल गुप्ता के अलावा समाजसेवी नंद लाल यादव, पूर्वांचल मजदूर संघ के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव घटनास्थल पर पहुंचे।

देव दीपावली की तैयारी को लेकर मंत्री से मिले गंगा सेवा समिति के पदाधिकारी

चहनियां/चंदौली। कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को पश्चिम वाहिनी मां गंगा के तट पर आयोजित होने वाले देव दीपावली की तैयारी के मद्देनजर मंगलवार को गंगा सेवा समिति के अध्यक्ष दीपक जायसवाल के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने मुलाकात करके तैयारियों के बावत चर्चा किया।आगामी 19 नवम्बर को गंगा घाट बलुआ में आयोजित होने वाले देव दीपावली की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा के लिए मंगलवार को गंगा सेवा समिति के पदाधिकारियों ने मुलाकात किया। इस दौरान मंत्री ने गंगा सेवा समिति के विगत 12 वर्षों के कार्यों की सराहना करते हुए कार्यक्रम को भव्य रूप देने में अपना हर सम्भव मदद करने का भरोसा दिलाया। गंगा सेवा समिति के अध्यक्ष दीपक जायसवाल ने मंत्री जी से गंगा तट पर एक गेस्ट हाउस बनवाने की मांग रखी।

तहसील व विकास खंड कार्यालय सकलडीहा का डीएम ने निरीक्षण

सकलडीहा /चंदौली । जनहित में आम जनता को सरकार की योजनाओं एवं अन्य कार्यों के लिए ससमय सुविधा उपलब्ध होता रहे बार-बार किसी कार्यालय का चक्कर न लगाना पड़े इस बाबत जिलाधिकारी श्री संजीव सिंह के द्वारा तहसील सकलडीहा व खण्ड विकास कार्यालय सकलडीहा का निरीक्षण किया गया। खण्ड विकास कार्यालय के निरीक्षण में पांच लोग अनुपस्थित मिले। जिस पर कार्यवाही के निर्देश जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को दिये। इस दौरान खण्ड विकास कार्यालय में अन्य पत्रावलियों का जांच किये। कहा कि फाइल का रख-रखाव सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित रखें जाय। जिलाधिकारी ने कहा पेंशन योजनाओं में पात्र व्यक्तियो का सत्यापन करते हुए अग्रिम कार्यवाही पूर्ण कर दिया जाय। ताकि उन सभी को पेंशन योजना का लाभ मिल सके। इसके अलावा कन्या सुमंगला योजना में प्रगति लाया जाय। सकलडीहा तहसील

के निरीक्षण में तहसीलदार सकलडीहा अनुपस्थित पाई गई। कुछ समय में निरीक्षण की सूचना मिलने पर लेट से उपस्थित हो गई। इस दौरान आर-6 रजिस्टर, कंप्यूटर कृत खतौनी कक्ष सहित अन्य अभिलेखों का जांच किया गया।

गैंगस्टर एक्ट का वांछित गिरफ्तार

पीडीडीयू नगर। पुलिस अधीक्षक चंदौली द्वारा जनपद में अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु गैंगस्टर एक्ट के वांछित व पुरस्कार घोषित अपराधियों के गिरफ्तारी हेतु दिए गए निदेर्शों के अनुपालन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक चंदौली के निर्देशन पर क्षेत्राधिकारी सदर के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक अलीनगर संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में अलीनगर पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर एक गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार किया पकड़ा गया अभियुक्त संतोष अलीनगर जनपद चंदौली निवासी बताया जाता है।जिसको पुलिस ने चकिया चौराहा अलीनगर के पास से गिरफ्तार किया।जिस पर पुलिस संबंधीत धारा लगाते हुए अग्रिम कार्रवाई करने में जुट गई।

गांजा बरामद, तीन तस्कर गिरफ्तार

पीडीडीयू नगर। जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी वह बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने वह अपराध में संलिप्त अभियुक्त गण की गिरफ्तारी हेतु एवम जुर्म जरायम के रोकथाम हेतु पुलिस अधीक्षक जनपद चन्दौली द्वारा दिये गये निदेर्शों के अनुपालन में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक चन्दौली के निर्देशन एवम् क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अलीनगर सन्तोष कुमार सिंह के नेतृत्व में अलीनगर पुलिस टीम द्वारा आगामी दीपावली पर्व पर चलाये जा रहे सघन चेकिंग अभियान के क्रम में सिंधीताली पुल थाना अलीनगर जनपद चन्दौली से सोमवार की रात्रि काली फिल्म लगे एक इनोवा कार को रुकने का इशारा किया गया तो चालक तेज रफ्तार कर भागने का प्रयास करने लगा चेकिंग में लगे पुलिस बल द्वारा पीछा किया जाने लगा परन्तु आगे वाहनों का जाम लगे होने के कारण भागने में असफल रहे जिस दौरान वाहन की तलाशी ली गयी तो इनोवा कार पंजीकरण संख्या वढ 70 बीडी 1818 की पिछली सीट के नीचे ऊपर प्लास्टिक के पैकिंग में 13 बन्डल मिला जिसको बारी-बारी खोल कर चेक किया गया तो नाजायज गाँजा पाया गया उपरोक्त समस्त बण्डलो का वजन किया गया तो बरामद गांजा कुल एक किंटल पाया गया। मौके से इनोवा में सवार तीन तस्कर (1) सुभाष शर्मा निवासी भाईपुर थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर (2) सुनील कुमार भारती ग्राम कमासीको थाना चौक पटना सिटी (बिहार) (3) अभिषेक मिश्रा निवासीं मिश्राकर्मा थाना तरारी जनपद भोजपुर (बिहार को गिरफ्तार किया गया ।गिरफ्तार शुदा अभियुक्तगण के विरूद्ध थाना अलीनगर पर मु.अ.सं. 286/21 धारा 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

एक दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में विजई बालिकाओं को किया गया पुरस्कृत

धानापुर /चंदौली। विकास खण्ड बरहनी के कम्पोजिट विद्यालय परेवा न्याय पंचायत के परिषदीय विद्यालयों के छात्र छात्राओं का एक दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता में उच्च आदर्श बालिका विद्यालय नौबतपुर की बालिकाओं ने 200 मीटर,400मीटर की दौड़ में स्मृता साहनी प्रथम व कुश्ती में सन्ध्या,कबड्डी में प्रथम व लोकगीत में उच्च आदर्श बालिका विद्यालय अव्वल रहा।वहीअन्य प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया।वही विद्यालय के छात्राओ का मनोबल बढ़ाने के उच्च आदर्श बालिका विद्यालय द्वारा विजेता बालिकाओ को भाजपा जिला मंत्री कुलदीप सिंह व विद्यालय के कोषाध्यक्ष कुँवर वीरेंद्र प्रताप सिंह द्वारा बालिकाओ को पुरस्कृत किया गया। कुलदीप सिंह ने कहा की बच्चों को खेलकूद में भाग लेना चाहिए।इससे मन व मस्तिष्क दोनों मजबूत होती है। और उन्होंने ने कहा कि ऐसे प्रोग्राम विद्यालय में होने चाहिए व जब भी हमे अवसर मिलेगा मैं कुछ न कुछ इस विद्यालय के करता रहूंगा।इस मौके पर प्रधानाध्यापिका प्रतिमा जायसवाल,श्यामबिहारी सिंह,अरुण सिंह,विकास, उमाशंकर, जय सिंह,प्रेमा मौर्या, नामवर सिंह,मोहन,संजय,आरती, सुमन,मंशा देबि,सोनू व अन्य लोग मौजूद रहे। उपहार पाकर बच्चिया काफी उत्साहित थी।

डीएम के औचक निरीक्षण में दर्जनों चिकित्सक व कर्मचारी मिले अनुपस्थित

चंदौली। शासन की मंशा के अनुसार आम जनमानस को समय से चिकित्सा सुविधा व सरकार की योजनाओं एवं अन्य कार्यों के लिए ससमय सुविधा उपलब्ध होता रहे, बार-बार किसी कार्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। इस बाबत जिलाधिकारी द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सकलडीहा का औचक निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी श्री संजीव सिंह द्वारा सकलडीहा तहसील, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सकलडीहा व सकलडीहा ब्लाक कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया।

जिलाधिकारी द्वारा सर्वप्रथम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सकलडीहा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में आधा दर्जन से अधिक चिकित्सक सहित कर्मचारियों की अनुपस्थिति के साथ 10 संविदा कर्मचारी भी अनुपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने सभी को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश प्रभारी चिकित्साधिकारी को दिया। साथ ही निर्देशित किया कि 3 दिन के भीतर कृत कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश भी दिए। वहीं डॉक्टर श्वेता गौतम, डॉ पूजा सिंह, मीना सिंह, डॉ राजेश कुमार, स्वास्थ शिक्षा अधिकारी रजनीकांत, सिटी राजीव रोशन, कौशलेंद्र कुमार, सुषमा

यादव, नंदलाल प्रसाद सहित अन्य अनुपस्थित पाये गये। जिलाधिकारी ने सीएचसी के टूटे हुए बाउंड्री वाल का मरम्मत कराने के निर्देश प्रभारी चिकित्साधिकारी को दिए। जिलाधिकारी ने निमार्णाधीन आशा घर का निरीक्षण कर मानक व गुणवत्ता को देखा। साथ ही निर्माण एजेंसी को निर्देशित करते हुए कहा कि तय मानक में निर्माण कार्य अविलंब पूरा किया जाय लेटलतीफी कतई बर्दाश्त नहीं। जिलाधिकारी ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सकलडीहा को कनेक्ट करने वाली सड़कों की जल्द ही मरम्मत कार्य शुरू होगा। जिलाधिकारी द्वारा एक्सरे कक्ष, ब्लड जांच परीक्षण कक्ष, कम्प्यूटर कक्ष, आपरेशन कक्ष, दवा स्टोर रूम, लेवर रूम सहित अन्य का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने उपस्थित मरीजों से स्वास्थ्य की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने चिकित्सक से कहा प्रसव वाली महिलाओं एवं भर्ती मरीजों को भोजन समय से उपलब्ध होता रहे। मानक की अनदेखी न हो इसका विशेष ध्यान रखें। निरीक्षण के दौरान आपरेशन रूम में स्टैंड लाइट नही रहने पर तत्काल डिमाण्ड कर मंगाने के निर्देश दिए। डिलीवरी की जानकारी पर प्रभारी चिकित्साधिकारी ने बताया कि पिछले जून माह से अब तक 03 सीजीरियन ऑपरेशन हो चुका है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का प्रमुख ने लिया जायजा

चहनियां।चंदौली। ब्लाक प्रमुख अरूण जायसवाल सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चहनियां में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेते हुए उपस्थित चिकित्सकों से व्यवस्थाओं से सम्बन्धित जानकारी साझा किया। ब्लाक प्रमुख अरूण जायसवाल सोमवार को अचानक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चहनियां में पहुंचकर अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रभारी चिकित्सक से परिसर की साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत पर बल देते हुए एडीओ पंचायत इंद्रभूषण दुबे को सफाई कर्मी लगवाकर सफाई कराने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सक सहित स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति की जांच किया जिसमें सभी लोग उपस्थित पाये गये। जिसपर प्रमुख ने सन्तोष जताते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिए अपना सम्पूर्ण योगदान देने का आश्वासन चिकित्सकों को देते हुए दीपावली की शुभकामना दी और सभी स्वास्थ्य कर्मियों को उपहार स्वरूप मिठाई बितरित किया।

पतरही बाजार में धनतेरस को लेकर मंगलवार को ग्राहकों की उमड़ी भीड़

प्रखर पतरही जौनपुर।स्थानीय क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोपा में स्थित पतरही बाजार में मंगलवार को धनतेरस को लेकर ग्राहकों की उमड़ पड़ी भीड़।लक्ष्मी गणेश की मूर्तियों से लेकर बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक सामान,ज्वेलरी की दुकान सोमवार को ही सज गई थी।ग्राहकों को लुभाने के लिए दुकानदारों द्वारा आकर्षक सजावट की गई थी।बता दें कि दिवाली से पहले धनतेरस का दिन काफी अहम होता है।इस दिन खरीदारी को अधिक शुभ माना जाता है।इस दिन का लोग वर्ष भर इंतजार करते हैं ऐसे में हर कोई कुछ न कुछ जरूर खरीदता है।खासकर बर्तनों की खरीदारी जमकर होती है।धनतेरस पर इन देवताओं की जाती है पूजा कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस का पर्व मनाया जाता है. इस दिन को धन्वंतरि देव की जयंती के रूप में भी मनाते हैं. धनतेरस पर धनवंतिर देव की पूजा के साथ कुबेर, लक्ष्मी, गणेश और यम की भी पूजा की जाती है.इलेक्ट्रॉनिक्स एवं चन्द्रिका होंडा आटोमोबाइल्स के शोरूम में ग्राहक पहुँचने लगे थे।बाइक, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, टीवी आदि के खरीदार एडवांस देकर धनतेरस के लिए बुक कर चुके थे।धनतेरस पर झाड़ू खरीदने की भी परंपरा है धनतेरस पर कई वस्तुएं बर्तन,आभूषण,के साथ अन्य सामानों की खरीदारी के साथ झाड़ू खरीदने की भी परंपरा है। झाड़ू को माता लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है।मान्यता है कि धनतेरस के दिन झाड़ू खरीदने से घर में सुख-शांति आती है दरिद्रता दूर होती है।मान्यता यह भी है कि धनतेरस के दिन अगर नई झाड़ू घर लायी जाए तो धन से संबंधित परेशानियां भी दूर होती है।गौरतलब हो कि धनतेरस व दीपावली को लेकर बरनवाल आभूषण भण्डार पर भी चहल पहल देखने को मिली।शुभ मुहूर्त में लोगों ने की खरीदारी त्योहार को देखते हुए कपड़े व बर्तन की दुकानों पर हर उम्र वर्ग के लोगों की भीड़ देखने को मिली दुकानदारों का कहना है कि महंगाई के कारण अधिक कीमती सामान को खरीदने में लोग कुछ झिझक रहे हैं। बावजूद इसके दुकानों पर भीड़ उमड़ी रही।

मगन दीवाना पहाड़ पर यदुवंशी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन

प्रखर अहरौरा मिजापुर। यदुवंशी स्पोर्ट क्लब दौड़ प्रतियोगिता मगन दीवाना पहाड़ पर सम्पन्न हुआ जिसमें अहरौरा समेत आसपास के युवाओं ने काफी गर्मजोशी के साथ सहभागिता की इस दौड़ में1600 मीटर में आलोक यादव मिजापुर प्रथम स्थान तथा 3000मीटर में आशीष मिजापुर प्रथम स्थान जसवन्त यादव मदापुर अहरौरा तथा 5000मीटर में बबुलाल चंदौली प्रथम और चौथा और पाचवे पर कबी यादव मदापुर और कल्लू यादव खाजगीपुर अहरौरा स्थान प्राप्त किये इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य राम मनोहर यादव उपस्थित रहे, मदापुर के ग्राम प्रधान इंजीनियर विकास यादव विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता इंजीनियर कमलेश यादव ने किया, मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में फौजी बलवंत यादव, फौजी दुर्गेश यादव, फौजी संतोष यादव, फौजी जितेंद्र यादव, फौजी विपिन, कमलेश, विमल, उपाध्यक्ष अकाश यादव के साथ विमलेश प्रधान,दिनेश प्रधान,दिलीप राजू आदि उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन डॉ सुरेश यादव के द्वारा किया गया।

ऊर्जा राज्यमंत्री ने किया भाजपा कार्यकर्ता के प्रतिष्ठान का उद्घाटन

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नगर के सत्मानगंज मोहल्ले में वरिष्ठ भाजपा नेता स्व 0 किनाराम चौरसिया के पौत्र स्व 0 राजकुमार चौरसिया के पुत्र मनोज चौरसिया के चौथे प्रतिष्ठान राज स्टिल प्लाईबोर्ड एंड मार्बल की शाखा का भव्य उद्घाटन उत्तर प्रदेश के ऊर्जा राज्य मंत्री रमाशंकर सिंह पटेल के हाथों धनतेरस के शुभ अवसर पर उद्घाटन किया गया प्रतिष्ठा के प्रोप्राइटर मनोज कुमार ने बताया कि ग्राहकों का विश्वास ही हमारा लक्ष्य है हम क्वालिटी और क्वांटिटी भी देते हैं और नगर में यह हमारी चौथी शाखा है वही ऊर्जा राज्य मंत्री ने बताया की भाजपा यूवा मोर्चा के कोषाध्यक्ष मनोज चौरसिया निष्ठावान कार्यकर्ता के साथ साथ एक अच्छे व्यवसाई भी हैं हम ईश्वर से कामना करते हैं कि यह और लगन के साथ अपने प्रतिष्ठान को आगे बढ़ाएंगे एवं पार्टी के लिए भी समय देते हुवे निष्ठावान बने रहेंगे इस अवसर पर उपस्थित रहने वालों में नगर मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह, रमेश सिंह, मंडल पिछड़ा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष संतोष सिंह पटेल, भाजयुमो के जिला मंत्री अमित शाह, नगर मंडल उपाध्यक्ष जय किशन जयसवाल, सभासद कृष्ण कुमार तिवारी, राघवेंद्र प्रताप सिंह, शैलेंद्र श्रीवास्तव, पूर्व मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी, रानू चौरसिया सानू चौरसिया, बासु चौरसिया, बाबू चौरसिया, वह भाजपा पदाधिकारियों समेत नगर के संभ्रांत व्यक्तिय भारी संख्या में उपस्थित रहे।

गोरखपुर मानसरोवर मन्दिर पर 5100 दीप प्रज्ज्वलित किए गए

प्रखर कुशीनगर। नवभारत निर्माण ट्रस्ट के द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दीपावली के पूर्व गोरखनाथ पुल के निकट रामलीला मैदान के सामने मानसरोवर मन्दिर पोखरे पे दीपोत्सव का कार्यक्रम रखा गया इस वर्ष 5100 दीप प्रज्वलित कर - एक नगर एक उत्पाद (टेराकोटा) को बढ़ावा देने , चाइनीज सामान का बहिष्कार के लिए 5100 मिट्टी के दिए प्रज्वलित किए गए जिसमें किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर कन्केश्वरी नंदगिरी जी के साथ राकेश श्रीवास्तव जी, हरिप्रसाद सिंह जी, डॉ० रूप कुमार व कार्यक्रम के आयोजक और नवभारत निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष विक्रमादित्य नारायण सिंह ने सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित किया ।मानसरोवर मन्दिर द्वार पर अभिषेक श्रीवास्तव व शिफाली शर्मा के द्वारा बनाई गई सुंदर रंगोली, 21 पुजारियों के द्वारा आरती , सभी मोहल्ले वासी व संगठन के कार्यकताओं का मिलकर दीप जलाना कार्यक्रम की सुंदरता बढ़ा रहे थे।

कार्यक्रम के समापन में मनोज अवस्थी (यस०पी० साउथ) के संघ ,अमित सिंह जी, सुनिशा श्रीवास्तवा जी ,सचिन गुप्ता जी,उमेश आग्रहरी जी व सोमू निगम ने किया। विक्रमादित्य ने बताया की नवभारत निर्माण ट्रस्ट के कार्यकर्ता दीप प्रज्वलित करने में लगे हुए थे कार्यक्रम में करुणेश पाण्डेय,अमित चौधरी, रागिनी गुप्ता,कहकशा सिद्दिकी, कुन्दन सिंह, धर्मवीर यादव, मनीष यादव ,संगम,मोहम्मद सादेकीन, विकास गुप्ता, अविचल त्रिपाठी, सुभम पाण्डेय, संघ गोरखपुर विश्वविद्यालय के मनीष जायसवाल, अनिल दुबे,शिव शंकर गौड़, हर्षवर्धन सिंह,आलोक सिंह , आकाश प्रताप यादव मौजूद रहें।

मित्र सेवा केंद्र का हुआ भव्य उद्घाटन

प्रखर वाराणसी। सेवापुरी कपसेठी थाना क्षेत्र के लोहराडीह गांव में मंगलवार की दोपहर मित्र सेवा केंद्र कार्यालय का उद्घाटन मुख्य अतिथि किरन सिंह (पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत) पत्नी सुशील सिंह विधायक सैयद राजा ने फीता काटकर किया। इस दौरान मित्र सेवा प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के वर्टिकल मैनेजर अभय त्रिपाठी व एरिया मैनेजर विनीत त्रिपाठी द्वारा वहां पर मौजूद ग्रामीण महिलाओं पुरुषों को मित्र सेवा के कार्यों की जानकारी दी गई। एरिया मैनेजर विनीत त्रिपाठी ने कहा कि अभी तक मित्र सेवा केंद्र का पूरे भारत में पन्द्रह हजार से भी ज्यादा सेंटर चालू हो चुका है मित्र सेवा केंद्र के द्वारा एक लाख लोगों को रोजगार देने है जो कि ये बहुत ही सराहनीय कार्य है । मित्र सेवा केंद्र में महिला सशक्तिकरण, मित्र बैंकिंग सेवा, मित्र डिजि पोर्टल, मित्र बीमा , मित्र -ई-स्टोर, मित्र ईजी स्टोर, मित्र सुविधा, और बैंकिंग के माध्यम से किसी भी बैंक का आधार द्वारा पैसा निकासी किया जा सकता है। इस दौरान प्रमुख रूप से फील्ड ऑफिसर राहुल यादव, मित्र सेवा केंद्र के संचालक अरविंद प्रकाश गौतम, फील्ड इक्जेटिव अवनीश कुमार दुबे, अजय सिंह, प्रकाश राय, अभिषेक त्रिपाठी, शिवकुमार यादव, राजेश सिंह, बेचन राव, अखिलेश राव सहित दर्जनों लोग रहे।

बिजली विभाग के वसूली कैंप में युवक ने किया जेई से हाथा पाई

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नगर के पट्टी कला मोहल्ला में बिजली विभाग द्वारा विद्युत बिल के वसूली हेतु लगाए गए कैंप में एक शराबी एवं उत्पाती किस्म के व्यक्ति ने एस डी ओ एवं जेई को अनाप-शनाप बकने लगा अधिकारियों ने जब विरोध किया तो वह युवक हाथापाई पर उतारू हो गया और वसूली में व्यवधान डाल दिया। अहरौरा विद्युत उपखंड के जे ई राकेश कुमार सिंह ने थाना अध्यक्ष को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि पट्टी कला निवासी राजकुमार यादव ने विद्युत वसूली के लिए लगाए गए पट्टी कला के कैंप में पहुंचकर मेरे एवं उपखंड अधिकारी दीपक पटेल के साथ दुर्व्यवहार किया तथा अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किया जब उसको मना किया गया तो वह हाथापाई करने पर उतारू हो गया। यही नहीं उक्त युवक ने बिजली वसूली का कार्य कर रहे कर्मचारियों का लैपटॉप भी क्षतिग्रस्त कर दिया।

नीट यूजी में उत्कर्ष और आतेका जैदी ने सफलता की लिखी इबारत

प्रखर खेतासराय जौनपुर। नीट यूजी की परीक्षा में इलाके के दो होनहार छात्र और छात्रा ने सफलता की इबारत लिखी है।खेतासराय निवासी उत्कर्ष राजस्थान में रहकर तैयारी कर रहे थे, उन्हें 617 अंक मिला जबकि जबकि लखमापुर निवासी आतेका ने 624 अंक प्राप्त किया।वह लखनऊ में ही रहकर पढ़ाई कर रही थी।दोनों परिवारों को बधाई देने के लिए तांता लगा हुआ है। खेतासराय कस्बा निवासी शिक्षक डॉ अमलेंद्र कुमार गुप्ता के इकलौते बेटे उत्कर्ष ने नीट की परीक्षा में सफलता दर्ज की।नगर के नेशनल नेशनल चिल्ड्रन स्कूल से

lkg की पढ़ाई की, उसके बाद उन्होंने बेसिक और इंटर तक की पढ़ाई गोंडा से पूरी की।हाइस्कूल में 96.14% और इंटर में 84% अंक मिले।शुरू से ही मेधावी रहे।राजस्थान में बीएससी माइक्रो बॉयोटेक में दाखिला लिया साथ मे नीट की तैयारी कर रहे थे।ग्रेजुएशन उत्तीर्ण के साथ नीट क्वालीफाई किया। 14331 रैंक मिली जब कि कटेगरी रैंक 7363 प्राप्त किया।दूसरे प्रयास में यह सफलता मिली।उत्कर्ष मा और पिता दोनों सरकारी शिक्षक है। वही लखमापुर निवासी आतेका की बेसिक शिक्षा लखनऊ में हुई,हाइस्कूल और इंटर की परीक्षा सेंट कलारेस कॉन्वेंट स्कूल से पूरी की।हाइस्कूल में 95.8 % और इंटर में 95.6 % अंक मिले।पूर्व प्रधान बाकर मेहंदी अर्शी की लाडली बेटी पढ़ाई में जहीन थी।उनके पहले प्रयास में 624 अंक मिले रैंक 10054 रही। आतेका की माँ भी गांव की प्रधान रही,तत्कालीन पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने शाहगंज ब्लॉक में उच्च तालीम याफ़्ता होने पर उन्हें सम्मनित भी किया।क्षेत्र के दोनों मेधावियों के परिजनों को बधाई संदेश देने के लिए तांता लगा है।

मेरठ के पहलवानों का गोरखपुर में उम्दा प्रदर्शन पुरुष और महिला दोनों वर्गों में जीते पदक

मेरठ। सीनियर उत्तर प्रदेश पुरुष व महिला कुश्ती प्रतियोगिता 28 से 31 अक्टूबर तक सहजनवा गोरखपुर में आयोजित हुई। उक्त प्रतियोगिता में जिला मेरठ की टीमों ने भी भाग लिया। रुस्तम ए तारा सिंह कुश्ती स्टेडियम में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के पहलवानों ने दमदार प्रदर्शन किया। पदक जीतने वाले पहलवानों में महिला वर्ग में शीतल तोमर ने 50 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक अर्जित किया। इसी तरह दीक्षा तोमर ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। 55 किलोग्राम भार वर्ग में इंदु तोमर स्वर्ण पदक अर्जित किया। रजनी ने 68 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक अर्जित किया और 76 किलोग्राम भार वर्ग में वर्षा चौधरी स्वर्ण पदक अर्जित किया। 72 किलोग्राम भार वर्ग में मनु तोमर ने कांस्य पदक जीता। पुरुष वर्ग में नंबर 60 किलोग्राम भार वर्ग में सौरव गुर्जर ने स्वर्ण पदक अर्जित किया, 65 किलोग्राम भार वर्ग में दीपक ने कांस्य पदक जीता। 97 किलोग्राम भार वर्ग में प्रवेश सोम ने कांस्य पदक, 130 किलोग्राम भार वर्ग में गौरव गुर्जर ने स्वर्ण पदक जीता।

रंगोली से किया जागरूक– मेरठ। एनएएस पीजी कालेज में मतदाता साक्षरता, जागरूकता क्लब की ओर से रंगोली प्रतियोगिता हुई। इसमें छात्राओं ने रंगोली के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति को प्रदर्शित किया। रंगोली में मतदान, मतदाता जागरुकता अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, रक्तदान महादान, नेत्रदान, दीपावली में ग्रीन पटाखे का इस्तेमाल करने का संदेश रहा। रंगोली में बीए तृतीय वर्ष की मनीषा, साक्षी शर्मा, तनु चौहान, स्वाति राठी की टीम ने प्रथम रहीं। प्राचार्य मनोज अग्रवाल ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। निर्णायक मंडल में डा. शिखा चतुवेर्दी, अनु कुमारी, सुचित्रा रहीं। संत लाल रावत, राजीव कुमार, नवीन गुप्ता, डा. देवेश टंडन, हरीश गुप्ता, संजय कुमार की सहभागिता रही।

स्वास्थ्य के लिए की जाती है भगवान धनवंतरी की पूजा : डॉक्टर ओपी सिंह

पीडीडीयू नगर। बाल चिकित्सालय के प्रांगण में मंगलवार को धन्वंतरी जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान आयुर्वेद(निमा) चिकित्सकों ने आयुर्वेद के जनक का पूजन किया। उक्त अवसर पर नीमा के प्रदेश प्रवक्ता एवम चिकित्सा प्रकोष्ठ भाजपा के सह सयोंजक डॉक्टर ओपी सिंह ने कहा कि आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि की पूजा अच्छे स्वास्थ्य के लिए की जाती है। आज भी आयुर्वेद में इतनी ताकत है कि पुराने से पुराने मर्ज को बिना किसी साइड इफेक्ट के ठीक कर सके। आज के ही दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जन्मदाता धन्वंतरि समुद्र से अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे ।इसलिए वैध हकीम चिकित्सक इस तिथि पर धन्वंतरि भगवान का पूजन कर धन्वंतरि जयंती मनाते हैं डॉ सिंह ने बताया कि धन्वंतरि को हिंदू धर्म में देवताओं का वैध माना जाता है।यह एक महान चिकित्सक थे। जिन्हें देव पद प्राप्त हुआ।इन्होंने ही अमृत में औषधि की खोज की थी । डॉ मनोज ने बताया कि कई गंभीर रोगों का भी आयुर्वेद में उपचार है।चिकित्सकों ने पूजा अर्चना कर प्रसाद वितरण किया। घरों में भी भगवान धन्वंतरि की पूजा विधि विधान से की गई भगवान धन्वंतरि को विष्णु भगवान का अवतार भी माना जाता है।

दंत चिकित्सकों ने झोलाछाप डॉक्टरों के विरुद्ध डीएम व सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

प्रखर जौनपुर। जिले के सभी दंत चिकित्सकों ने झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ जिलाधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन दिया और मांग की गई कि इन सब झोलाछाप दंत चिकित्सकों पर रोक लगाई जाए विगत कुछ वर्षों में जिले के अंदर व ग्रामीण इलाकों में भी झोलाछाप दंत चिकित्सकों की बाढ़ सी आ गई है जो लगातार खुलेआम बिना किसी डिग्री के शासन और प्रशासन के नाक के नीचे अवैध तरीके से दंत चिकित्सा के कार्य को अंजाम दे रहे हैं जिससे आम जनता और ग्रामीण जनता का आर्थिक और शारीरिक शोषण किया जा रहा है इस प्रकार इलाज करने से मुख कैंसर और मुख संबंधित विभिन्न प्रकार की बीमारियां गंभीर रूप से धारण करने लगी है माननीय प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के कोविड-19 फ्री अभियान को भी नुकसान पहुंच रहा है यह झोलाछाप चिकित्सक बिना कोई मापदंड या मानक पूरा किए प्रशासन को धता बताते हुए काम कर रहे हैं पूर्व में भी दंत चिकित्सकों के संगठनों द्वारा ज्ञापन और जानकारी स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराई गई जिसका कोई नतीजा नहीं निकला जिलाधिकारी द्वारा किए जा रहे लोक कल्याण कार्यों एवं सही निदेर्शों को ध्यान में रखते हुए हम सभी दंत चिकित्सक संगठन और दंत चिकित्सक आप से काफी आशान्वित है कि आप इस बढ़ते हुए झोलाछाप डॉक्टरों पर नकेल कसने और उन पर सख्त कार्रवाई करें ताकि आम जनमानस और भोली भाली ग्रामीण क्षेत्रों की जनता का आर्थिक और शारीरिक शोषण रोका जा सके और उनको सही इलाज मिल सके। प्रदर्शन में डॉक्टर अतुल गुप्ता, डॉ शिखा गुप्ता, डॉक्टर संजय वर्मा, डॉक्टर सजीत पांडे, डॉक्टर जीशान, डॉ ओ पी पाठक, डॉक्टर सौरभ उपाध्याय, डॉक्टर अरीबुज्जमा,डॉक्टर गौरव, डॉक्टर सौरभ रस्तोगी, आशुतोष सोनकर, डॉक्टर सचिन सिंह, डॉक्टर प्रवेश यादव आदि दंत चिकित्सक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

आईआईटी की पढ़ाई छोड़, चुना मेडिकल प्रोफेशन

दो युवाओ के नीट परीक्षा में सफल होने पर क्षेत्रवासियों में खुशी

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। केराकत तहसील अंतर्गत बेहड़ा व बराई गांव के दो युवकों ने नीट की परीक्षा में सफल रहे।जिस की खबर लगने पर क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ उठी। बराई गांव निवासी रामशंकर सिंह का बेटा आर्यन सिंह ने आई आई टी का पढ़ाई छोड़के मेडिकल प्रोफेशन चुना और दूसरे प्रयास में 2145वाँ रैंक ईडब्लूएस में प्राप्त कर नीट की परीक्षा में सफल रहा। आर्यन ने बताया कि मैं एक मध्यम परिवार से हु। दो साल पहले आईआईटी प्रवेश परीक्षा पास किया था। लेकिन कोरोना महामारी को देख इरादा बदल दिया।पढ़ाई छोड़ मेडिकल की पढ़ाई करने का विचार किया ताकि लोगो की स्वास्थ्य सेवा कर सकूं।इसलिए मेडिकल परीक्षा करने की तैयारी में जुट गया।दूसरे प्रयास में सफलता हाथ लगी।मेरे पिता जी मुम्बई में ही छोटी सी नौकरी कर मेरा लालन पालन किये है। इसी क्रम में बेहड़ा गांव निवासी अनुराग सिंह के इकलौते पुत्र नीरज सिंह ने तीसरे प्रयास में3900 वा रैंक पाकर सफलता हासिल किया सफलता हासिल किये दोनो युवाओ के नीट परीक्षा की खबर क्षेत्र में लगी तो लोगो के बीच खुशी की लहर दौड़ उठी। युवाओ के घर बधाई देने वाले लोग आते जाते रहे।

उत्तर प्रदेशीय शिक्षक सघ के ब्लाक अध्यक्ष ज्योति भूषण पाण्डेय चुने गये

प्रखर चिरईगाव वाराणसी। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के चिर ईगाव के ब्लाक पदाधिकारियो का चुनाव हुआ।जिसमे अध्यक्ष पद के लिए ज्योति भूषण पाण्डेय को अध्यक्ष चुना गया।यह चुनाव ब्लाक संसाधन केन्द आशापुर वाराणसी।

समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव पद पर ई0 विवेक सिंह का मनोनयन

प्रखर वाराणसी। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर लोहियावाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप तिवारी जी ने आज समाजवादी पार्टी लोहियावाहिनी के राष्ट्रीय सचिव पद पर ई0 विवेक सिंह का मनोनयन किया । ई0 विवेक सिंह पूर्व में जिला सचिव , युवजनसभा प्रदेश सचिव रहते हुए पार्टी के आंदोलनों में भागीदार रहे हैं । ई0 विवेक सिंह को लोहियावाहिनी राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर पूर्व मंत्री मनोज राय धुपचण्डी , जिलाध्यक्ष सुजीत यादव उर्फ लक्कड़ , युवजनसभा प्रदेश सचिव वरुण सिंह , महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा , पूर्व मंत्री सुरेन्द्र पटेल , युवजनसभा महानगर अध्यक्ष सत्यप्रकाश सोनकर सोनू , शिक्षक सभा महानगर अध्यक्ष आलोक गुप्ता , सपा नेता विवेक रंजन केपी यादव , महिलासभा पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियांशु यादव , वीरेन्द्र यादव ,हनुमान यादव , रवि कुमार बिन्द उर्फ भानु , नीरज सेठ , राजेश केशरी सहित समाजवादियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया ।

एसडीएम का चला हंटर, हटाए गए अवैध निर्माण

प्रखर चंदौली। मुगलसराय के ग्राम दरियापुर कबीरपुर मे एसडीएमराम्या आर द्वारा पंचायत भवन बनवाने के लिए बंजर भूमी पर कब्जा किये गए जमीन पर एसडीएम ने जेसीबी द्वारा अवैध निर्माण को तुरंत ढहाने का आदेश दे दी हम आप को बता दे सरकार की तरफ से हर गांव में पंचायत भवन बनने के लिए जमीन को चिन्हित किया गया वही ग्राम दरियापुर में भी एक जमीन चिन्हित हुई लेकिन उस पर अवैध कब्जा होने के कारण पंचायत भवन बनने में दिक्कतें आ रहे थे जिससे कि ग्राम प्रधान बबीता देवी ने मुगलसराय तहसील एसडीएम से उस जमीन को खाली कराने के लिए तथा पंचायत भवन बनाने के लिए जमीन पर अवैध कब्जा हटवाने की गुहार लगाई और एसडीम ने भी तुरंत एक्शन लेते हुए अवैध निर्माण हटा करके पंचायत भवन की जमीन चिन्हित कर ग्रामसभा को सौंप दिया जिससे कि वह पंचायत भवन निर्माण हो सके इस दौरान कानूनगो अनिल कनौजिया, लेखपाल जितेंद्र यादव, ग्राम सचिव श्री एस त्रिपाठी, प्रधान पति महेश पटेल, इत्यादि ग्रामवासी मौजूद रहे।

जनपद स्तर पर खेलो बनारस 2021 में 800 मीटर दौड़ में ककरहियाँ के बच्चों ने मारी बाजी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सिगरा स्टेडियम वाराणसी में जिला स्तरीय खेलो बनारस के प्रथम दिन की शुरूआत वाराणसी मुख्य अतिथि आयुक्त दीपक अग्रवाल द्वारा क्लैप बजाकर किया गया , जिसमें ककरहियाँ की नेहा मिश्रा ने 800 मीटर में प्रथम स्थान प्राप्त किया । इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक गोयल,जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद राय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राकेश सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी डॉ किरण पांडेय, प्रीति सिंह,स्कंद गुप्ता, रामटहल, रमाकांत,बृजेश राय सहित प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला वरिष्ठउपाध्यक्ष सनत कुमार सिंह,अनूप सिंह,अरविंद सिंह भाई , कौशल, मनोज, श्री पादवल्लभ बक्षी सहित लोगो ने बच्चों व मार्गदर्शक राजेश सिंह को ढेर सारी बधाई व शुभकामनाएं व्यक्त किया।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं